शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के वादे के साथ सत्ता में आई कांग्रेस सरकार में 1 साल .... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 05 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-186

मुस्लिम तुष्टिकरण की बेहयाई : बंगाल, केरल, झारखंड

संविधान के पॉकेट-डायरी 'संरक्षकों' से सावधान रहें...

शुभ-लाभ सरोकार

आप सबने देखा पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपरा विधानसभा क्षेत्र में एक महिला और एक पुरुष की किस तरह सरेआम बर्बर पिटाई की गई। महिला को किस तरह सड़क पर घसीट घसीट कर डंडे और लात घूंसों से मारा गया, इसका वीडियो देशभर में सार्वजनिक हुआ। इसके अलगे दिन ही एक और वीडियो उजागर हुआ, जिसमें एक महिला को रस्सियों से बांध कर सड़क पर घुमाया गया और उसे लगातार पीटा जाता रहा। दोनों घटनाओं में बड़ी भीड़ जमा थी, वह तमाशबीन भीड़ थी, जब बर्बर शरीया कानून के तहत महिलाओं को सजा दी जा रही थी, चारों तरफ से तमाशा देख रही भीड़ अपना मनोरंजन कर रही थी। ताजेमुल नाम का गुंडा शरीया-जज बना डंडा और लात से न्याय कर रहा था। यह सब लोगों ने देखा। आम लोगों ने भी और उन खास लोगों ने भी जो संविधान को पॉकेट में लिए घूमते हैं और बार बार पॉकेट से निकाल कर उसका प्रदर्शन करते हैं। लेकिन बीच सड़क पर संविधान और कानून के साथ हो रहे व्यभिचार पर शातिराना चुप्पी साधे रहते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद देशभर में इसकी कितनी भी निंदा हुई हो, लेकिन स्थानीय टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान से लेकर प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और फर्जी संविधान रक्षकों की बेशर्मी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। टीएमसी विधायक ने तो कहा, इस्लामी मुल्क में ऐसा ही होता है। जैसे वह मानता हो कि भारत अब इस्लामिक देश तो हो चुका।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से रिपोर्ट तलब की है। उन्होने इसे बर्बर घटना करार दिया है। हिम्मत देखिए कि सत्ताधारी दल के विधायक को यह भरोसा था कि उक्त महिला या उसके परिजन इस मामले में पुलिस तक नहीं जाएंगे। विधायक ने कह दिया कि सिर्फ मीडिया हल्ला मचा रहा है। विधायक और उसके गुंडों का इतना आतंक है कि बर्बर सलूक का शिकार हुई पीड़िता थाने में एफआईआर दर्ज करने का साहस नहीं कर पाई। एफआईआर दर्ज करा देती तो उस महिला का क्या हश्र होता, इसकी कल्पना की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में शरिया कानून के नाम पर गुंडागर्दी और आतंक का आलम यह है कि पुलिस और अदालतों का कोई औचित्य नहीं रह गया है।

जंगलराज कैसा होता है, यह हम पहले बिहार में लालू यादव के शासनकाल में देख चुके हैं और अब पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी के शासनकाल में देख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के विधायक हमीदुल रहमान और ताजेमुल हक उर्फ जेसीबी जैसे उसके गुंडे संविधान को खुलेआम अपमानित कर रहा है। लेकिन ममता और इंडी के दूसरे नेता सब चुप हैं।

झूठ और फरेब रचने के सरताज राहुल गांधी और उनकी पिछलग्गू इंडी जमात भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाती है। जबकि संविधान का खुद मजाक उड़ाते हैं। केवल बंगाल में संविधान की ऐसी तैसी नहीं हो रही, बल्कि कई और प्रदेशों में हो रही है, जहां इंडी गठबंधन का शासन है। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली स्थित श्रीरंगम के तिरुचेंदुराई में तो पूरे के पूरे गांव पर ही वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया। गांव में मंदिर भी था, उसको भी वो अपनी सम्पत्ति बताने लगे। कावेरी नदी के तट पर स्थित 1500 वर्ष पुराना सुंदरेश्वर मंदिर भी मुसलमानों का हो गया। जबकि उनका मजहब ही मंदिर के निर्माण के बाद अस्तित्व में आया। आप सोचिए, यह कानून और संविधान के साथ कैसा मजाक है।

एक हिंदू जब अपनी जमीन बेचने गया तो प्रशासन ने उसे बताया कि उसकी पूरी 1.20 एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड की है। उसे 20 पन्नों का दस्तावेज थमा दिया गया। ▶10 पर

झारखंड में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की घुसपैठ पर हाईकोर्ट नाराज

पश्चिम बंगाल के बाद झारखंड को 'इस्लामिक-राज्य' बनाने की तैयारी

घुसपैठियों को तत्काल बाहर करे सरकार

- **घुसपैठियों पर हाईकोर्ट ने राज्य और केंद्र दोनों से रिपोर्ट मांगी**
- **लव-जेहाद, भूमि-जेहाद और वोट-जेहाद से पूरा झारखंड आक्रांत**

रांची, 04 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बाद पड़ोसी राज्य झारखंड को इस्लामिक राज्य बनाने की तैयारी है। भारी तादाद में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को सीमाई इलाकों में लाकर बसाने से जनसंख्या का भारी असंतुलन पैदा हो गया है। झारखंड की आदिवासी युवतियों को लव-जेहाद में फंसा कर उनसे निकाह करने और झारखंड की आदिवासी संस्कृति को प्रदूषित करने का जेहाद तेज गति से चल रहा है। यह इतने नियोजित तरीके से किया जा रहा है कि इसके तार लद्दाख से लेकर मणिपुर तक और उत्तराखंड से लेकर केरल तक जुड़ रहे हैं। सांस्कृतिक प्रदूषण के जरिए इस्लामिक अपसंस्कृति के घालमेल का विकृत दृश्य पूरे देश में पैदा किया जा रहा है।

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में बढ़ रही घुसपैठ को लेकर नाराजगी जाहिर की है और राज्य सरकार को फौनर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को तत्काल प्रभाव से राज्य से बेदखल करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को लेकर राज्य सरकास से पूरी रिपोर्ट तलब की है।

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि दो सप्ताह के भीतर राज्य में मौजूद घुसपैठियों का पता लगाए, उन्हें चिन्हित करे और उन पर कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करे। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से घुसपैठियों की स्थिति को लेकर रिपोर्ट मांगी है। झारखंड हाईकोर्ट की यह सख्ती डेनियल दानिश की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आई। याचिका में अदालत को बताया गया था कि राज्य के संथाल परगना के जो भी जिले बांग्लादेश से सटे हुए हैं, उनमें बांग्लादेश के प्रतिबंधित संगठन सुनियोजित तरीके से झारखंड की जनजातीय लड़कियों से शादी करके उनका धर्मांतरण करवा रहे हैं। नए मदरसे भी खुल रहे हैं। यहां 46 नए मदरसे खुले हैं। संथाल परगना में गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले शामिल हैं। हाईकोर्ट का संज्ञान और उसकी नाराजगी झारखंड की उस समस्या को दर्शाती है जो धीरे-धीरे नासूर बन चुकी है। संथाल परगना के जिले पश्चिम बंगाल से सीमाएं साझा करते हैं। पहले घुसपैठिए बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल में आते हैं और यहां से फैलते हुए वह झारखंड में आ जाते हैं।

झारखंड हाईकोर्ट की टिप्पणी को रेखांकित करने वाली कई घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले मार्च 2024 में जनजातीय महिलाओं के साथ विवाह करने की जेहादी हरकतें बड़े पैमाने ▶10 पर

टी20 क्रिकेट विश्व कप विजेता प्रधानमंत्री से मिले

विजेता ने विजेताओं का भावुक स्वागत किया

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप में जीत के बाद गुरुवार को स्वदेश लौटी भारतीय क्रिकेट टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। फाइनल के बाद तीन दिन तक बारबाडोस में फंसी भारतीय टीम गुरुवार सुबह छह बजे नई दिल्ली पहुंची और प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। जैसे ही भारतीय टीम ने पीएम मोदी और टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, एक अविश्वसनीय दृश्य सामने आया। पीएम मोदी ने टी20 विश्व कप ट्रॉफी को छुआ नहीं था। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का हाथ पकड़ा था, ट्रॉफी दोनों के हाथ में था।

द्रविड़ और रोहित ने एक-एक हाथ से ट्रॉफी हाथ में उठाई, जबकि पीएम मोदी ने इन दोनों का हाथ पकड़ रखा था। पीएम मोदी का ऐसा करना सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक अनकहे नियम के मुताबिक, टीमों या व्यक्तियों द्वारा जीती गई ट्राफियां या पदक केवल उन लोगों द्वारा स्पर्श किया जाना चाहिए जिनकी टीम ने यह ट्रॉफी जीती है। यानी ट्रॉफी पर हक उन्हीं का होता है जिन्होंने उसे अपनी मेहनत से जीता है। ऐसा कई बार फीफा विश्व कप के दौरान भी देखा गया है। ऐसा कहा जा रहा है कि पीएम मोदी ने भी इसीलिए भारतीय टीम और ▶10 पर

हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने

झारखंड में तेजी से बनते-बिगड़ते सियासी समीकरण के बीच पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। इससे पहले उन्हें विपक्षी गठबंधन विधायक दल का नेता चुना गया। राज्यपाल सीवी राधाकृष्णन ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन के इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था।

रांची, 04 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राज्यपाल सीवी राधाकृष्णन ने शाम करीब पांच बजे राजभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। 28 जून को करीब पांच महीने बाद जेल से रिहा किया गया था। जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में अदालत से जमानत मिलने के बाद उन्हें जेल से रिहा किया गया। हेमंत ने 31 जनवरी को गिरफ्तार होने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। हेमंत के जेल जाने के बाद चंपई सोरेन मुख्यमंत्री बने थे। बुधवार को उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। राजभवन में केवल हेमंत सोरेन को सीएम पद की शपथ दिलाई गई। मंत्रिमंडल विस्तार बाद में किया जाएगा। ऐसे में मंत्रिमंडल के सहयोगियों को बाद में शपथ दिलाई जाएगी।

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कल राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद चंपई सोरेन ने ही विधायक दल के नेता और राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया है। चंपई सोरेन समन्वय समिति के चेयरमैन होंगे।

बीजद ने मिलाया विपक्ष से हाथ वाईएसआरसीपी अब भी साथ

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल में संसद के अंदर क्षेत्रीय पार्टियों ने अलग अलग रुख अख्तियार किया है। अब से पहले राजग का समर्थन करने वाली बीजद ने इस बार पूरी तरह विरोधी रुख अपनाया और सत्ता पक्ष का विरोध कर रहे विपक्ष के साथ वॉकआउट भी किया। वहीं वाईएसआर कांग्रेस ने विपक्ष के प्रदर्शनों से दूरी बनाए रखी और केंद्र के प्रति हमदर्दी दिखाई।

दोनों ही पार्टियों को हाल में हुए लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही अपने-अपने राज्यों में भी दोनों ने सत्ता खो दी। दोनों ने केंद्र में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान संसद में प्रमुख विधायी मामलों पर सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन किया था। आंध्र प्रदेश की वाईएसआरसीपी और ओड़ीशा की बीजद की राज्यसभा में अच्छी उपस्थिति बनी हुई है, जहां भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के पास बहुमत नहीं है। उच्च सदन में उनका रुख सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकता है। बीजद के 245 सदस्य उच्च सदन में नौ सदस्य हैं। वहीं वाईएसआरसीपी के 11 सांसद हैं। लोकसभा में बीजद का एक भी सांसद नहीं है, जबकि वाईएसआरसीपी के पास चार सदस्य हैं। ▶10 पर

राहुल गांधी के झूठ का आधिकारिक पर्दाफाश

शहीद अग्निवीर के परिवार को मिले 98.39 लाख

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार को लेकर सियासी हंगामा मचा हुआ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में निचली सदन में दावा किया था कि कुमार के परिजनों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। राहुल के इस दावे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवाब दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना अग्निवीरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्पष्टीकरण लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा एक्स पर अजय के पिता का एक वीडियो साझा करने के बाद आया है।

सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने भी बुधवार को जवाब दिया। महानिदेशालय ने कहा कि भारतीय सेना अग्निवीर अजय कुमार द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान को सलाम करती है। एक शहीद नायक को मिलने वाले भत्ते का भुगतान अग्निवीरों सहित दिवंगत सैनिकों के परिजनों को शीघ्रता से किया जाता है। ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। कुल देय राशि में से अग्निवीर अजय के परिवार को पहले ही 98.39 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अग्निवीर योजना के प्रावधानों के अनुसार लागू लगभग 67 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और अन्य लाभ, पुलिस सत्यापन के तुरंत बाद अंतिम खाता निपटान पर भुगतान किए जाएंगे। कुल राशि लगभग 1.65 करोड़ रुपए होगी। रक्षा मंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि भारतीय सेना अग्निवीरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले दिन, विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर ▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,049.67
+62.87 +0.08% ↑

एनएसई : 24,302.15
15.65 (0.06%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 27°
न्यूनतम : 21°

लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ रिपोर्ट से हुआ खुलासा

वायु प्रदूषण से दस शहरों में हर साल 33 हजार मौतें

दिल्ली के बाद सर्वाधिक मौतें पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। देश में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या है, लेकिन अब एक ताजा अध्ययन में जो पता चला है, उससे हम सभी का चिंतित होना स्वाभाविक है। दरअसल इस अध्ययन में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल 33 हजार लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते हो रही है। यह अध्ययन लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में छपा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साफ हवा के मानक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साफ हवा के मानकों से पहले ही ज्यादा हैं, लेकिन कई शहरों में तय मानकों से भी कई गुना ज्यादा प्रदूषण एक बड़ी समस्या बना हुआ है। इसके चलते लोग कई बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, देश के 10 शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में साल 2008 से 2019 के बीच अध्ययन किया, इन शहरों में वायु प्रदूषण से 33 हजार मौतें हुई हैं। अध्ययन में पाया गया कि वर्तमान भारतीय वायु गुणवत्ता मानकों से नीचे वायु प्रदूषण के स्तर से भी देश में दैनिक मृत्यु दर में वृद्धि होती है। देश के 10 शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में प्रति वर्ष लगभग 33,000 मौतें वायु प्रदूषण के स्तर के कारण होती हैं, जो डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों से अधिक है।

मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई में बड़ी संख्या में मौतें हुई हैं, लेकिन राजधानी दिल्ली में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण से जनित बीमारियों से हर साल 12 हजार लोगों की मौत हुई है, जो देश में हुई कुल मौतों का 11.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को कठोर करने की जरूरत है और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास दोगुने करने की जरूरत है।

दिल्ली के बाद सबसे ज्यादा मौतें वाराणसी में हुई हैं, जहां हर साल 830 लोगों की जान गई है, जो कि कुल मौतों की संख्या का 10.2 प्रतिशत है। वहीं बेंगलुरु में 2,100, चेन्नई में 2900, कोलकाता में 4700 और मुंबई में करीब 5100 लोगों की मौत हर साल वायु प्रदूषण के चलते हुई है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

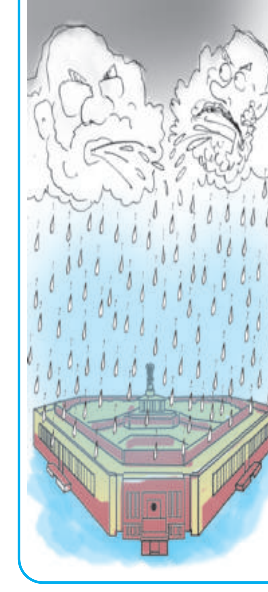

दो ट्रेड फेयरों की तुलना में तीसरे ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही

गायत्री विहार सभागार में 16 जुलाई से शुरू होगा ट्रेड फेयर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में आगामी 16 से 18 जुलाई तक निर्धारित तीन दिवसीय ट्रेड फेयर का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सभागार में किया जाएगा। इस संबंध में एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रहीं है। तैयारियों को लेकर शुभ लाभ दैनिक अखबार के प्रतिनिधि ने किया के पदाधिकारियों से बातचीत कर तैयारियों और व्यापार की उम्मीद के सिलसिल में उनके विचार जाने।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि एसोसिएशन का यह तीसरा वार्षिक ट्रेड फेयर है। हमारा उद्देश्य स्थापित ब्रांडों व नए उत्पादों को नया बाजार उपलब्ध कराना हैं। जिस उद्योग में काम करते हैं उसे कुछ देने के लिए एसोसिएशन बनाया गया है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हम अपने व्यापारियों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं। हर खुदरे दुकान पर जाकर उत्पादों को देखना सभी के लिए संभव नहीं हो सकता है। इसलिए हम तीन दिनों के लिए प्रदर्शनी का आयोजन करते हैं, जहां पर सभी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं जिससे उनके व्यापार में लाभ की उम्मीद होती है। इस प्रदर्शनी में 100 से अधिक ब्रांड शामिल होंगी। एसोसिएशन द्वारा यह प्रदर्शनी ना हानि ना लाभ के तहत किया जाता है। जितना भी पैसा लगता है, हम उसे एकत्र कर सभी व्यापारियों को बेहतर सुविधा के साथ उत्पादों का प्रदर्शन करने का अवसर उपलब्ध कराते हैं।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि पिछले दो ट्रेड फेयरों की तुलना में तीसरे ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अभी ट्रेड फेयर में लगभग 10 दिन का समय है, लेकिन बुकिंग शत प्रतिशत हो चुकी है। यह इंडिया का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है, जिसमें मेक इन इंडिया पर अधिक ध्यान केंद्रीत किया जा रहा है। 40 हजार वर्गफीट के वातानुकूलित गायत्री विहार सभागार में आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में 100 वर्गफीट से लेकर एक हजार फीट तक के स्टॉल बनाए गए है। इनरवियर उद्योग के जाने माने अधिकतर ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले व्यापारियों के रहने खाने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर ही कराई गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल, महेन्द्र सिंघी, एडीआरएम परीक्षित मोहन पुरिया, एडीजीपी कुलदीप जैन समेत अन्य अतिथि करेंगे।

एसोसिएशन के सचिव रविन्द्र बम्बोली ने बताया कि इस बार प्रदर्शनी में 6 हजार से अधिक लोगों की उम्मीद की जा रही है। इसके साथ ही 100 करोड़ के व्यापार की उम्मीद है।

पिछले दो सालों के उत्साह को देखते हुए इस बार स्टॉल में भी वृद्धि की गई है। इस बार काफी नए ब्रांड भी शामिल किए गए हैं। इस बार का जगह भी काफी बड़ा है।

बाहर के व्यापारियों को खाने रहने की व्यवस्था भी की गई है। आने वालों को प्रवेश द्वार पर स्थित काउंटर में क्यूआर कोड के माध्यम से पंजीकरण के बाद प्रवेश दिया जाएगा। बम्बोली ने बताया कि इस बार एसोसिएशन ने पूरे दक्षिण भारत प्रांतों से रिटेल को आमंत्रित किया है। ऐसे प्रदर्शनी से व्यापारियों को काफी लाभ होता है। इससे उनके व्यापार में वृद्धि होती है।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान ने बताया कि किया में 150 से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। वहीं 1000 से अधिक खुदरा व्यापारी पंजीकृत हैं। सभी व्यापारियों को एक जगह पर मिलाने से व्यापार में तो वृद्धि होती ही है, साथ में गलत करने वाले व्यापारियों का भी पता चलता है। इससे व्यापारी सावधान हो जाते हैं। प्रदर्शनी में बड़े से बड़ा और छोटे से छोटा उत्पाद शामिल है। तीसरे प्रदर्शनी में हमे और बेहतर व्यापार की उम्मीद है। पिछले दो फेयरों के दौरान हमने व्यापारियों, निर्माताओं का विश्वास जीता है और उसी के आधार पर यह तीसरा फेयर निर्धारित किया गया है। इस प्रदर्शनी में हमे पिछले दो प्रदर्शनी से भी बेहतर की उम्मीद है।

प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा ने बताया कि प्रदर्शनी में खुदरा व्यापारियों की संख्या अधिक होने की उम्मीद है। नए नए जगहों से व्यापारी प्रदर्शनी में शामिल होंगे। उनको नए नए उत्पादों को देखने का मौका मिलेगा। इससे स्टॉल लगाने वाले व्यापारियों के साथ ही खुदरा व्यापारियों को भी लाभ होगा। अधिकतर व्यापारियों ने नए प्रोडक्ट लांच करने की बात कही है। यह फेयर साउथ इंडिया का सबसे बड़ा फेयर है। जहां खाने की व्यवस्था ए क्लास की होगी। इस प्रदर्शनी में जितने भी सदस्य आएंगे उनको कुछ न कुछ लाभ मिलेगा। हमारा मुख्य उद्देश्य हमारे खुदरा व्यापारियों के साथ अन्य व्यापारियों को लाभ पहुंचाना है।

अनाथ आश्रम में बच्चों व वृद्धों की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ की महिला शाखा, श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला मंडल के तत्वावधान में कुमारा पार्क में स्थित विनोबा भावे अनाथ आश्रम में बच्चों व वृद्धों में खाने का राशन, कंबल एवं स्टैशनरी आइटम का वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। आश्रम के बच्चों ने भी बहुत ही सुंदर प्रार्थना की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मंडल की सहसंयोजिका गरिमा हिंगड ने करते हुए कहा कि हमे मानव सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संगठन के अध्यक्ष रतन लाल सुराणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा मानव सेवा ही उत्तम सेवा है। उन्होंने बताया कि यह बच्चे हमारी भावी पीढ़ी, हमारे देश की ऊर्जामयी संपत्ति हैं। संगठन के मंत्री पुखराज आँचलिया ने बताया कि इन बच्चों में संस्कार व समागम की जरूरत है, ताकि हमारे देश के अच्छे नागरिक बने। युवा संगठन के अध्यक्ष राकेश संचेति ने कहा मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है। हमे निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदो की सहायता करनी चाहिए। संगठन की पूर्व संयोजिका कांता लोढ़ा ने बच्चों को कहानी के माध्यम से समझाया की अपने गुरु व बड़ों का मान सम्मान करना चाहिए। मंडल की संयोजिका लाड़ बडोला ने सभी का स्वागत करते हुए बच्चों को बताया कि आपको पढ़ाई, खेल, पेंटिंग, जिसमे भी रुचि हो, उसमे आगे बढ़ना चाहिए। सुरेश खाबिया व मधु बाबेल, सुनिता बाबेल ने भी अपने विचार रखे। आश्रम में पूर्व संयोजिका विजयलक्ष्मी चोरडिया, कुसुम कटारिया, सहसंयोजिका लीला खाबिया एवं मण्डल की काफी बहने उपस्थित रही।

मैसूरु में मुडा की अनियमितताओं के खिलाफ भाजपा नेताओं ने किया प्रदर्शन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में भाजपा कार्यालय के पास मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं की निंदा करते हुए मैसूरु शहर भाजपा और ग्रामीण युवा मोर्चा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। बाद में उन्होंने मुडा कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया और हिरासत में ले लिया और बाद में रिहा कर दिया। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और शहरी विकास मंत्री बैरती बसवराज के खिलाफ नारे लगाए। वे वैकल्पिक विकसित क्षेत्रों में मुडा साइटों के 50.50 के आधार पर कथित अवैध वितरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा कथित तौर पर उन मामलों में किया गया है, जहां भूमि मालिकों को मुआवजा नहीं दिया गया है और उन क्षेत्रों में जहां भूमि पूरी तरह से अधिग्रहित नहीं हुई है।

यह आरोप लगाया गया है कि इससे मुडा और सरकार को 1000 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है।

कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री अखिल भारतीय खरतर-गच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा श्री जिनकुशलसूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के प्रांगण में कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। महिला परिषद के साथ डॉक्टर पूजा गांधी ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महिला परिषद अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत करते हुए डॉक्टर पूजा गांधी का परिचय दिया। कार्य को सफल बनाने में किरण ललवाणी, रीटा पारख, रेखा चोपड़ा, विजयलक्ष्मी कोठारी, अनिता डाकलिया, विक्की बाफना, रेखा टाटिया और स्वेता गोलछा आदि का सहयोग रहा। खरतर-गच्छ महिला परिषद द्वारा पूजा गांधी का सम्मान किया गया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

जैनाचार्य का बेंगलूरु नगर प्रवेश

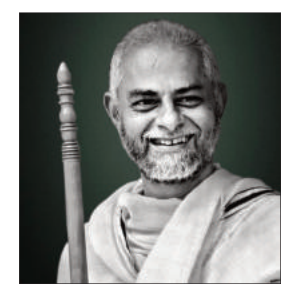

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के वीवी पुरम स्थित श्री सीमंधर शांति सूरि जैन संघ में चातुर्मास हेतु पधार रहे गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी के आज्ञावर्ती आचार्य अरिहंत सागरसूरीश्वरजी की मुंबई से बेंगलूरु तक की विहार यात्रा गतिशील है। आचार्य श्री अरिहंत सागरसूरीश्वरजी अब, बेंगलूरु शहरी सीमा के बाहर स्थित श्री आदि संस्कार जैन तीर्थ धाम पहुंचे। जहां शहर के अनेक संघ के प्रतिनिधियों ने आचार्य श्री से अपने-अपने संघ में पधारने हेतु निवेदन किया। आचार्य का नगर प्रवेश रविवार को सुबह श्री पार्श्वलब्धि धाम में होगा, जहां पर उनका प्रासंगिक प्रवचन भी होगा। इसके बाद यशवंतपुर, कॉक्स टाऊन, चिकपेट, माधवनगर आदि विभिन्न संघों में ठहरते हुए 17 जुलाई को श्री सीमंधर शांति सूरि जैन संघ में चातुर्मास हेतु प्रवेश करेंगे।

आचार्य महाप्रज्ञजी की 105वीं जयंती पर शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 105वीं जन्मदिवस के अवसर पर रियायती लिपिड प्रोफाइल परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 7 टेस्ट हुए, जिसमें कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइडस, एचडीएल कोलेस्ट्रॉल, निम्न घनत्व वसा कोलेस्ट्रॉल, वीएलडीएल कोलेस्ट्रॉल, कुल चोल/एचडीएल चोल अनुपात एलडीएल : एचडीएल अनुपात शामिल थे। कैंप में कुल 62 सदस्यों ने लाभ लिया। स्थानीय सदस्यों ने एटीडीसी द्वारा प्रदत्त सेवाओं की सराहना करते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता एवं दीपा का संपूर्ण सहयोग रहा। तेयुप से निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, नव मनोनीत अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया एवं राजेश देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

एक्सपो एंड ट्रेड शो के लिए राज्यपाल को आमंत्रण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित माइक्रो लैब्स की प्रस्तुति बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो हेतु कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि राज्यपाल ने एक्सपो हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की और संघ द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। यह एक्सपो 6 और 7 जुलाई को वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित किया जा रहा है।

इसमें शहर के अनेक लोगों के कपडे, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक, फैन्सी वस्तुओं की खरीदारी के साथ खाने पीने के शौकीन लोगों द्वारा लुत्फ उठाने हेतु आने की उम्मीद है। इस अवसर पर ललित डाकलिया, कुलदीप छाजेड़, विकास खटोड़, नमित कोठारी और प्रतीक गादिया उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के वादे के साथ सत्ता में आई कांग्रेस सरकार में 1 साल के अंदर ही भ्रष्टाचार: विजयेन्द्र

भाजपा की विशेष कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव की तरह स्थानीय निकाय चुनावों में भी पार्टी की जीत को महत्व देना चाहिए और पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करना चाहिए। शहर के पैलेस मैदान में आयोजित भाजपा की विशेष कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा कि जितना महत्व लोकसभा और विधानसभा चुनाव को दिया गया, उतना ही स्थानीय निकाय चुनाव को भी दिया जाना चाहिए। मैं अगस्त के बाद राज्य का दौरा कर रहा हूं। मैं हर जिले का दौरा करूंगा और कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने का काम करूंगा। मैं एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में आपके साथ काम करूंगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आइए हम सब मिलकर पार्टी के निर्माण के लिए काम करें और तब तक आराम न करें जब तक हम अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते। हम विश्व नेता मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के शुभ अवसर पर शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा करोड़ों कार्यकर्ताओं के समर्थन से हम जीते हैं। भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के वादे के साथ सत्ता में आई कांग्रेस सरकार में 1 साल के अंदर ही भ्रष्टाचार सामने आ रहा है जो पहले कभी नहीं सुना था। कांग्रेस का मुखौटा उतर गया है। बिना अनुदान दिये विधायक भ्रष्टाचार में डूब रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में

बसें लीक हो रही हैं। पूंजी वृद्धि में कोई योगदान नहीं, कई कंपनियां राज्य छोड़कर जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से विकास नहीं देखा जा सकता। पता नहीं ये सरकार कब तक चलेगी, 4-5 डीसीएम के लिए सड़क पर लड़ाई चल रही है।

डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की लड़ाई शुरू हो गई है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार अस्थिरता से जूझ रही है, पता नहीं कब गिर जाये। सत्ता का दुरुपयोग कर 18 से 20 सीटें जीतने का भ्रम पाले बैठी कांग्रेस सरकार को हमारे कार्यकर्ताओं ने सबक सिखाया है। अपनी मेहनत से एनडीए ने 19 सांसद जीते। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय कार्यकर्ताओं को जाता है। कांग्रेस सरकार के खोखले वादों, विखंडन की नीति और तुष्टिकरण की नीति के बावजूद कर्नाटक की जनता ने हमारा समर्थन किया है। लोगों ने झूठे वादों को खारिज कर दिया। भाजपा का वोट शेयर बढ़ा है। कांग्रेस सरकार 9 सांसद जीतने पर अपनी पीठ थपथपाने के लिए आगे आई है। भाजपा ने पहले भी राज्य में जन हितैषी योजनाएं दी थीं। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने झूठे आरोप लगाकर चुनाव का सामना किया। पिछले एक साल में कांग्रेस पार्टी प्रशासन ने लोगों की उम्मीदों को कुचल दिया है।

कांग्रेस, जिसने कहा था कि वह गारंटी के माध्यम से अच्छा करेगी, ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का वादा किया था। उनके शासन में भ्रष्टाचार का ऐसा घोटाला सामने आ रहा है जो पहले कभी नहीं देखा गया। वाल्मीकि निगम में दलित समुदाय के हित के लिए दिये गये पैसे का उपयोग भ्रष्टाचार में किया। मैसूरु के मुडा घोटाले में सीएम के परिवार का नाम आ रहा है। यह करीब 3 से 4 हजार करोड़ रुपये है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। विजयेंद्र ने आलोचना करते हुए कहा कि जनविरोधी सरकार शासन कर रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए अत्याचार की निंदा की। उन्होंने रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट, विधानसौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के मामले का जिक्र किया। 900 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि केंद्र सरकार द्वारा दिया गया मुआवजा ठीक से नहीं दिया गया। उन्होंने मेकेदातु योजना पदयात्रा और संघर्ष का जिक्र करते हुए पूछा कि डीसीएम डीके शिवकुमार ने उस परियोजना के लिए एक रुपया भी आवंटित क्यों नहीं किया। उन्होंने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण का भी जिक्र कर कहा उन्होंने हिंदुओं का अपमान किया है। जमीर अहमद नाम के एक गैरजिम्मेदार मंत्री हैं और उनके भाषण में अहंकारपूर्ण बयान है।

शून्य विकास वाली सरकार

यह लूटने वाली, शून्य विकास वाली सरकार है। विकास के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया। स्कूली बच्चों को यात्रा के लिए बस के बिना संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पूंजी निवेश शून्य पर पहुंच गया है। उन्होंने घोषणा की कि वह पेट्रोल, डीजल और दूध सहित सभी मूल्य वृद्धि के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे सत्र में जनविरोधी सरकार की बात सुनने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव प्रभारी राधामोहन दास ने कहा कि कार्यकर्ताओं की फौज और सभी प्रमुख लोगों की मेहनत से जीत हासिल हुई है। लोगों ने राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ वोट किया है। महिलाओं के लिए 2000, बस फ्री, युवाओं के लिए भत्ते की घोषणा की गई। हालांकि, लोगों ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस में थोड़ी भी शालीनता थी तो उसे लोकसभा चुनाव में हार स्वीकार कर इस्तीफा देना चाहिए था और सरकार को भंग कर देना चाहिए था।

चुनाव हो तो भाजपा सरकार दोबारा सत्ता में आएगी

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और एनडीए सत्ता में आई है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने राज्य में 19 सीटें भी जीत ली हैं। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि अगर अभी चुनाव हो तो भाजपा सरकार दोबारा सत्ता में आएगी। राज्य सरकार दिवालिया हो गयी है। बेकार गारंटी के कारण कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है और 17 मंत्रियों के क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को झटका लगा है। इसने लोकप्रियता खो दी है और गिरावट की ओर है। उन्होंने कहा कि लोग भूल चुके हैं और उनमें सत्ता में बने रहने की नैतिकता नहीं है।

मुझे उपमुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं: ऊर्जा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने साफ कर दिया है कि मेरे लिए दिए गए काम को ठीक से करना ही काफी है।

मुझे उपमुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है। विधानसौधा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे 1969 में राजनीति में आये थे। मुझसे किसी ने नहीं कहा कि तुम्हें राजनीति में आना चाहिए और देश को बचाना चाहिए। मैं समाज सेवा करने के शौक से राजनीति में आया हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं विधायक बनूंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें पहचाना और मंत्री बनाया। वरिष्ठता के आधार पर अनुमति देना या छोड़ना हाईकमान या मुख्यमंत्री पर निर्भर है। मुझे उन पदों में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहां पहले से ही अच्छे मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री हैं। अतिरिक्त पोस्ट बनाने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस संबंध में कार्रवाई करना मुख्यमंत्री का अधिकार है। मुडा जमीन आवंटन का मामला भाजपा के समय हुआ था। मैसूरु शहरी विकास कैसे गैर-अधिसूचना क्षेत्र का निपटान कर सकता है? विपक्षी दलों के पास कोई अन्य विचार नहीं है। इसलिए इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। मामले की पहले से ही जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के बाद सरकार आगे की कार्रवाई करने के लिए बाध्य है। भाजपा हर मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रही है। उन्होंने पूछा, इससे पहले आईएएस अधिकारी डीके रवि और डीएसपी गणपति के मामले सीबीआई को सौंपे गए थे, क्या नतीजे आए। हमारे पास अच्छे अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि इसे सीबीआई को देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शहरी विकास मंत्री के रूप में काम किया है और मुडा से जमीन आवंटन में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति की हत्या

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नारायपटना तालुक के श्रवणबेलगोला के पास दम्मनिंगला गांव में बुधवार को जमीन विवाद को लेकर अपने भाई से झगड़े के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई। 40 वर्षीय दयानंद की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में उनके भाई वरुण, 36 वर्षीय को चोटें आईं। उनके घर के पास खाली जमीन पर पानी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने को लेकर उनमें तीखी बहस हुई थी। लंबे समय से भाइयों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बहस मारपीट में बदल गई। ग्रामीणों के मुताबिक, भाइयों ने धारदार हथियारों से मारपीट की।

श्रवणबेलगोला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

घायल वरुण, आरोपी का चन्नारायपटना के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

येदियुरप्पा ने सिद्धरामैया को विधानसभा भंग करने की दी चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यह दावा करते हुए कि मई 2023 में कर्नाटक में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आई सत्तारूढ़ कांग्रेस ने एक साल के भीतर ही अपनी लोकप्रियता खो दी है, वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को विधानसभा भंग करने और नए सिरे से जनादेश मांगने की चुनौती दी। येदियुरप्पा ने गुरुवार को बेंगलूरु में भाजपा की विशेष राज्य कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कहा मैं आपको बता सकता हूं कि अगर अभी चुनाव होते हैं तो भाजपा 224 सदस्यीय विधानसभा में 140 से 150 सीटें जीतकर वापसी करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि उसने कर्नाटक के हितों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य की अनदेखी करके भ्रष्टाचार में लिप्त होने के बाद से अपनी लोकप्रियता खो दी है। हालांकि राज्य विधानसभा में कांग्रेस के 136 सदस्य हैं, लेकिन भाजपा हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान 142 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल करने में सफल रही थी। उन्होंने दावा किया कि हमारी अपनी गलतियों की वजह से हमें कुछ लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। लेकिन लोगों ने स्पष्ट रूप से कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है। महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम और मुडा में कथित वित्तीय धोखाधड़ी का जिक्र करते हुए उन्होंने पार्टी के अपने सहयोगियों से आगामी विधानसभा सत्र के भीतर और बाहर मुख्यमंत्री पर इस्तीफे का दबाव बनाने के लिए अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी के नेता इस अभियान के तहत राज्य का दौरा करें। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, कर्नाटक के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, विपक्ष के नेता आर. अशोक, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना और शोभा करंदलाजे तथा पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर और बसवराज बोम्मई शामिल थे।

नैतिक पुलिसिंग मामला

शिवमोग्गा में दंपत्ति को परेशान किया गया, पुलिस ने मामला दर्ज किया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले की पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन पर एक दंपत्ति को परेशान करने का आरोप है, जब वे साथ में समय बिता रहे थे। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यह घटना मंगलवार को तुंगा जलाशय में हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह दंपत्ति, जो एक-दूसरे से प्रेम करते हैं, अपने कॉमन फ्रेंड के साथ जलाशय में गए थे। जब वे एक-दूसरे से बात कर रहे थे, तभी चार स्थानीय युवकों का एक समूह उनके पास आया। युवकों ने दंपत्ति के साथ दुर्व्यवहार किया और महिला के बॉयफ्रेंड और उसके दोस्त के साथ मारपीट की। उन्होंने दोनों को वहां से चले जाने और लड़की को वहीं छोड़ देने को कहा। आखिरकार, पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची और युवती को बचाया। पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है।

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में मॉडल कोर्ट स्थापित करने का लिया है निर्णय: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर न्याय मिलना चाहिए। सरकार अदालतें स्थापित करने और न्यायाधीशों द्वारा उनकी अध्यक्षता करने जैसी नई प्रणाली लागू करने के लिए एक नई नीति पर निर्णय लेगी। विधानसौधा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आम लोगों को न्याय मिले इसी अवधारणा के तहत नई न्याय नीति बनाई जा रही है। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री द्वारा पिछली कैबिनेट बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया था। ग्रामीण लोगों को ग्राम स्तर पर न्याय मिलना चाहिए। लंबे समय से चली आ रही न्याय पंचायतों को बेहतर बनाने और लागू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि तालुक स्तर के न्यायाधीश स्थानीय न्यायिक पंचायतों की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1 जुलाई से लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों को लेकर आपत्ति है तो

केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाएगा। मैसूरु के मुडा मामले की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री इस बात को पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा के अनुरोध पर सभी मामले सीबीआई को दे दिए गए तो स्थानीय पुलिस के पास कोई काम नहीं रह जाएगा। विपक्षी दल विधानमंडल सत्र में कौन सा मुद्दा चर्चा के लिए उठाएंगे, यह पता नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेकर जो भी मामला प्रस्तावित किया जायेगा, सरकार उसका प्रभावी ढंग से जवाब देगी। मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्यमंत्री बदलने और अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद बनाने की चर्चा से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि वह उनसे दिल्ली में मिले थे और उस समय उन्होंने कोई अप्रिय मुद्दा नहीं उठाया था। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा था कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में सत्ता के कथित दुरुपयोग पर जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने तक मुडा द्वारा वितरित साइटों को निलंबित रखा गया है। उन्होंने कहा सरकार या मुडा को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को पूरे घोटाले की जांच करने के लिए कहा गया है। सिद्धरामैया ने कहा कि भूखंड वितरित करने वाले मुडा अधिकारियों को निलंबित रखा गया है।

विपक्षी भाजपा की सीबीआई जांच की मांग पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मुद्दों पर सीबीआई जांच की मांग करना भाजपा की आदत बन गई है। उन्होंने पूछा भाजपा बताए कि उनकी सरकार ने कितनी बार और किन मुद्दों पर सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा सरकार ने उन लोगों को वैकल्पिक भूखंड देने के लिए कानून बनाया है जिनकी जमीन अधिग्रहित की गई है। भाजपा नेता आर अशोक द्वारा इस मुद्दे पर उनके इस्तीफे की मांग पर उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मुडा द्वारा भूखंडों के वितरण में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने पूछा जब भाजपा सत्ता में थी और अशोक पर अक्रमा-सक्रमा मुद्दे में अनियमितताओं का आरोप लगा था, तो उन्होंने अदालत से जमानत हासिल की थी। क्या उन्होंने इस्तीफा दिया? क्या कोई सिर्फ भाजपा की मांग के कारण इस्तीफा दे सकता है।

पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई

महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 187 करोड़ रुपये के घोटाले पर भाजपा द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शनों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई है और संबंधित मंत्री नागेंद्र पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। मंत्री को इस्तीफा देने के लिए इसलिए कहा गया क्योंकि निगम के अधीक्षक ने आत्महत्या करने से पहले एक नोट लिखा था कि मंत्री ने प्रबंध निदेशक को धन हस्तांतरित करने के लिए मौखिक निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा धन के दुरुपयोग में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई कर रही है।

यह कहना पुजारी का काम नहीं है कि सीएम बनाओ: स्वामीजी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कुदालसंगमा पंचमसाली पीठ के बसव जयमृत्युंजय स्वामीजी ने कहा कि यह कहना किसी पुजारी का काम नहीं है कि उन्हें किसी भी सरकार में मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री बनाना सत्ताधारी दल के विधायकों का काम है, अगर वे सलाह मांगते हैं तो उन्हें समाज के गुरु के रूप में सलाह देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा जो भी उद्देश्य है वह पंचमसाली समाज को आरक्षण देना है। हम महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण संघर्ष से प्रेरित होकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि

सरकार पंचमसाली समाज की मांग पर अमल करेगी और आरक्षण देगी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार को मानसून सत्र में 2ए आरक्षण की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचमसाली समाज के विधायक सत्र में आरक्षण के अपने अधिकार का दावा करने के लिए मजबूर होंगे। विधायक एमआर. पाटिल, अरविंदा बेलाड के घर जाकर एक मांग पत्र देंगे। उन्होंने अफसोस जताया कि हमारे विधायकों ने सत्र में आरक्षण की मांग नहीं की, जिससे समाज को निराशा हुई।

मुडा भ्रष्टाचार मामला

भाजपा ने सीएम सिद्धरामैया पर हमला जारी रखते हुए इस्तीफा मांगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की। मीडिया को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा मुझे उस आदेश की प्रति नहीं मिली है जिसमें सरकार ने अपनी सहमति दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति दान कर दी गई है और कर्नाटक सरकार को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि मैसूरु के जिला आयुक्त ने 50.50 योजना के आवंटन को रद्द करने के लिए मुडा को पत्र लिखा था। उन्होंने इस बात पर स्पष्टीकरण मांगा कि इसके लिए सरकार की सहमति क्यों नहीं ली गई। अशोक ने कहा, मुडा अधिकारियों ने डीसी को जवाब देने की जहमत नहीं उठाई और उन्होंने इस संबंध में सरकार को कोई पत्र नहीं लिखा है।

विपक्ष के नेता अशोक ने आरोप लगाया कि सीएम सिद्धरामैया की पत्नी की जमीन को शुरू में अधिग्रहित किया गया था और अधिग्रहण के बाद, जमीन को डी-नोटिफाई कर दिया गया। हमें नहीं पता कि किसके आदेश पर डी-नोटिफाई किया गया। डी-नोटिफाई करने के बाद, मुडा ने बुनियादी ढांचा और एक पार्क बनाया है। इससे कई संदेह पैदा हुए हैं क्योंकि डी-नोटिफाई की गई जमीन को मुडा छू नहीं सकता है। अशोक ने कहा यह एक प्रमुख परिवार की जमीन थी, लेकिन इसे नियमों के विरुद्ध अधिग्रहित किया गया और लेआउट बनाया गया। फिर मुडा अध्यक्ष और आयुक्त ने इसे 60.40 के मुआवजे के मानदंड के विरुद्ध 50.50 योजना में शामिल कर दिया। 50.50 मुआवजा योजना के तहत मुडा को भारी नुकसान होगा। जब 50.50 योजना को अपनाने का निर्णय लिया गया, तो उन्हें सरकार की सहमति लेनी थी। शहरी विकास मंत्री को मंजूरी देनी होती है, उसके बाद सरकार का आदेश होता है। मुझे कोई आदेश नहीं मिला है। मैं अभी भी उन दस्तावेजों की मांग कर रहा हूं। कानून कहता है कि अधिग्रहण के समय मुआवजा स्थल दिया जाना चाहिए। लेकिन, इस जमीन का अधिग्रहण ही नहीं किया गया। यह कैसे संभव है? 2023 में, सरकार ने 50.50 योजना को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया। ऐसा लगता है कि बिचौलियों का एक समूह व्यवस्थित रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा अगर किसी भाजपा और जेडी(एस) के नेता की भूमिका पाई जाती है, तो पहले उन्हें गिरफ्तार करें। हमारी तरफ से कोई आपत्ति नहीं है। मुडा भूमि घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। भाजपा एमएलसी सीटी रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कपड़े साफ होना ही काफी नहीं है, क्योंकि हजारों करोड़ रुपये का घोटाला उनके गृह जिले मैसूरु में हुआ है। रवि ने मांग की कि घोटाले में अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए सीएम सिद्धरामैया को इस्तीफा देना होगा। उन्होंने कहा हम दस्तावेज मुहैया कराएंगे और इस घोटाले को सामने लाएंगे। अगर भाजपा सरकार के तहत कोई अवैध काम हुआ है तो कार्रवाई की जाएगी। रवि ने कहा घोटाले को अंजाम देने वाले लोग मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी हैं।

मैसूरु में मुडा की अनियमितताओं के खिलाफ भाजपा नेताओं ने किया प्रदर्शन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु में भाजपा कार्यालय के पास मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं की निंदा करते हुए मैसूरु शहर भाजपा और ग्रामीण युवा मोर्चा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। बाद में उन्होंने मुडा कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया और हिरासत में ले लिया और बाद में रिहा कर दिया। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और शहरी विकास मंत्री बैरती बसवराज के खिलाफ नारे लगाए। वे वैकल्पिक विकसित क्षेत्रों में मुडा साइटों के 50.50 के आधार पर कथित अवैध वितरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा कथित तौर पर उन मामलों में किया गया है, जहां भूमि मालिकों को मुआवजा नहीं दिया गया है और उन क्षेत्रों में जहां भूमि पूरी तरह से अधिग्रहित नहीं हुई है।

यह आरोप लगाया गया है कि इससे मुडा और सरकार को 1000 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है।

होलेनरसीपुर तालुक प्रशासन की कार्रवाई

ईंट बनाने वाली इकाई में काम करने वाले ओडिशा के एक परिवार को बचाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के होलेनरसीपुर तालुक के अधिकारियों ने हाल ही में जोड़ी गुब्बी में एक ईंट बनाने वाली इकाई में बंधुआ मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर ओडिशा के एक परिवार को बचाया। मुखरदाच पुटेल, 35, पत्नी उर्मिला पुटेल, 27, वरशिता, 11 और राजू, 5 को अधिकारियों ने बचाया। यह परिवार ओडिशा के बलांगीर जिले का है। वे तीन साल पहले नौकरी की तलाश में मांड्या आए थे। मांड्या में ईंट बनाने वाली इकाई में कुछ दिनों तक काम करने के बाद वे जोड़ी गुब्बी चले गए। गांव में ईंट बनाने वाली इकाई चलाने वाले सतीश ने उन्हें नौकरी और 17,000 की अग्रिम राशि देने का प्रस्ताव दिया था। मुखरदाच पुटेल के अनुसार, सतीश ने प्रतिदिन 1,000 ईंट बनाने के लिए 800 का भुगतान करने का वादा किया था। सतीश ने परिवार को आश्रय दिया और खाना बनाने के लिए सामग्री उपलब्ध कराई। हालांकि, परिवार को पिछले तीन सालों से भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा, परिवार के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति नहीं थी और उन्हें कभी भी अपने मूल स्थान पर जाने की अनुमति नहीं थी। होलनरसीपुर तालुक के अधिकारियों को सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी दुर्दशा के बारे में पता चला। तहसीलदार के.के. कृष्णमूर्ति और अन्य अधिकारी गाँव गए और परिवार को बचाया, जिसे होलनरसीपुर के अंबेडकर नगर में समाज कल्याण विभाग के पोस्ट-मेट्रिक छात्रावास में स्थानांतरित कर दिया गया। सतीश के खिलाफ हल्ली मैसूरु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। होलनरसीपुर के तहसीलदार के.के. कृष्णमूर्ति ने बताया कि नियोक्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा, मैंने सहायक आयुक्त को उनके बयानों के साथ एक रिपोर्ट भेजी है। बाल श्रम का कोई मामला नहीं था, क्योंकि केवल माता-पिता से ही काम करवाया जाता था। उम्मीद है कि उपायुक्त रिहाई आदेश जारी करेंगे। प्रक्रिया पूरी करने के बाद, परिवार को उनके मूल स्थान पर वापस भेज दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि परिवार के पास बैंक खाता खोलने के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं थे। हम उनके लिए बैंक खाता खोलने की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्हें मुआवजा राशि मिलेगी।

आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन

शंखेश्वरपार्श्वनाथ जैन मंदिर और 2100 साल पुराने विमलनाथ जैन मंदिर के दर्शन किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ महिला विंग ने 1 से 4 जुलाई तक एक आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन किया। नवकार महामंत्र के साथ इस यात्रा की शुरुआत की गई। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने सभी को शुभकामनाएं दी व संयोजक नीलम शांड और सह संयोजका निशा टुकलिया को अद्भुत यात्रा का आयोजन करने के लिए बधाई दी। इस यात्रा में एपेक्स मेंटर ललिता गुलेच्छा और जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु की पूर्व चेयरपर्सन अनिता पिरगल भी शामिल हुईं। पहले दिन औरंगाबाद पहुंचे और शंखेश्वरपार्श्वनाथ जैन मंदिर और 2100 साल पुराना विमलनाथ जैन मंदिर के दर्शन किए। पालीताणा में आदिनाथ, भगवान शांतिनाथ व महावीर स्वामी की पांच पांच सौ किलो की पंच धातु प्रतिमा के दर्शन का लाभ मिला। औरंगाबाद में जीतो औरंगाबाद चैप्टर की अध्यक्षा डिम्पल जैन और ऋतु जैन सभी से मिलने पहुंची। साथ ही तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं प्रेषित की। तत्पश्चात

अंतरिक्ष पार्श्वनाथ पहुंचे। अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर जैन धर्म, वास्तुकला और आध्यात्मिकता का एक अद्वितीय संगम है। यह स्थल न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, अपितु सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर की यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ भारतीय कला और संस्कृति की समृद्ध धरोहर का अनुभव कराती है। दूसरे दिन अंतरिक्ष मंदिर में पक्षाल पूजा अर्चना व भोजन के बाद जालना में पूज्य गणेशीलालजी की समाधि दर्शन किए। वहाँ कामधेनु गाय गौशाला भी गए। जालना एक ऐसा शहर है जो अपने ऐतिहासिक धरोहर को आधुनिक औद्योगिक विकास के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। महाराष्ट्र का जालना शहर शिक्षा, कृषि और उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। तीसरे दिन प्राचीन अजंता एलोरा गुफाओं का अवलोकन किया। एलोरा गुफाएं प्राचीन भारतीय वास्तुकला, शिल्पकला और धार्मिक सहिष्णुता का जीवंत उदाहरण हैं। यह स्थल न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। एलोरा की यात्रा इतिहास, कला और संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती है। भारत के 12 ज्योतिर्लिंगम में से अन्तिम, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंगम के दर्शन किए। तत्पश्चात शिरडी पहुंचे। चौथे दिन सीरडी साई बाबा मन्दिर और आदिनाथ जैन मंदिर के दर्शन किए। बाबा के उपदेश और उनके जीवन ने करोड़ों भक्तों को प्रेरित किया है। पूरे कार्यक्रम की योजना और व्यवस्था संयोजिका नीलम शांड और सह संयोजिका निशा टुकलिया द्वारा बहुत अच्छे तरीके से संभाली गई। इस यात्रा में जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु साउथ कमेटी की उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, संयुक्त सचिव संगीता पारख, समिति सदस्य साक्षीनाहर, निधि पालरेचा, प्रिया गांधी, ललिता नागोरी, रेखा जैन, अर्पिता लधानी, सविता पोरवाल और नीतू जैन शामिल थी।

कांग्रेस सरकार में कोई घोटाला नहीं हुआ: डी के शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन में किसी भी तरह की गड़बड़ी के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कोई घोटाला नहीं हुआ है। तालुक में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्य में जितने भी घोटाले हुए हैं, वे सभी भाजपा के कार्यकाल के दौरान हुए हैं। हम (विधानसभा) सत्र के दौरान सभी आरोपों का जवाब देंगे। भाजपा कथित मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की भूमिका का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। केंद्रीय मंत्री और जेडी-एस नेता एच.डी. कुमारस्वामी के मांड्या जिले में जन संपर्क कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया

देते हुए शिवकुमार ने कहा उन्हें ऐसा करने दें। अगर नेता इस तरह के कार्यक्रम करते हैं, तो यह लोगों के लिए अच्छा है, भले ही वह किसी और की नकल ही क्यों न हो। उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने दीजिए। फिर उम्मीदवार आएंगे और नामांकन दाखिल करेंगे। भाजपा नेता जी देवराज गौड़ा के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि उनकी गिरफ्तारी के पीछे शिवकुमार का हाथ है, उपमुख्यमंत्री ने कहा अगर उन्हें मेरी याद आ रही है तो यह अच्छी बात है। गौड़ा ने आरोप लगाया था कि शिवकुमार ने उन्हें सेक्स वीडियो मामले में पूर्व पीएम दवे गौड़ा के परिवार को बदनाम करने के लिए लालच दिया था और जब उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। शिवकुमार ने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में चन्नपटना शहर बेंगलूरु बन जाएगा। हम सभी बेंगलूरु जिले से हैं। हम बेंगलूरु में थे और हम बेंगलूरु में हैं।

गलत काम करने से किया साफ इनकार

सीएम ने मुडा घोटाले की सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को खारिज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा अपनी पत्नी पार्वती सहित भूमि खोने वालों को भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को खारिज कर दिया, क्योंकि उन्होंने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार किया। विपक्षी पार्टी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को राजनीतिक बताते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या उनके परिवार को सिर्फ इसलिए अपनी जमीन छोड़नी होगी, क्योंकि वह मुख्यमंत्री हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि मैसूरु के एक महंगे इलाके में पार्वती को वैकल्पिक भूखंड भी आवंटित किए गए थे, जिनकी संपत्ति का मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा ने अधिग्रहित किया था, और उन्होंने उनका इस्तीफा मांगा। मुडा ने पार्वती को उनकी तीन एकड़ से अधिक जमीन के बदले 50.50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने आवासीय लेआउट विकसित किया था। विवादास्पद

योजना में लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले भूमि खोने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि मुडा द्वारा भूमि खोने वालों को भूखंड आवंटित करने में 4,000 करोड़ रुपये की अनियमितता हुई है। भाजपा के एक नेता ने दावा किया कि स्पष्ट रूप से 4,500-5,000 भूखंड नियमों का उल्लंघन करके आवंटित किए गए। भाजपा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु में विरोध प्रदर्शन किया और वहां मुडा कार्यालय की घेराबंदी करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया और बाद में उन्हें रिहा कर दिया। सिद्धरामैया ने भाजपा द्वारा सीबीआई जांच की मांग के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा क्या उन्होंने (भाजपा ने) अपने कार्यकाल के दौरान कोई मामला (सीबीआई को) दिया है? मैंने सात मामले (मुख्यमंत्री के रूप में उनके पिछले कार्यकाल सहित) दिए हैं। यह ऐसा मामला नहीं है जिसे सीबीआई को दिया जाना चाहिए। हमने भी मांग की थी, क्या उन्होंने (सीबीआई को जांच के लिए कोई मामला) दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में खुद को सही ठहराने की कोशिश की और कहा कि उनका इसमें कुछ भी नहीं है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने भाजपा के आरोपों को राजनीतिक बताया और कहा कि पार्टी के पास कोई और मामला नहीं है, और वे आरएसएस के निर्देशानुसार विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस उन्हें सिखा रहा है। कोई मुद्दा नहीं है। मुडा में मुद्दा कहां है? उन्होंने (मुडा) हमारी 3 एकड़ और 16 गुंटा (एक एकड़ 40 गुंटा होता है) जमीन पर कब्जा कर लिया है, उस पर साइट और लेआउट बना दिया है और उन्हें लोगों को आवंटित कर दिया है। उन्हें हमारी 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन लेने के लिए मुआवजा देना चाहिए। हमारी 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन पर मुडा ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। अपनी बैठक में मुडा ने अपनी गलती स्वीकार की। इसलिए उन्होंने हमें प्लॉट दिए हैं, हम 50.50 (अनुपात योजना) के लिए सहमत हुए, वास्तव में उन्हें हमें बदले में 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन देनी थी।

कोई इसे कैसे ले सकता है?

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके परिवार ने किसी विशेष इलाके में प्लॉट नहीं मांगे थे। इस बात पर आगे ध्यान देते हुए कि मुडा ने 2021 में उनके परिवार को प्लॉट दिए थे, और उस समय भाजपा सत्ता में थी, सिद्धरामैया ने कहा वे (भाजपा) ही हैं जिन्होंने साइट दी, अब अगर वे खुद इसे अवैध कहते हैं, तो कोई इसे कैसे ले सकता है? हमने विजयनगर तीसरे या चौथे चरण (मैसूर में) में साइट देने के लिए नहीं कहा। हमारी जमीन छीनकर, उस पर साइट और पार्क के साथ एक लेआउट बनाया गया, और उन साइटों को दूसरों को आवंटित कर दिया गया।

अमरनाथ यात्रा के 5 दिन में सवा लाख श्रद्धालु शामिल हुए

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 04 जुलाई।

अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या ने हिमलिंग के अस्तित्व के लिए खतरा बढ़ा दिया है क्योंकि इससे हिमलिंग के वक्त से पहले गायब होने की आशंका है। कई सालों से ऐसा देखने को मिल चुका है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से हिमलिंग समय से पहले भक्तों की सांसों के कारण लुप्त हो गए।

29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में पांच दिनों में ही सवा लाख भक्त भोलेनाथ के दर्शन कर चुके हैं। ये आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले काफी अधिक है। लेकिन अब बढ़ती संख्या को हिमलिंग के लिए खतरे के तौर पर लिया जा रहा है। हालांकि इस साल हिमलिंग 22 फुट के बने थे जो पहले ही भीषण गर्मी के कारण आधे रह चुके हैं। हालांकि साल 2018 में हिमलिंग की ऊंचाई 15 फीट थी। इस साल हिमलिंग के दर्शन के लिए अभी तक पिछले वर्ष से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। मगर भक्तों की बढ़ती भीड़ से हिमलिंग के जल्दी पिघलने का खतरा बढ़ गया है। इससे ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ने की भी आशंका है।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा, करीब दो माह पहले हिमलिंग अपने पूरे आकार में था। यह करीब 20 से 22 फुट का था। और अब इसकी ऊंचाई 11 से 12 फुट के बीच रह गई है। उनके मुताबिक, यह अब तेजी से पिघल रहा है। दरअसल इस बार पूरी दुनिया में गर्मी ने जो कहर बरपाया अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग भी उससे अछूता नहीं रहा है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि हिमलिंग तेजी से पिघल रहा हो बल्कि पिछले कई सालों से यह देखने को मिल रहा है हिमलिंग यात्रा के आरंभ होने के कुछ ही दिनों के उपरांत पूरी तरह से पिघल जाता रहा है। हालांकि तब इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग के साथ साथ उन लाखों भक्तों की सांसें भी जिम्मेदार होती थीं जो दर्शनार्थ गुफा तक पहुंचते थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका होगी। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे।

साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे।

साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था।

उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। साल 2018 में भी बाबा बर्फानी के तेजी से पिघलने का सिलसिला जारी था। 28 जून से शुरू हुई 60 दिवसीय इस यात्रा में एक महीने बीतने पर करीब दो लाख 30 हजार यात्रियों ने दर्शन किए थे। मगर इसके बाद दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का बाबा बर्फानी के साक्षात दर्शन नहीं हुए। बाबा दर्शन देने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। इस बार भी भीषण गर्मी कहें या ग्लोबल वार्मिंग अपना रूप जरूर दिखा रही है।

कश्मीर में भी गर्मी से लोग व्याकुल

जम्मू, 04 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर में गर्मी इस बार लोगों को व्याकुल कर रही है। पिछले साल भी मार्च महीने में गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया था पर कश्मीर के इतिहास में यह पहली बार है कि गर्मी को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। अभी तक पिछले दो महीनों से कश्मीरी वैसे भी पल पल बदलते मौसम से परेशान थे और अब गर्मी ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

हालांकि कल यानि 5 जुलाई से 4 दिनों तक कश्मीर में कहीं कहीं हल्की बारिश की भविष्यवाणी मौसम विभाग कर रहा है पर साथ ही अगले दो दिनों के लिए पहली बार उसने कश्मीरियों को एतिहात के तौर पर घरों से बाहर न निकलने के लिए कहा है क्योंकि श्रीनगर 36 डिग्री को पार कर चुका था।

जबकि गुलमर्ग में दिन का तापमान सामान्य से 6 डिग्री अधिक था।

अन्य सभी उन पर्यटनस्थलों की दशा भी ऐसी ही थी जहां टूरिस्ट गर्मी से बचने की खातिर भागे चले जाते हैं। इसी तरह की चेतावनी जम्मू संभाग में रहने वालों को इसलिए दी जा रही है क्योंकि मौसम विभाग को अंदेशा है कि भयानक बारिश बाढ़ के हालात पैदा कर सकती है।

बढ़ती गर्मी का आलम यह है कि गुलमर्ग के अफरावत पहाड़ियों की ढलानों पर स्कीइंग को रोकने के निर्देश कई दिन पहले ही दे दिए गए थे क्योंकि तापमान में होने वाली वृद्धि बर्फ को तेजी से पिघला चुकी थी जो स्कीइंग करने वालों के लिए जानलेवा साबित हो रही थी।

अभी तक गुलमर्ग में मई के अंतिम सप्ताह तक इन ढलानों पर स्कीइंग होती थी क्योंकि तापमान स्कीइंग प्रेमियों का साथ देता था। पर इस बार लगता है सूर्य देवता पर्यटकों का भी साथ नहीं दे रहे हैं जो ठंडक पाने की चाहत में कश्मीर आ तो रहे हैं पर गर्मी से बेहाल हो रहे हैं।

उनकी परेशानी का कारण तापमान है जो कश्मीर में विभिन्न जगहों पर सामान्य से 8 से 12 डिग्री अधिक है। और जम्मू की बात करें तो जम्मू में इस बार तापमान 46 को पार कर गया था और अभी 37 डिग्री को छू रहा है जिसमें उमस जानलेवा साबित हो रही है।

प्रसिद्ध पर्यटनस्थल गुलमर्ग, पहलगाम की ही बात करें तो यहां मैदानों व पहाड़ों पर पड़ी बर्फ कब की पिघल चुकी है। इसे देख मौसम विशेषज्ञों ने भी चिंता जाहिर की है।

जहां इस मौसम में यहां सामान्य तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक रहता था, अब तेज धूप परेशान कर रही है। पहलगाम और काजीगुंड ने मार्च में अधिकतम तापमान का कई सालों का रिकार्ड भी तोड़ दिया था।

श्रीनगर शहर की बात करें तो यहां भी अब गर्मी अपना प्रभाव दिखा रही है। यहां तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया जा चुका है। यानी काजीगुंड के बाद श्रीनगर दूसरे स्थान पर गर्म शहर रहा। घाटी के दूसरे शहरों की बात करें तो वहां भी स्थिति ऐसी ही है।

कश्मीर घाटी में इसी तरह अचानक से तापमान में हुई वृद्धि ने पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। उनका कहना है कि यदि इस समय तापमान में चार गुना वृद्धि हो गई है तो आने वाले दिनों में गर्मी तेज होगी और इसका सीधा प्रभाव पर्यटन पर होगा। तेज धूप की वजह से गुलमर्ग, पहलगाम आदि पर्यटन स्थलों पर बड़ी बर्फ कब की नदारद हो चुकी है

खंडवा से इंडियन मुजाहिदीन का एक आंतकी गिरफ्तार

लोन वुल्फ अटैक की थी योजना

भोपाल/खंडवा, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने आज खंडवा से प्रतिबंधित संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुडे एक आतंकी फैजान का गिरफ्तार कर लिया। उसकी लोन वुल्फ अटैक की योजना थी और उसके निशाने पर सुरक्षा बल के जवान थे।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एटीएस डॉ आशीष ने आज यहां पुलिस मुख्यालय में पत्रकार जानकारी दी कि मध्यप्रदेश एटीएस द्वारा तड़के चार बजे खंडवा से प्रतिबंधित संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े आतंकी फ़ैज़ान शेख (34) को उसके निवास कंजर मोहल्ला, सलूजा कॉलोनी खंडवा पर दबिश देकर गिरफ्तार किया। उसके विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

आईजी डॉ आशीष ने बताया कि आतंकी के पास से भारी मात्रा में आईएम, आईएसआईएस एवं अन्य आतंकी संगठनों से संबंधित जेहादी साहित्य, चार मोबाइल फोन, एक पिस्टल एवं पांच कारतूस, सिमी संगठन के सदस्यता फॉर्म जप्त किए गए हैं। इसके कब्जे से जप्त मोबाइल फोन एवं डिजिटल डिवाइस में भी विभिन्न आतंकी संगठन-इंडियन मुजाहिदीन, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा आदि के जेहादी साहित्य, वीडियो एवं फोटो प्राप्त हुए हैं। गिरफ्तार आतंकी के प्रतिबंधित संगठन सिमी के सदस्यों से भी संपर्क होना पाया गया है।

उन्होंने बताया कि आतंकी अपने सोशल मीडिया-फेसबुक आईडी पर इंडियन मुजाहिदीन से संबंधित जिहादी पोस्ट कर आईएम/आईएसआईएस की विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहा था। साथ ही इसके द्वारा पाकिस्तान में चल रहे मुजाहिदीन ट्रेनिंग कैंप्स की वीडियो, मसूद अजहर (जैश-ए-मोहम्मद) लश्कर-ए-तैयबा की तक़रीर पोस्ट करते हुए कंधार विमान अपहरण की कहानी तथा मुल्ला उमर के बयान एवं अंसार ग़ज़वा-तुल-हिन्द (एजीएच) से संबंधित पोस्ट सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किए जा रहे थे।

फैजान द्वारा लोन वुल्फ अटैक करने की योजना थी, जिसके लिए सुरक्षा बल के जवानों एवं उनके परिजनों की निगरानी एवं रेकी की जा रही थी। इसके द्वारा ऐसा हमला कर स्वयं को इंडियन मुजाहिदीन के यासीन भटकल एवं सिमी सरगना अबू फैजल की तरह बड़ा मुजाहिद सिद्ध करना था। अपनी योजना को अंजाम देने के लिए इसके द्वारा स्थानीय अवैध हथियार कारोबारी तथा राज्य के बाहर के लोगों से सम्पर्क कर पिस्टल एवं कारतूस एकत्र किए जा रहे थे। प्रकरण में आरोपी की पुलिस रिमांड लेकर अग्रिम पूछताछ की जा रही है एवं इसके अन्य सहयोगियों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा प.बंगाल के राज्यपाल के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का मामला

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल राजभवन की एक महिला कर्मचारी ने वहां के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

अपनी याचिका में महिला दावा किया कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक प्रतिरक्षा के कारण वह उपचारविहीन हो गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए वह पश्चिम बंगाल पुलिस को आवश्यक निर्देश दे। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत संवैधानिक व्यक्ति को प्राप्त प्रतिरक्षा की सीमा तक दिशानिर्देश और योग्यता निर्धारित करने का भी अनुरोध किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 361 (2) में कहा गया है कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई आपराधिक कार्यवाही न तो शुरू की जा सकती या जारी नहीं रखी जा सकती है।

याचिका में उक्त प्रावधान का हवाला देते हुए दलील दी गई है कि ऐसी शक्तियों को पूर्ण नहीं समझा जा सकता, जिससे राज्यपाल को ऐसे कार्य करने का अधिकार मिल जाए जो अवैध हों या जो संविधान के भाग तीन (खखख) की बुनियाद पर प्रहार करते हैं। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायतों को उजागर करते हुए राजभवन को एक शिकायत भी लिखी थी, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कथित निष्क्रियता बरतते हुए उसे अपमानित किया गया और मीडिया में उसका मजाक उड़ाया गया। उसे राजनीतिक हथियार बताया गया, जबकि उसके आत्मसम्मान की कोई सुरक्षा नहीं की गई।

याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं और संवैधानिक छूट की आड़ में राज्यपाल को किसी भी तरह से अनुचित तरीके से कार्य करने और लैंगिक हिंसा करने की अनुमति नहीं है, जबकि देश के हर दूसरे नागरिक को ऐसा करने से प्रतिबंधित किया गया है। शिकायतकर्ता महिला ने याचिका में कहा है कहा कि यह (विशेष अधिकार) सीधे तौर पर संविधान के तहत उसके साथ ही (याचिकाकर्ता) सहित प्रत्येक व्यक्ति को दिए गए मौलिक अधिकारों पर हमला करता है।

याचिका में कहा गया, इस मामले में पीड़िता (याचिकाकर्ता) को झूठा बनाना, जबकि यह सुनिश्चित करना कि आर-ोपी/माननीय राज्यपाल खुद बेदाग हैं। सत्ता का ऐसा अनियंत्रित प्रयोग एक गलत मिसाल कायम करेगा, जिससे यौन पीड़ितों को कोई राहत नहीं मिलेगी। यह संवैधानिक लक्ष्य का पूर्ण उल्लंघन होगा। याचिकाकर्ता ने दो मई 2024 को संबोधित प्रभारी अधिकारी को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें राज्यपाल पर बेहतर नौकरी देने के बहाने उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया।

उनकी याचिका में 15 मई 2024 की प्रेस रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया है कि बंगाल की एक ओडिसी नर्तकी ने भी अक्टूबर 2023 में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें राज्यपाल पर जनवरी 2023 में नई दिल्ली के एक होटल में उसका यौन शोषण करने का आरोप लगाया गया था। इस बारे में मई 2024 में कोलकाता पुलिस द्वारा राज्य सरकार को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है।

भारत और आस्ट्रेलिया ने की रक्षा संबंधों की समीक्षा

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री तथा रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने गुरुवार को टेलीफोन पर बातचीत की तथा दोनों देशों के रक्षा संबंधों की समीक्षा की।

श्री सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ बात की। हमने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित कई मुद्दों की समीक्षा की। हिन्द प्रशांत में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी चर्चा हुई। हम भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने व्यापक रणनीतिक सा-झेदारी के तहत रक्षा सहयोग में शानदार प्रगति का उल्लेख किया और नवम्बर 2023 में हुए पिछले भारत-ऑस्ट्रेलिया टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय संवाद के बाद से संबंधों में आई गति की सराहना की।ऑस्ट्रेलिया भारत को प्रमुख सुरक्षा भागीदार मानता है और यह बात उनके राष्ट्रीय रक्षा रणनीति दस्तावेज़ में प्रमुखता से कही गयी है। श्री मार्ल्स ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए श्री सिंह को बधाई दी और भारत में लोकतांत्रिक प्रणाली की सराहना की। उन्होंने रक्षा मंत्री को टीम इंडिया के टी 20 विश्व चैंपियन बनने पर भी बधाई दी।

मंडी में दो दिनों की बारिश से 10 करोड़ 81 लाख का नुकसान

मंडी, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल के मंडी जिला में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से 10 करोड़ 81 लाख का नुकसान हो गया है, जबकि एक महिला की जान भी चली गई है। मंडी जिला के सुंदरनगर में प्रदेश भर में सर्वाधिक 100 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

एडीसी मंडी रोहित राठौर ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि बारिश के कारण जिला भर में सरकारी और गैर सरकारी संपत्ति का 10 करोड़ 81 लाख का नुकसान आंका गया है जबकि एक महिला की मौत हो गयी है, महिला की मौत गोहर उपमंडल के तहत आने वाले शाला गांव में हुई है। मृतका की पहचान वांकी देवी पत्नी पोल्दू के रूप में हुई है।

जिले में दो दिनों तक हुई भारी बारिश के कारण जिला भर में 162 सड़कें अवरुद्ध हुई थी। आज तीन बजे तक प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 103 सड़कों को यातायात के लिए बहाल कर दिया गया था, जबकि 59 सड़कों को खोलने का कार्य जारी है। बिजली विभाग के 147 ट्रांसफार्मर बरसात के कारण प्रभावित हुए थे जिनमें से 143 बहाल कर दिए गए हैं जबकि चार ट्रांसफार्मरों को ठीक करने का काम प्रगति पर है। इसके अलावा जल शक्ति विभाग को 36 लाख का नुकसान हुआ है और कुछ पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। श्री राठौर ने बताया कि चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए पूरी तरह से बहाल है। हर उपमंडल स्तर पर बरसात से निपटने के लिए सभी टीमें मुस्तैदी से काम कर रही हैं।

हुड्डा को चाहिए कि वे राहुल गांधी को ज्ञानवर्धन किताबें दें :सीएम सैनी

चंडीगढ़, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को सलाह दी कि वह राहुल गांधी को कुछ ज्ञानवर्धक किताबें दें ताकि उनको बुद्धि आए।

श्री सैनी यहां हाल में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं किरण चौधरी के समर्थकों के भाजपा में शामिल होने के अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने ने लोकसभा में विपक्षी नेता पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा में ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किया कि जैसे वे ही चुनाव जीतकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी राहुल को समझाया था। बच्चे ने 99 नंबर लिए हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम कितने अंकों में से लिए हैं।

श्री सैनी ने कहा कि राहुल गांधी आज भी बचपने जैसी बातें करते हैं। उन्होंने कहा श्री हुड्डा को चाहिए कि वे राहुल गांधी को ज्ञानवर्धन किताबें दें ताकि उनको बुद्धि आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन लोगों के बीच बोलने के लिए कुछ तो चाहिए होता है, इसलिए संविधान को उठाकर कांग्रेस नेता खड़े हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान को लेकर देश में भ्रम की स्थिति पैदा की।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दुष्प्रचार कर लोगों को भ्रम में डाला और कार्यकर्ताओं को सचेत करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई बड़ा झूठ लेकर आएगी, इसलिए उस झूठ से बचना है और जनता को बचाना भी है। लोकसभा चुनाव में हरियाणा में भाजपा को प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों में से पांच पर हार का सामना करना पड़ा था।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में तोड़फोड़ मामले में हिरासत में लिए गए 43 संदिग्ध

जम्मू , 04 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने गुरुवार को दावा किया कि रियासी जिले के अरनास के धर्मारी इलाके में एक धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ की घटना के सिलसिले में 43 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) रियासी मोहिता शामरा ने बताया कि कुल 43 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले की आगे की जांच जारी है। श्री शामरा ने रियासी के लोगों से शांत रहने और शांति एवं सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अपराधी को जल्द ही लोगों के सामने लाया जाएगा। रियासी पुलिस मामले को सुलझाने और अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हाथरस में हादसा : मुख्य आयोजक पर एक लाख का इनाम, 6 गिरफ्तार

हाथरस/लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

हाथरस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मोर्चा संभालने के बाद यूपी पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई को अंजाम देना शुरू कर दिया है। पुलिस ने गुरुवार को 6 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की है, जिनमें सत्संग आयोजन समिति से जुड़े 4 पुरुष तथा 2 महिलाएं शामिल हैं। यूपी पुलिस के सीनियर अफसर के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में राम लडैते यादव (मैनपुरी), मंजू यादव (हाथरस), उपेंद्र सिंह यादव (फिरोजाबाद), मंजू देवी यादव (हाथरस), मेघ सिंह (हाथरस) और मुकेश कुमार (हाथरस) शामिल हैं। ये सभी सेवादार हैं। वहीं, पुलिस ने मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को भोले बाबा के चरणरज लेने के लिए अनियंत्रित छोड़ दिया, जिसके बाद भगदड़ मच गई। हालात खराब देखकर ये सेवादार भाग निकले। मालूम हो कि सोमवार को घटी इस घटना में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कुल 121 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी, जिसमें अधिकांश महिलाएं शामिल हैं।

अलीगढ़ मंडल के आईजी शलभ माथुर ने बताया कि अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया है कि वे आयोजन समिति के सदस्य हैं एवं सेवादार के रूप में कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य सत्संग कमेटी में भीड़ इकट्ठा करना और चंदा इकट्ठा करना है। साथ ही ये बैरिकेटिंग द्वारा भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं को धूप व गर्मी से बचाने के लिए पांडाल की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर खड़ंजा, बिजली की आपूर्ति हेतु जेनरेटर की व्यवस्था, सफाई इत्यादि की व्यवस्था भी करते हैं। कार्यक्रम के आयोजन के लिए इन लोगों को विभिन्न प्रकार की वर्दी दी गई है। भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा के लिए महिलाओं एवं पुरुषों को काले रंग की कमांडो ड्रेस व एकरूपता के लिए पिंक ड्रेस भी दी जाती है, जिससे वो भीड़ को अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकें।

पूछताछ में यह जानकारी भी सामने आई कि बाबा के अनुयायियों में बाबा के बारे में काफी मान्यताएं हैं। बाबा के चरणरज से बहुत सारे संकट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया है कि हम लोग बाबा के काफिले को भीड़ के बीच से निकालने के लिए आगे व पीछे दौड़ते हैं। उस दिन भी बाबा की चरणरज के लिए भीड़ गाड़ी के पास आई तो सेवादारों ने भीड़ को रोका और जैसे ही काफिला आगे निकल गया तो सेवादारों ने भीड़ को चरणरज लेने के लिए अनियंत्रित छोड़ दिया, जिससे वहां पर महिलाएं व बच्चे एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे और अफरा-तफरी मच गई। यह देखकर सेवादार वहां से जल्दी निकल गए। विवेचना में यह भी प्रकाश में आया है कि यह लोग पुलिस प्रशासन को आयोजन की फोटो, वीडियो बनाने से रोकते थे एवं उनके साथ अभद्रता करते थे। पुलिस द्वारा ये भी विवेचना की जा रही है कि इन सेवादारों में से किसी के द्वारा कोई आपराधिक साजिश तो नहीं की गई है।

गिरफ्तार लोगों में राम लडैते पुत्र रहबारी सिंह यादव निवासी भानपुरा थाना कुरावली जनपद मैनपुरी, उपेन्द्र सिंह यादव पुत्र रामेश्वर सिंह निवासी बाईपास एटा रोड थाना शिकोहाबाद, मेघसिंह पुत्र हुकुम सिंह निवासी मौ दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस, मंजू यादव पत्नी सुशील कुमार निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस, मुकेश कुमार पुत्र मोहर सिंह प्रेमी निवासी न्यू कॉलोनी दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ हाथरस, मंजू देवी पत्नी किशन कुमार यादव निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस शामिल हैं। आईजी ने कहा कि आयोजकों ने पहले भीड़ को रोक लिया था, फिर एक दम लोगों को छोड़ने से यह हादसा हुआ। महिलाएं और बच्चे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए। चरणरज के लिए भीड़ बाबा की गाड़ी के पास थी।

हाथरस हादसे में कुल 121 मौत हुईं। जिनमें 112 महिला, 2 पुरुष, 6 बच्चे और 1 बच्ची शामिल है। इनमें हाथरस के 19, बदायूं के 6, ललितपुर के 1, कासगंज के 10, अलीगढ़ के 17, शाहजहांपुर के 5, आगरा के 18, फिरोजाबाद के 1, गौतमबुद्ध नगर के 1, एटा के 10, मथुरा के 11, औरैया के 2, बुलंदशहर के 5, पीलीभीत के 2, संभल के 2, लखीमपुर के 1, उन्नाव के 1, गाजियाबाद के 1, ग्वालियर के 1, मुरैना के 1, पलवल के 1, फरीदाबाद के 1 और डींग के 1 व्यक्ति शामिल हैं।

हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को मोदी सरकार ने 2 लाख और योगी सरकार ने 2 लाख रुपए देने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सेवानिवृत आईएएस हेमनत राव और सेवानिवृत आईपीएस भवेश कुमार सिंह सदस्यों की समिति गठित की गई है। थाना सिकंदराराऊ में हादसे वाली तारीख 2 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110, 126 (2), 223, 238 में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना प्रारंभ करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जोन स्तर पर एसओजी का गठन किया गया है।

विधानसभा उप चुनाव

भाजपा के पत्ते देख अपने प्रत्याशी तय करेगी सपा

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

सपा ने विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए गुणा-भाग शुरू कर दिया है। पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा करने के लिए भाजपा के रणनीतिक पत्तों के खुलने का इंतजार करेगा। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित सपा नेतृत्व ने इस चुनाव में भी जी-जान से जुटने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि सीसामऊ (कानपुर) की सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि अन्य नौ के विधायकों के सांसद चुने जाने से उपचुनाव हो रहा है।

इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी।

करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं। सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं।

कटेहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई है। यहां उनकी बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चाएं उठ रही हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि वहां से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। सीसामऊ से इरफान सोलंकी के परिवार के ही सदस्य को उतारा जा सकता है। कानपुर से सपा विधायक अमिताभ वाजपेयी की पत्नी वंदना वाजपेयी या परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम पर भी विचार चल रहा है। कुंदरकी से तुर्क मुस्लिम को उतारा जाना लगभग तय है।

भाजपा प्रत्याशियों को देखते हुए पार्टी अपने जातिगत समीकरणों का आकलन करेगी और उसी के आधार पर रणनीति बनाएगी। यही वजह है कि मीरापुर (मुजफ्फरनगर) सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है। खैर (अलीगढ़) में निर्दल प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार चल रहा है। रालोद के एक नेता भी टिकट के लिए सपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। फूलपुर से पटेल या कुशवाहा बिरादरी के नेता पर सपा दांव लगाएगी। मझवा (मिर्जापुर) में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है। गाजियाबाद में जाट और दलित समीकरणों पर विचार हो रहा है।

भव्य और दिव्य महाकुंभ के लिए संगमनगरी का होगा कायाकल्प

महाकुंभ के लिए प्रयागराज शहर का हो रहा सौंदर्यीकरण

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)। संगमनगरी प्रयागराज में अगले वर्ष की शुरुआत में होने जा रहे महाआयोजन महाकुंभ 2025 को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने के लिए जोरदार तैयारियों में जुटी है। योगी सरकार महाकुंभ में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के साथ-साथ महाकुंभ की सुंदरता को लेकर भी मिशन मोड में कार्य कर रही है। इस क्रम में महाकुंभ से पहले ही प्रयागराज को दुल्हन की तरह सजा दिया जाएगा। योगी सरकार की पूरे शहरी इलाके के सौंदर्यीकरण की योजना है, जिस पर कार्य भी शुरू हो चुका है। अयोध्या में रामलला के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जिस तरह की साज सज्जा की गई थी, उसी तरह प्रयागराज का कायाकल्प किया जाएगा। जगह-जगह ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, थीमैटिक डेवलपमेंट समेत सैकड़ों स्तंभ स्थापित किए जाएंगे। महाकुंभ के आयोजन के दौरान जब श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचेंगे तो यहां की आभा देखकर न सिर्फ दंग रह जाएंगे, बल्कि पूरी तरह धार्मिक आस्था के रंग में सराबोर हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसके प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। उन्होंने महाकुंभ को स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षा का मानक आयोजन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को कहा था। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाकुंभ 2025 पूरे विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि भारत की ग्लोबल ब्रांडिंग का माध्यम बनेगा। हमें इसके सफल आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत की प्राचीन संस्कृति का परिचायक है। इसकी गरिमा के अनुरूप पूरे नगर को सजाया जाना चाहिए। कुंभ से जुड़े कथानक, सनातन संस्कृति के प्रतीकों आदि को चित्रित किया जाए। चौराहों पर कुंभ के लोगो लगाए जाने चाहिए। थीम आधारित द्वार, स्तम्भ, लाइटिंग के प्रयास होने चाहिए।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रयागराज में 38 जंक्शन का सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा एजेंसी आबद्ध करके ट्रैफिक डेंसिटी एनालिसिस के प्रयोग से स्टडी करके डिजाइन तैयार किया गया है। इसके साथ ही 5 साल के मेंटीनेंस के साथ ग्रीन बेल्ट एवं स्कल्प्चर की स्थापना की जाएगी। कुल मिलाकर 19 जंक्शन पीडीए द्वारा, 15 जंक्शन पीडब्ल्यूडी एवं 2 जंक्शन का निर्माण सेतु निगम द्वारा किया जा रहा है। दूसरी तरफ, शहरी मार्गों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके तहत 38 शहरी मार्गों (75 किलोमीटर) का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मेला प्राधिकरण द्वारा 8 आर्किटेक्ट आबद्ध कर प्रत्येक मार्ग पर ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, लैंड स्केपिंग डेवलपमेंट, थीमैटिक डेवलपमेंट एवं गैप एनालिसिस पूर्ण किया जा रहा है। कुल 36 मार्ग पीडीए द्वारा और 2 मार्ग का सौंदर्यीकरण पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त लगभग 10 लाख वर्ग फीट पर स्ट्रीट आर्ट व दीवारों पर कलाकृतियां बनाई जाएंगी।

ग्लोबल वॉर्मिंग से बचने का नायाब उपाय हैं एक पेड़ मां के नाम

सीएम योगी ने अपने सरकारी आवास पर लगाया लाल चंदन का पौधा

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

देशवासियों को ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी चुनौतियों से बचने के लिए पूरे देश में पीएम ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का अभिनव आह्वान किया है। इसी श्रृंखला में मैंने आज मुख्यमंत्री आवास पर पेड़ लगाया है। इस अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से पीएम का हृदय से आभार प्रकट करते हुए अभिनंदन करता हूं। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने सरकारी आवास पर पौधा लगाने के उपरांत उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बातें कहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की कि प्रदेश की आबादी के अनुसार हर व्यक्ति वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनकर 20 जुलाई को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाए। इसके लिए प्रदेश की नर्सरियों में हमने 54 करोड़ पौधे भी तैयार किए हैं। इनमें पर्यावरण के लिए उपयोगी

हर प्रकार के पौधे (पीपल, पाकड़, नीम, देशी आम, जामुन, अमरूद, शीशम, सागौन) आदि हैं।

सीएम योगी ने बताया कि पीएम आवास योजना के लाभार्थियों के घर पर निःशुल्क सहजन का पौधे उपलब्ध करा रहे हैं। सहजन हर किसी के लिए बहुत उपयोगी है। इसकी फली की सब्जी या सूप के उपयोग से कुपोषण दूर हो सकता है। हम लोगों ने दो वर्ष पहले भी पीएम आवास योजना के हर लाभार्थी के घर पर सहजन का पेड़ लगाया था। यह अब काफी बड़े भी हो चुके हैं। इस बार फिर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। हमारे पास सहजन के लगभग 55 लाख पौधे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अलग-अलग वैरायटी के पौधे पूरे प्रदेश में लगाए जाएंगे। इसके तहत व्यापक अभियान चलाकर ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, पार्कों, सड़क के किनारे, खाली स्थान पर पौधरोपण किया जाएगा। सीएम ने कहा कि प्रदेशवासी वन महोत्सव के साथ-साथ वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनकर पर्यावरण की चुनौती का सामना करने के लिए आगे आएंगे, इस विश्वास के साथ एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम लखनऊ में किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि इस महाभियान में 30-35 करोड़ पौधरोपण करेंगे। यह कार्यक्रम अभी से प्रारंभ है। 20 जुलाई को रिकॉर्ड पौधरोपण कर वृक्षारोपण महाभियान के महापर्व में हर कोई हिस्सा लेगा। इन पौधों की देखभाल हो सके, इसके लिए भी समय-समय पर कार्यक्रम चलेंगे। सीएम ने आग्रह किया कि जो व्यक्ति पेड़ लगाए, वह उसकी सुरक्षा भी करे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लाल चंदन का पौधा लगाया। सीएम ने सभी लोगों से भी इस अभियान के तहत पौधरोपण की अपील की। इस दौरान वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव (वन) मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) संजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

ई-पॉस से लैस राशन की दुकानों की होगी रेगुलर मॉनिटरिंग

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में ई-पॉस उपकरणों की रोलआउट प्रक्रिया में तेजी लाने जा रही है। योगी सरकार के निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को इसकी मॉनीटरिंग के लिए सॉफ्टवेयर का विकास करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस क्रम में यूपीडेस्को द्वारा एक एजेंसी की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जो प्रदेश की सभी राशन की दुकानों को ई-पॉस मशीनों से युक्त करने के साथ ही उसके ऑटोमेशन व रेगुलर मॉनिटरिंग की प्रक्रिया को सुनिश्चित करेगी।

योगी सरकार की योजना के अनुसार राशन की दुकानों के ऑटोमेशन की जिस प्रक्रिया को पूरा किया जाना है उसमें तेजी यूपीडेस्को द्वारा एजेंसी निर्धारण के बाद आएगी। यूपीडेस्को द्वारा प्रक्रिया शुरू करते हुए इंपैनल्ड एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं। उल्लेखनीय हैं कि जिस एजेंसी को यह कार्य आवंटित होगा उसे न केवल यह सुनिश्चित करना होगा कि इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइसेस को प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में स्थापित किया जाए, बल्कि इसके संचालन, मेंटिनेंस व रेगुलर मॉनिटरिंग के फ्रेमवर्क को भी एजेंसी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। जिन ई-पॉस डिवाइसेस को राशन की दुकानों में स्थापित किया जा रहा है वह इलेक्ट्रॉनिक वेइंग स्केल (ईडब्ल्यूएस) पर आधारित होंगी।

प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में ई-पॉस डिवाइसेस के इंस्टॉलेशन और ऑटोमेशन के बाद इनकी रेगुलर मॉनिटरिंग के लिए एक विशिष्ट सॉफ्टवेयर को भी डेवलप किया जाएगा। इस रेगुलर मॉनिटरिंग को सुनिश्चित करने के लिए पॉस एप्लिकेशन के विकास के साथ ही खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के लिए प्रॉपर फ्रेमवर्क और ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 79,500 फेयर प्राइस शॉप्स हैं जो कि 3.59 करोड़ परिवारों को लाभान्वित करती हैं। इनके जरिए प्रति माह अंत्योदय अन्न योजना के जरिए राशन कार्ड धारक लाभान्वित होते हैं। लगभग 80 लाख क्विंटल खाद्य सामग्रियां इन राशन की दुकानों के जरिए प्रति माह राशन कार्ड धारक लाभार्थियों तक पहुंचती हैं। यही कारण है कि लाभार्थियों को घटतौली और कालाबजारी से बचाने तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ लाभान्वित करने की मंशा से योगी सरकार इस प्रक्रिया को लागू करने में तेजी ला रही है।

ई-पॉस मशीनों के इंस्टॉलेशन और ऑटोमेशन के साथ ही सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की प्रक्रिया को दो फेज में पूरा किया जाएगा। फेज वन में राज्य के सभी ईडब्ल्यूएस युक्त ई-पॉस उपकरणों के कार्यान्वयन की निगरानी की जाएगी। इसके बाद दूसरे फेज में राशन की दुकानों के ई-पॉस उपकरणों के स्वचालन के लिए परियोजना प्रबंधन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस पहल की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सभी राशन की दुकानों में सिस्टम इंटीग्रेटर की एसएलए निगरानी और रिपोर्टिंग को सुनिश्चित किया जाएगा। समय-समय पर मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) रिपोर्ट के विश्लेषण के साथ प्रगति रिपोर्ट भी तैयार करके विभिन्न प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की स्थिति को मॉनिटर किया जाएगा।

काशी में निरंतर बढ़ रही तीर्थयात्रियों की संख्या

धाम की आमदनी में 24.66 प्रतिशत की वृद्धि

वाराणसी, 04 जुलाई (एजेंसियां)। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी ने यहां आने वाले धार्मिक पर्यटकों की राह आसान कर दी है । वाराणसी में पिछले वर्ष 2023 के प्रथम छमाही (जनवरी-जून) के मुकाबले 2024 के प्रथम छमाही में पर्यटकों और बाबा विश्वनाथ धाम की आमदनी दोनों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस समयावधि में 2023 के सापेक्ष 2024 में धाम की आमदनी में 24.66 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं श्रद्धालुओं की संख्या में 45.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में योजनाओं को योगी सरकार द्वारा धरातल पर उतारने के बाद काशी में तीर्थाटन करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाज़िरी लगाई है। यह पिछले वर्ष से 1 करोड़, 5 लाख 15 हज़ार, 796 (1,05,15,796) अधिक है।

संपादकीय

अर्जी लगाने के साथ-साथ

करियर की तलाश में प्रदेश का युवा हरसंभव कोशिश कर रहा है, मगर इस क्षमता के लिए उपयुक्त अवसर प्रदान करने की क्षमता विकसित नहीं हुई। रविवार के दिन हिमाचली युवा की महत्त्वाकांक्षा का एक पन्ना प्रशासनिक परीक्षा के आरंभिक दौर से गुजरा। जहां कुल आवेदनों यानी करीब 32 हजार युवाओं में से करीब साठ प्रतिशत ने भाग्य आजमाया। कर्मठता का करीब ऐसा ही दौर इस समय कुछ सार्वजनिक मैदानों पर अग्निवीर भर्ती के लिए पसीना बहा रहा है। नौकरी के अवसरों में सरकारी अर्जियां यूं तो हर सत्ता की पहली सुर्खी रहीं, लेकिन हमने रोजगार की शर्तों में आए बदलाव को नहीं पढ़ा, इसीलिए जो पढ़ाई की वह एक अनिवार्य कवायद या अर्जी लगाने की फरमाइश हो गई। रोजगार की संभावना, रोजगार का बाजार, सरकारी नौकरी के इश्तिहार के आगे पिछड़ गए। दोनों में अंतर है सरकारी नौकरी एक वादा बनती गई, लेकिन रोजगार एक नशा है। प्रतिस्पर्धा के मानदंडों में राष्ट्रीय सेवा चयन परीक्षाएं अगर एक मुकाम पर खड़ी हैं, तो रोजगार के स्वर्णिम युग में उपलब्धियों का अलंकार एक सतत प्रयास है। जिन्होंने खोजा, वे सभी राज्य से बाहर पहुंच गए। जो कतारों में लगे रहे, उनके परीक्षा पत्र लीक होते रहे। ऐसे में हमारे युवा की वास्तविक शक्ति है कहां। क्या हम सरकारी नौकरी के फकीर बनाने के प्रयास में शिक्षा के केंद्र विकसित कर रहे हैं या युवाओं को उनके आकाश पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा में ज्ञान के बजाय पाठ्यक्रम से परीक्षा प्रणाली का लक्ष्य बना हिमाचली युवा अंततः न प्रदेश का इतिहास, न भूगोल और न ही भाषा का सम्मान करना सीख रहा। जो एचएएस की यात्रा पर निकल रहे या जो अग्निवीर बनने के लिए खाक छान रहे, उनके बीच एक महीन अंतर हमारे संकल्प का भी है। हम सैन्य सेवाओं के स्वाभाविक वंशज हैं। सामाजिक परिदृश्य में एक रुतबा, एक एहसास, एक उत्साह और सैन्य पृष्ठभूमि युवाओं का रुख वर्णित करती है, लेकिन ये सभी निजी प्रयास हैं। सरकार ने कब कहा कि राज्य पढ़े-लिखे नौजवानों को स्वरोजगार का ढांचा देगा। हमारे किस विश्वविद्यालय ने कहा कि वह भविष्य के रोजगार में युवाओं की क्षमता को पारंगत करेगा। कृषि एवं बागबानी विश्वविद्यालयों के बावजूद हमारे खेत की मिट्टी बंजर और संबंधित उपाधियों के बीच सरकारी नौकरी का चरित्र पलता रहा। आश्चर्य यह कि पिछले दो दशकों से आईटी से ज्ञान पार्क तक के सपने बुने जा रहे हैं, लेकिन चैतड़ू सूचना प्रौद्योगिकी पार्क अपनी महफिल में बर्बाद सा चेहरा लिए घूम रहा है। एक परिवर्तन जरूर आ रहा है। बच्चे प्रोफेशन में आगे निकलते हुए देश के कई बड़े शहरों में अपनी जमीन और अपना आसमान खोजने निकल चुके हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में हाथ आजमाते युवा अब अपनी तैयारी व सफल होने के कौशल में इजाफा कर रहे हैं। ऐसे में निजी पुस्तकालयों व कोचिंग का एक नया ट्रेंड हिमाचल के युवा मन को शिक्षा के प्रमाण से दक्षता के अभिप्राय तक जोड़ रहा है। प्रदेश में अकेले धर्मशाला शहर में दो दर्जन से भी अधिक निजी पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्षों का खुलना नवचेतना के अलावा रोजगार की संगत में बैठना भी है। ऐसे में प्रदेश में नए शिक्षण संस्थान खोलने के बजाय कम से कम जिला स्तर पर आधुनिक पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष एवं काउंसिलिंग केंद्र स्थापित करने पर बल देना होगा। पुलिस के सान्निध्य में सार्वजनिक मैदानों को सेना, अर्द्धसेना तथा पुलिस बलों की भर्ती के प्रशिक्षण केंद्र बनाकर हिमाचली युवाओं की क्षमता में विस्तार करने का प्रण लेना होगा। सभी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के परीक्षा केंद्र हिमाचल में खुलवाने के अलावा स्वतंत्र परीक्षा केंद्रों का निर्माण तमाम विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के जरिए कराया जाए।

नौकरी के अवसरों में सरकारी अर्जियां यूं तो हर सत्ता की पहली सुर्खी रहीं, लेकिन हमने रोजगार की शर्तों में आए बदलाव को नहीं पढ़ा, इसीलिए जो पढ़ाई की वह एक अनिवार्य कवायद या अर्जी लगाने की फरमाइश हो गई। रोजगार की संभावना, रोजगार का बाजार, सरकारी नौकरी के इश्तिहार के आगे पिछड़ गए। दोनों में अंतर है सरकारी नौकरी एक वादा बनती गई, लेकिन रोजगार एक नशा है। प्रतिस्पर्धा के मानदंडों में राष्ट्रीय सेवा चयन परीक्षाएं अगर एक मुकाम पर खड़ी हैं, तो रोजगार के स्वर्णिम युग में उपलब्धियों का अलंकार एक सतत प्रयास है। जिन्होंने खोजा, वे सभी राज्य से बाहर पहुंच गए। जो कतारों में लगे रहे, उनके परीक्षा पत्र लीक होते रहे। ऐसे में हमारे युवा की वास्तविक शक्ति है कहां। क्या हम सरकारी नौकरी के फकीर बनाने के प्रयास में शिक्षा के केंद्र विकसित कर रहे हैं या युवाओं को उनके आकाश पर पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा में ज्ञान के बजाय पाठ्यक्रम से परीक्षा प्रणाली का लक्ष्य बना हिमाचली युवा अंततः न प्रदेश का इतिहास, न भूगोल और न ही भाषा का सम्मान करना सीख रहा। जो एचएएस की यात्रा पर निकल रहे या जो अग्निवीर बनने के लिए खाक छान रहे, उनके बीच एक महीन अंतर हमारे संकल्प का भी है। हम सैन्य सेवाओं के स्वाभाविक वंशज हैं।

पश्चिमी देशों और पूंजीवादी ताकतों की साजिश समझिए

मोदी को मोसादेग बनाना चाहते हैं षड्यंत्रकारी

◆ सूफी यायावर

क्या आपने कभी सोचा है कि ईरान के लोग अमेरिका को शैतान की भूमि क्यों कहते हैं? ब्रिटिशों ने ईरान के तेल व्यापार पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। ईरान के तेल उत्पादन का 84 प्रतिशत हिस्सा इंग्लैंड को जाता था और केवल 16 प्रतिशत ईरान के इस्तेमाल के लिए रहता था। 1951 में एक कट्टर देशभक्त मोहम्मद मोसादेग ईरान के प्रधानमंत्री बने। उन्हें ईरान के तेल व्यापार में विदेशी कंपनियों का दबदबा पसंद नहीं था। 15 मार्च 1951 को उन्होंने संसद में ईरान के तेल उद्योग के राष्ट्रीयकरण के लिए एक विधेयक पेश किया, जिसे बहुमत से पारित कर दिया गया। इस विधेयक के पारित होने के बाद ईरानियों को खुशी के सपने आने लगे कि अब उनकी गरीबी दूर हो जाएगी। टाइम्स पत्रिका ने 1951 में मोसादेग को मैन ऑफ द ईयर कहा था।

लेकिन इन घटनाक्रमों के कारण, अंग्रेजों को बहुत कुछ खोना पड़ा। अंग्रेजों ने मोसादेग को हटाने के लिए कई छोटे-बड़े प्रयास किए। मोसादेग को रिश्वत देने की कोशिश की। नहीं माने तो मोसादेग की हत्या करने की कोशिश की गई। सैन्य तख्तापलट की कोशिश की गई। लेकिन मोसादेग बहुत अनुभवी और बुद्धिमान था। इसलिए अंग्रेजों की हत्या, रिश्वतखोरी और अन्य साजिशें नाकाम हो गईं। मोसादेग ईरानी लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय था।

मोसादेग के लोकप्रिय होने के कारण भी सैन्य तख्तापलट संभव नहीं था। अंत में अंग्रेजों ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका की सीआईए ने मोसादेग को हटाने के लिए 1 मिलियन डॉलर का फंड मंजूर किया। 1 मिलियन डॉलर 4250 करोड़ रियाल (ईरानी मुद्रा) के बराबर है। अमेरिका की योजना मोसादेग के खिलाफ असंतोष पैदा करने और उसके प्रति लोगों के समर्थन को खत्म करने की थी। फिर भ्रष्ट सांसदों की मदद से मोसादेग की सरकार को उखाड़ फेंकना था।

अमेरिका ने बड़ी संख्या में ईरानी पत्रकारों, संपादकों, मुस्लिम मौलवियों को 631 करोड़ रियाल का भुगतान किया। बदले में उन पत्रकारों, संपादकों और मुस्लिम मौलवियों को सिर्फ एक ही काम करना था। वह था लोगों को मोसादेग के खिलाफ भड़काना। हजारों ईरानियों को झूठे विरोध में भाग लेने के लिए भुगतान किया गया। उन्होंने संसद पर मार्च करना शुरू कर दिया। दुनिया भर के बड़े मीडिया ने भी अमेरिका का समर्थन करना शुरू कर दिया।

मोसादेग का विरोध बहुत ही निचले स्तर पर शुरू हुआ, जिसमें कार्टूनों में उन्हें समलैंगिक के रूप में दर्शाया गया। उसी प्रकार जैसे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दाम्पत्य जीवन को निशाना बनाया जाता है। बढ़ते कुचक्र के बीच मोसादेग को तानाशाह कहा जाने लगा। यह महसूस करते हुए कि उनकी सरकार भ्रष्ट सांसदों द्वारा उखाड़ फेंकी जाने वाली है। मोसादेग ने ईरान की संसद को भंग कर दिया। अमेरिका ने ईरानी सम्राट को मोसादेग को प्रधानमंत्री के पद से हटाने के लिए मजबूर कर दिया। अंत में 210 मिलियन रियाल की रिश्वत देकर, अमेरिका ने भाड़े के सैनिकों की मदद से ईरान की राजधानी में फर्जी दंगे भड़काए।

सम्राट के ईरान लौटने के बाद मोसादेग ने आत्मसमर्पण कर दिया। उन पर मुकदमा चलाया गया। उन्हें कैद किया गया और फिर उनकी मृत्यु तक उन्हें घर में ही नजरबंद रखा गया। ईरान के उस क्रांतिकारी प्रधानमंत्री मोसादेग की मृत्यु 85 वर्ष की आयु में हिरासत में ही हुई। उसके बाद, अमेरिका और इंग्लैंड ने ईरानी तेल का 40-40 प्रतिशत हिस्सा साझा किया और शेष 20 प्रतिशत अन्य यूरोपीय कंपनियों को दे दिया गया। दशकों तक ईरानी लोगों को शाह की तानाशाही के अधीन रहना पड़ा। एक क्रांति ने राजशाही को समाप्त तो कर दिया; लेकिन फिर कट्टरपंथी खोमैनी सत्ता में आए और ईरानी लोगों की स्थिति और भी खराब होती चली गई।

मोसादेग का अपराध क्या था..? यही न कि मोसादेग चाहते थे कि देश के क्षेत्रों में विदेशी कंपनियों के बजाय स्वदेशी कंपनियों का वर्चस्व होना चाहिए। यह नीति क्या उनका अपराध थी? मोसादेग के नेतृत्व में, ईरान 1955 से पहले एक पूर्ण लोकतांत्रिक देश बन सकता था और उसके तेल उत्पादन से केवल ईरान को ही लाभ हो सकता था। लेकिन ईरान के भ्रष्ट सांसदों, पत्रकारों, संपादकों, प्रदर्शनकारियों ने ईरान के समृद्ध भविष्य को मात्र दस लाख डॉलर में बेच दिया। बाद में दमन के दौर में ईरानी लोगों को यह एहसास होने लगा कि मोसादेग की सरकार को उखाड़ फेंकने में अमेरिका का हाथ था। इसीलिए ईरानी लोग अमेरिका को शैतान का देश कहते हैं।

अब विचार करें कि ईरान के लिए असली खलनायक कौन थे? अमेरिका के हाथों बिके हुए पत्रकार थे, संपादक थे, सांसद थे, सामाजिक कार्यकर्ता थे और सामान्य नागरिक थे। सामान्य नागरिकों का दोष यह था कि वे षडयंत्रकारियों के कुचक्र में फंसे और मोसादेग जैसे देशभक्त प्रधानमंत्री के खिलाफ खड़े हुए। ...और पत्रकार, संपादक, सांसद और कार्यकर्ता अगर नहीं बिकते तो मोसादेग का अमेरिका कुछ नहीं बिगाड़ पाता। लेकिन चार पैसे के लिए देशभक्त नेता को कुमशाह कहा गया और देखते ही देखते पूरा देश बर्बाद हो गया। अपना देश भारत भी आज उसी राह पर है। यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि आम नागरिक चल रही साजिशों को तब तक नहीं देख पाते जब तक कि उन्हें अंतहीन अत्याचारों का सामना खुद न करना पड़े। फर्जी मुद्दे, फर्दी किसान आंदोलन, फर्जी आंकड़े, जातियों को आपस में लड़ाना, अल्पसंख्यक समुदाय को उकसाना, कम्युनिस्ट लॉबी द्वारा राष्ट्रविरोधी ताकतों का साथ देना, ये सब वे राष्ट्रघाती कदम हैं जो उस समय ईरान पर आजमाए गए, आजकल भारत में जोरों से आजमाए जा रहे हैं ताकि विदेशी अनिष्ट कारक ताकतों का भारत पर आर्थिक सामाजिक और प्रशासनिक नियंत्रण हो जाए। समय रहते सचेत हो जाना और इस भ्रष्ट मीडिया दुष्प्रचार का शिकार न बनना ही समझदारी है। भारत के लोगों को अपने देशभक्त वर्तमान भारतीय नेतृत्व पर भरोसा रखना चाहिए और मजबूती से साथ देना चाहिए। अन्यथा भारत में भी ईरान जैसी आपदा अवश्यंभावी है। बड़े पूंजीवादी देशों की खुफिया एजेंसियां और पूंजी ताकतें भारत के कई राजनेताओं को अपने एजेंट के रूप में काम करवाने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य देश के वर्तमान देशभक्त नेतृत्व को हटाना है। इसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। द न्यूयॉर्क टाइम्स में मोसादेग को तानाशाह के रूप में संदर्भित किया गया था। पश्चिमी मीडिया यही बरताव नरेंद्र मोदी के साथ भी कर रहा है और भारतीय मीडिया जूठन चाट रहा है। टाइम पत्रिका ने मोदी को डिवाइडर इन चीफ कह दिया, फिर भी भारतीय मीडिया के स्वाभिमान में कोई सुरसुराहट नहीं हुई। अब तो भारतीय मीडिया भी ब्रिटिश मीडिया की देखा देखी नरेंद्र मोदी को तानाशाह कहने लगा है। क्या यह गंभीरतापूर्वक विचार करने योग्य नहीं है। सोचिए, मंथन करिए और संविधान की डायरी लिए घूमने वाले लोगों में शाहीनबागी शैतानियत देखिए, दिख जाएगा। इनसे संभल कर रहिए...

समाधान को बहुआयामी-दीर्घकालीन रणनीति जरूरी

जल बहुमूल्य है। इसके संरक्षण पर हमें जोर देना चाहिए। जल मानव कल्याण के लिए आवश्यक है तथा निर्वाह का एक बुनियादी साधन है। जल की आपूर्ति अपेक्षाकृत स्थिर रही है, लेकिन बढ़ती मानव आबादी ने मांग बढ़ा दी है और प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। जल की कमी एक वास्तविक समस्या है। अगर पानी का बुद्धिमता से उपयोग नहीं किया गया तो भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। जल संकट भीषण गर्मी, अनियमित मानसून पैटर्न और तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण गंभीर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में जल संरक्षण एवं गुणवत्ता की स्थिति संतोषजनक नहीं है। प्रदेश में जल के विशाल स्रोत हैं, जो सतलुज, रावी, ब्यास, यमुना व चिनाब आदि नदियों के जलग्रहण क्षेत्र से उपलब्ध हैं। पानी की उपलब्धता हिमाचल में ग्लेशियरों से होती है। हिमाचल में भूजल स्रोत हैं नदियां, झीलें, आर्द्रभूमि क्षेत्र आदि। इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हिमाचल प्रदेश के लोगों ने भीषण जल संकट का सामना किया। सरकार हर घर में नल की बात तो करती है, परंतु पानी की बात नहीं करती। यह सरकार का दायित्व है कि सबको पानी मिले। प्रदेश में केन्द्र सरकार की स्कीम 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत 4000 करोड़ रुपए 2019 से मार्च 2024 तक खर्च किए गए, परंतु इसके बावजूद राज्य के लोगों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा। हालांकि इस स्कीम के तहत हर घर, हर व्यक्ति को 70 लीटर पानी हर दिन देने का लक्ष्य था। इस स्कीम के अंतर्गत 2200 करोड़ रुपए की पानी की पाइपें खरीदी गईं। पानी की पाइपें बिछा तो दी, परंतु सरकार ने पानी की वृद्धि की योजना तथा इसके लिए संरचनाओं की जरूरत नहीं समझी। जल शक्ति विभाग को गहरे बोरवेल एवं बारहमासी जलस्रोत आधारित प्रोजेक्ट बनाने चाहिए थे। इनके अभाव में लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ा। इन संरचनाओं के निर्माण के लिए सरकार को सरकारी-निजी कंपनी भागीदारी की संभावनाएं तलाशनी चाहिए थी। नल कई गुणा बढ़ा दिए, परंतु पानी के स्रोत नहीं बढ़े। प्रदेश में इस वर्ष की गर्मियों में जल की स्थिति बहुत भयावह रही। कई जगह चार दिन के बाद पानी मिल रहा था, तो कई जगह स्थिति इससे भी बदतर रही। पर्यटक स्थल शिमला में जल संकट से पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय जनता भी प्रभावित हुई। ठियोग क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट रहा। हिमाचल में बहुत-सी जगहों पर लोग पानी के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं तथा जल शक्ति विभाग के अधिकारियों का घेराव भी किया। तहसील लडभड़ोल के गांव भड़ोल, बलद्वाड़ा, मंडी के नरोला गांव, सरकाघाट क्षेत्र के डोल गांव तथा कई अन्य गांव पेयजल संकट से प्रभावित रहे। जोगिंद्रनगर में चौतंड़ा के अंतर्गत खुड्डी और कोलांग पंचायतों के अधीन आने वाले 10 गांवों और ज्वालामुखी में पेयजल आपूर्ति कम हो गई है। सुंदरनगर शहर में पेयजल आपूर्ति आंशिक बाधित हुई, जो कुप्रबंधन के कारण है। मंडी के अलावा सोलन व कांगड़ा जिलों में भी कई जगह पानी की कमी देखी गई। प्रदेश में कुल 10067 पेयजल योजनाएं हैं। इनमें से 1797 पेयजल योजनाओं के जलस्तर में गिरावट आई है। इनमें से 5 योजनाएं पूरी तरह सूख गई हैं और 165 योजनाएं ज्यादा प्रभावित हुई हैं। इनका जलस्तर 75 प्रतिशत से नीचे रहा। शिमला, सिरमौर, बिलासपुर व हमीरपुर जिले भी जल संकट से ज्यादा प्रभावित हुए। हिमाचल में कुल 5252 निवासी जल संकट से प्रभावित हुए। पेयजल संकट के मुख्य कारण हैं: कुप्रबंध, असमान बंटवारा, पानी की बर्बादी, पाइपों में लीकेज, वर्तमान पेयजल क्षमता को न बढ़ाना तथा पारंपरिक स्रोतों को पुनर्जीवित न करना आदि। आबादी बढ़ रही है। नई कालोनियां बस रही हैं। पानी की पाइपें उसी माप की हैं। पानी में वृद्धि नहीं की जाती। स्टोरेज टैंकों की क्षमता वही है। पुरानी पाइपों में लीकेज को ठीक नहीं किया जाता। पाइप लाइन को बदला नहीं जाता, हालांकि जल शक्ति विभाग के भंडार पाइपों से भरे पड़े हैं। जल शक्ति विभाग के बहुत से अधिकारी फील्ड में नहीं जाते और जल आबंटन का काम जलरक्षकों पर छोड़ दिया है। जलरक्षक पानी के आबंटन का कार्य सही तरीके से नहीं करते। किसी क्षेत्र को कम समय तथा किसी क्षेत्र को लंबे समय के लिए पानी छोड़ देते हैं। कुछ लोगों ने इतने बड़े-बड़े टैंक अपने घरों में बना रखे हैं, पानी के मीटर लगवा नहीं रखे हैं तथा साथ में सीधे लाइन पर टुल्लू पंप लगाते हैं। इससे पानी की आपूर्ति बाधित होती है तथा जल आबंटन सही नहीं होता है। विभाग सीधे पाइप में मशीन या टुल्लू न लगाने की अपील करके चुप बैठ जाता है। कुछ लोगों को आधा घंटा तो किसी को डेढ़ घंटा पानी दिया जा रहा है और कुछ लोगों को 24 घंटे पानी की आपूर्ति की जाती है। पेयजल की आपूर्ति के लिए लोगों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। विद्युत कटों, कम वोल्टेज तथा पंप घरों की बाधित विद्युत सप्लाई के कारण पेयजल समस्या और गंभीर हो जाती है। विद्युत समस्या का समाधान संबंधित विभाग से करवाया जाना चाहिए। पानी छोडने तथा लाइन की मरम्मत का काम सरकार अपने चहेतों को दिलवाती है। वे लोग आमजन की बात को नहीं सुनते और अपने हिसाब से पानी छोड़ते हैं। पारंपरिक पानी के स्रोत हिमाचल में पानी की मांग और आपूर्ति के संतुलन में महत्वपूर्ण रोल अदा करते थे, जो नल की संस्कृति ने खत्म कर दिए हैं। इन पारंपरिक स्रोतों में झरने, कूहलें, बावड़ी, तालाब व खातियां आदि हैं।

कुछ अलग

एक राष्ट्रद्रोही की बकवास

मरे पुल की आत्मा नियमानुसार ज्यों ही जन्नत के बदले यम के दरबार में पहुंची तो यम ने उससे उसका स्वागत करते पूछा, 'रे पुल! वेलकम! वेलकम! आखिर तुम भी अपने सगे संबंधियों की तरह उद्घाटन से पूर्व भ्रष्टाचार को प्यारे हो ही गए।' 'गुस्ताखी माफ हो जनाब! है तो छोटे मुंह बड़ा सच जनाब, पर आजकल वहां निर्माण के काम हो ही इतनी ईमानदारी से हो रहे हैं कि...।' 'हे मतलब परस्त! कम से कम उद्घाटन तक तो बने रहते। आखिर उनको बदनाम करके तुम्हें मिलेगा क्या?' 'अब आप ही बताओ, कैसे बना रहता जनाब? मैंने कब चाहा था कि मैं...मैंने जनता के हिस्से का करोड़ों का टॉनिक, विटामिन खाया था, पर जनता मुझे माफ करे जनाब! हाय! अफसरों का खाया मैं जनता के काम न आ सका, उनको वैतरणी पार न लगा सका। इस बात का मलाल सदा रहेगा। तो जनाब हुआ यों कि शहर में भीषण गर्मी पड़ रही थी जनाब! बच्चों को लू से बचने के लिए मेरे नीचे बहने वाली नदी को देख मेरा मन भी उनके साथ नदी में नहाने को हो गया। लाख अपनी सेहत का मालूम होने के बाद भी उनकी देखादेखी में मैंने भी नदी के पानी में छलांग दी। हालांकि वहां पानी बिल्कुल गहरा न था। सच कहूं, जनाब! मुझे सबसे अधिक डर किसी से लगता है तो बस, पानी से ही लगता है। मुझे पानी में कूदते देख आपस में लेन-देन की बात करता ठेकेदार चीखा भी, 'ओए! क्या कर रहे हो? उद्घाटन तक तो खड़े रहो। ये क्या बदतमीजी है? अपनी तो नाक है नहीं, हमारी नाक कटवाओगे क्या? जनता को समर्पित हो जाने के बाद जो मन करे करना। हम तुम्हें कुछ न कहेंगे।' पर जनाब! मैं चुप रहा। सोचा जिनकी नाकें ही न हों, उनकी नाकें क्या कटेंगी? अब इनकी उनकी नाकें कब तक हम जैसे बचाते फिरें? वे अपनी नाक कटने के डर का स्वांग करते रहें तो करतें रहें। मैंने उनकी एक न सुनी और पानी में कूद गया। पर मुझे क्या पता था कि मैं इतना कमजोर हूं कि पानी में से निकल ही नहीं पाऊंगा। ज्यों ही मैंने नदी के उथले पानी में डुबकी लगाई, पानी में डूब गया जनाब और मेरा देहावसान हो गया।' 'यहां तो आज आदमी भी अपने देहवासान को भूल बैठा है, ऐसे में पुलों का भी देहावसान होता है क्या?' यम के साथ साथ चित्रगुप्त भी हंसे। 'क्यों नहीं जनाब! जब भगवान की सर्वश्रेष्ठ पंच तत्वों से बनी कृति का देहावसान हो सकता है तो उसके द्वारा चूस चूस कर बने पुल का क्यों नहीं? अब रही बात नदी के साथ रहने से पहले तैरना सीखने की तो जनाब! यहां अधिकारियों को ही भ्रष्टाचार के सागर में सेफ्टी जैकेट डालकर तैरने की ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे...। जहां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति भ्रष्टाचार के सागर में चोटी से ऊपर तक डूबी हो तो उसके द्वारा खाया पुल लाख खड़ा रहने की कोशिश के बाद भी क्या नदी में नहाते नहाते नहीं डूब सकता जनाब?' पुल ने सिर ऊंचा कर कहा तो यम झेंपे, 'तो मानवता के नाते तुम्हें बचाने कोई नहीं आया क्या?' 'क्यों आता जनाब! आजकल अपने यहां बचाना नहीं, डुबाना सबका परम धर्म चल रहा है। सब एक दूसरे को बचाने का नाटक करते एक दूसरे को डूबो रहे हैं। फिर भी ज्यों ही मैंने डूबने पर बचाओ! बचाओ! चिल्लाते बचने के लिए पास खड़े सक्षम कम अक्षम अधिकारी की बाजू पकड़ी तो उसने झट मुझसे अपनी बाजू छुड़वाई और मुझे हंसते हुए और भी गहरे पानी में धकेल दिया। फिर लगा कि कम से कम अब आसपास के लोग तो मुझे जरूर बचाएंगे। पर उन्होंने भी मुझे बचाने के बदले अपने अपने मोबाइल के कैमरे मेरी ओर कर पूरी संवेदनशीलता से मुझ डूबते की वीडियो बनानी शुरू कर दी। वे मुझ डूबते का वीडियो बनाते रहे और मैं बचाओ! बचाओ! के नारे लगाता रहा।' 'देखो! तुम बच्चे तो थे नहीं कि बचने की कोशिश किए बिना नदी में डूब जाते। पुल हो यार पुल! तुम पर पता है कितने न तैरना जाने वालों की उम्मीदें टिकी थीं? तुम मुफ्त के पांच किलो आटे से नहीं, करोड़ों से लाखों के पेटों पर लात मार बने थे।

देश दुनिया से

आपराधिक छवि वालों को अयोग्य घोषित करो

सरकारी नौकरी में भी जो व्यक्ति चुना जाता है, उसकी पहले पुलिस वैरिफिकेशन करवाई जाती है, उसके बाद ही उसे सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र मिलता है अथवा नियुक्ति पत्र देने के बाद भी काम करने के पहले दो महीनों में ही पुलिस से जांच आवश्यक कही गई है, पर अब यह प्रश्न पैदा होता है कि जब सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी में आने से पहले पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी है तो सरकार के लिए क्यों नहीं। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इतना ज्यादा दलबदल हुआ जिसने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। साठ के दशक के आया राम गया राम से लेकर 2023 के पलटू राम तक दल बदलने वाले नेताओं की चर्चा खूब रही।

अपने देश की जनता और परिवारों को सुरक्षित रखने के लिए, लूटपाट से बचाने के लिए, उनके जीवन की रक्षा के लिए सरकारी आदेश और निर्देश यह रहता है कि जब भी अपने घर, दुकान, संस्थान में कोई नया कर्मचारी रखें अथवा किराएदार रखें तो पुलिस को, विशेषकर अपने क्षेत्र के पुलिस स्टेशन को उसकी जानकारी देनी चाहिए। जब पुलिस यह निश्चित कर दे कि उस व्यक्ति का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं है, तभी उसे किराएदार या कर्मचारी के रूप में रखा जाए। सरकारी नौकरी में भी जो व्यक्ति चुना जाता है, उसकी पहले पुलिस वैरिफिकेशन करवाई जाती है, उसके बाद ही उसे सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र मिलता है अथवा नियुक्ति पत्र देने के बाद भी काम करने के पहले दो महीनों में ही पुलिस से जांच आवश्यक कही गई है, पर अब यह प्रश्न पैदा होता है कि जब सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी में आने से पहले पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी है तो सरकार के लिए क्यों नहीं। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इतना ज्यादा दलबदल हुआ जिसने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। साठ के दशक के आया राम गया राम से लेकर 2023 के पलटू राम तक दल बदलने वाले नेताओं की चर्चा खूब रही। 2024 के चुनावों में बहुत से राजनीतिक दलों ने दूसरी पार्टियों के बागी या निकाले गए कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में शामिल ही नहीं किया, अपितु उनको संसद के लिए प्रत्याशी भी बनाया। कुछ ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व भी एक दल से दूसरे दल में गए अथवा बुलाए गए जिनका अतीत अपराध, भ्रष्टाचार और घोटालों से भरा था। ऐसे भी नेता लिए गए जो कुछ महीने पहले तक भगवान श्रीराम का नाम भी आदर से नहीं लेते थे और राम मंदिर का मुखर विरोध भी करते रहे, पर वे सभी उस पार्टी में गए जिन्होंने श्रीराम के नाम से ही दो दशक पहले सत्ता प्राप्त की थी। आश्चर्य है कि समाजवादी भाजपा वाले हो गए, भाजपा वाले अकाली हो गए, अकाली और भाजपा दोनों ही आप में भी चले गए। कांग्रेस के वे नेता जो वर्षों से संसद में कांग्रेस के प्रतिनिधि बनकर बैठे थे, दल बदलने में पीछे न रहे। महाराष्ट्र के तो कुछ ऐसे भी प्रसंग सुनने को मिले कि जो नेता सत्ता पक्ष की शरण में आ गए, उन पर अरबों के घोटालों की गाज गिरने वाली थी, पर उन्होंने सत्ता पक्ष का अभेद्य कवच ओढ़ लिया। भारत की जनता का तो धन्यवाद कि जागरूक मतदाताओं ने अधिकतर दलबदलुओं को हराया। मेरा सरकारों से प्रश्न तो यह है कि जब पुलिस यह आदेश-निर्देश देती है कि कोई नया व्यक्ति घर में, व्यापार में, उद्योग में जोडने से पहले उनकी पृष्ठभूमि की पुलिस से जांच करवाई जाए, तो ये जो बड़े-बड़े नेता दल बदलकर दूसरी पार्टी में जाते हैं, उन पार्टियों ने कभी इस नियम का पालन किया, जो आम जनता के लिए है। वैसे भी हमारे विद्वानों ने यह कहा है कि जिसके कुल शील का ज्ञान नहीं, उसे अपने घर-संस्थान में कभी स्थान न दें। वास्तविकता तो यह है कि राजनेताओं के अपराध या उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि किसी से छुपी नहीं होती। समाचार पत्रों की सुर्खियों में रहती है। सोशल मीडिया द्वारा लोग उसको जानते हैं, फिर भी देश का बड़े से बड़ा नेता उन्हें गले लगाता है। दिल मिले या न मिले, हाथ मिलाने का नाटक टेलीविजन पर सारी दुनिया को दिखाया जाता है। पुष्पगुच्छ भेंट करना, गले में अपनी-अपनी पार्टी का सिरोपा पहनाना, मन से दुखी होते हुए भी मुख पर मुस्कुराहट लाना, यह दलबदलुओं का आम खेल है। भारत की जनता का सीधा-सीधा सवाल सरकार से है, प्रदेशों की सरकारों से भी कि जो कानून हमारे ऊपर अर्थात आम आदमी के ऊपर लागू होते हैं, वे नेताओं पर क्यों नहीं? एक प्रश्न और चुनाव से पूर्व सभी प्रत्याशी चुनाव आयोग को यह जानकारी देते हैं कि उनके ऊपर किस-किस अपराध में मुकदमे चल रहे हैं या उनको दंड देने का अदालत ने निर्णय कर लिया है, फिर भी उनको चुनाव लडने की इजाजत क्यों? एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी जिन अपराधों के कारण सरकारी नौकरी के अयोग्य है, उन्हीं अपराधों को या आपराधिक पृष्ठभूमि को स्वीकार करते हुए चुनावी प्रत्याशी चुनाव लडने की आज्ञा पा लेता है। आखिर ऐसा क्यों? एसोसिएशन ऑफ डेमाक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार 18वीं लोकसभा के लिए जो 543 सांसद चुने गए उनमें से 251 अर्थात 46 प्रतिशत पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 27 सांसदों को अलग-अलग अदालतों से दोषी करार दिया जा चुका है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार दागी सांसदों का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 2019 में क्रिमिनल केस वाले 233 अर्थात 43 प्रतिशत सांसद लोकसभा में पहुंचे थे। भारत के मतदाता गंभीरता से सोचें कि यह संख्या बढ़ती क्यों जा रही है। 2009 में 162, 2014 में 185, 2019 में 233 दागी छवि वाले या बहुत से गंभीर अपराध करने वाले संसद में पहुंचे थे, भारत की सरकार बने थे। दुनिया भर की सुख-सुविधाएं उनको मिल गईं।

आप का नजरिया

नेता विपक्ष का आक्रामक आगाज

सोमवार एक जुलाई को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने पहला भाषण दिया, जो इतना आक्रामक और उत्तेजक था कि प्रधानमंत्री मोदी समेत आधा दर्जन केंद्रीय मंत्रियों को बार-बार आपत्ति दर्ज करानी पड़ी। इन मंत्रियों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। गृह मंत्री ने पहली बार लोकसभा में स्पीकर का संरक्षण मांगा और नियमों को लेकर वह कुछ असहाय और आक्रोश में दिखे। हमने संसदीय कवरेज के अपने लंबे अनुभव में पहली बार देखा कि प्रधानमंत्री ने नेता विपक्ष के भाषण के दौरान टोका-टोकी की और कहा- 'पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है। संविधान ने मुझे सिखाया है कि विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए।' यह राहुल गांधी का पूरी तरह 'राजनीतिक भाषण' था। राष्ट्रपति अभिभाषण की उन्हें परवाह ही नहीं थी। यह भी पहली बार लोकसभा में हुआ कि नेता विपक्ष ने भगवान शिव, ईसा मसीह, गुरु नानकदेव, महावीर स्वामी की कथित 'अभय मुद्रा' वाली तस्वीरों को बार-बार दिखाया। यह सदन के नियम 349 का उल्लंघन था। स्पीकर ओम बिरला ने बार-बार सदन की गरिमा और मर्यादा की दुहाई दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष की रणनीति कुछ और ही थी। नेता विपक्ष ने पहली बार ऐसा भाषण दिया, जिसमें आठ संसदीय नियमों का उल्लंघन किया गया। इस पर स्पीकर क्या निर्णय लेते हैं, यह देखना अभी शेष है। नेता प्रतिपक्ष के आगाजी भाषण में राहुल गांधी ने हिंदू, अग्निवीर, नीट, किसान से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक अपने प्रहारों के निशाने पर रखे। यह भी संसद में पहली बार देखा गया कि नेता विपक्ष ने भाजपा के सबसे महत्वपूर्ण 'हिंदू कार्ड' को निरस्त करने की कोशिश की। राहुल खुद को बड़ा और मौलिक हिंदू साबित करने में लगे रहे। उन्होंने स्थापना दी कि आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री ही हिंदू समाज नहीं हैं। जो खुद को हिंदू मानते हैं, वे 24 घंटे हिंसा और नफरत फैलाते रहते हैं। वे हिंदू नहीं, हिंसक हैं। राहुल के इस कथन पर साधु-संतों और संघ नेताओं ने तल्ख प्रतिक्रियाएं दी हैं। दरअसल नेता प्रतिपक्ष ने 'हिंदू' के जरिए देश के 110 करोड़ हिंदुओं तक अपना संदेश पहुंचाना चाहा है। वे राहुल गांधी के हिंदू और धार्मिक ज्ञान को किस तरह ग्रहण करते हैं, यह भविष्य की राजनीति है। इतना कहा जा सकता है कि सोमवार का दिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दिन था। वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का भी दिन था, क्योंकि विपक्षी सांसद अपने नेता के साथ एकजुट और आक्रामक रहे। राहुल की राजनीति और रणनीति की यही निरंतरता बरकरार रहेगी, भविष्य में देखना होगा। हालांकि अयोध्या के लोगों के मुआवजे और अग्निवीर की शहादत पर एक करोड़ रुपए की सरकारी मदद आदि के स्पष्टीकरण सरकार की तरफ से दिए जा चुके हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष को तथ्यात्मक गलतियों से बचना चाहिए। बीते दिनों एक अग्निवीर शहीद हुआ था, जिसे सरकार की ओर से 1.65 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी मदद दी गई थी। इसी तरह नेता विपक्ष ने यह भी गलत कहा है कि प्रधानमंत्री अयोध्या से चुनाव लडना चाहते थे, लेकिन सर्वे करने वालों ने उन्हें मना कर दिया।

ब्रिटेन की राजनीति में बढ़ रहा भारतीय मूल के लोगों का दबदबा, कई अल्पसंख्यक उम्मीदवार चुनाव मैदान में

लंदन, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव में अच्छी खासी संख्या में भारतीय मूल के सांसद जीतकर संसद पहुंच सकते हैं। माना जा रहा है कि ब्रिटेन की आगामी संसद देश के इतिहास की सबसे विविधतापूर्ण संसद हो सकती है, जहां अल्पसंख्यक वर्गों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन के फ्यूचर थिंक टैंक की समीक्षा में ऐसा दावा किया जा रहा है। लेबर पार्टी से सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक वर्ग से सांसद चुने जा सकते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों में दावा किया जा रहा है कि लेबर पार्टी को आगामी चुनाव में जनता का जबरदस्त समर्थन मिल सकता है। नई संसद में 14 प्रतिशत सांसद अल्पसंख्यक वर्ग से हो सकते हैं थिंक टैंक के अनुसार, अगली संसद में 14 प्रतिशत सांसद अल्पसंख्यक वर्ग से हो सकते हैं। साल 2019 में हुए आम चुनाव में भारतीय मूल के 15 सांसद जीत हासिल कर संसद पहुंचे थे, उनमें से कई इस बार भी चुनाव मैदान में हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के आलोक शर्मा और लेबर पार्टी के विरेंद्र शर्मा इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इलिंग साउथहॉल सीट पर बड़ी संख्या में पंजाबी मूल के मतदाता हैं। यही वजह है कि इस सीट से भारतीय मूल के दो उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं, जिनमें संगीत कौर और जगिंदर सिंह का नाम शामिल है। इनके अलावा इसलिंगटन नॉर्थ सीट से लेबर पार्टी के टिकट पर प्रफुल नरगुंड चुनाव लड़ रहे हैं। यहीं से लेबर पार्टी के पूर्व दिग्गज नेता जेरेमी कोर्बिन बतौर निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं।

कोर्बिन को लेबर पार्टी ने बर्खास्त कर दिया था। इन सीटों पर भारतीय मूल के उम्मीदवार इफोर्ड साउथ सीट से लेबर पार्टी के टिकट पर जस अटवाल, डर्बी साउथ सीट से बैगी शंकर, साउथंपटन टेस्ट से सतवीर कौर, हडर्सफील्ड सीट से हरप्रीत उप्पल चुनाव लड़ रहे हैं। इंदौर में जन्मे लंदन के पूर्व डिप्टी मेयर राजेश अग्रवाल लीसेस्टर ईस्ट सीट से पहली बार सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला ब्रिटिश भारतीय कंजर्वेटिव उम्मीदवार शिवानी राजा से है। इस सीट पर भारतीय मूल के मतदाताओं की अच्छी खासी तादाद है। इस सीट पर सभी की निगाहें लगी रहेंगी, क्योंकि यहां से लंबे समय तक सांसद रहे गोवा मूल के कीथ वाज भी इस बार बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अस्ताना में चीनी समकक्ष वांग यी से मिले जयशंकर, सीमा विवाद सुलझाने के प्रयास बढ़ाने पर जताई सहमति

अस्ताना । विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में को मुलाकसत की। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच दोनों देशों के विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर मिले। दोनों ने पूर्वी लद्दाख में मुद्दों को हल करने के लिए कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के जरिए प्रयासों को बढ़ाने पर सहमति जताई। जयशंकर ने वांग को बताया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान और सीमा क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने भारत के इस दृढ़ दृष्टिकोण को भी दोहराया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी सम्मान, हित और संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि अस्ताना में सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। सीमा क्षेत्रों में शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान पर चर्चा की। इस दिशा में कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के जरिए प्रयासों को दोगुना करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एलएसी का सम्मान करना, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना आवश्यक है। परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हित हमारे द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुए कि सीमा क्षेत्रों में वर्तमान में जो हालात हैं, उन्हें लंबा खींचना किसी के भी हित में नहीं है। विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में शेष क्षेत्रों से सैनिकों को पूरी तरह से हटाने और सीमा पर शांति बहाल करने के प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य होने की राह में जो भी बाधाएं हैं वे दूर हों। भारत और चीन के मध्य पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच इन नेताओं के बीच यह बैठक हुई है।

सैन्य अभियानों से दो हिस्सों में कटा गाजा, यूएन ने कहा- युद्ध के बाद 10 में से नौ लोग विस्थापित हुए

गाजा। संयुक्त राष्ट्र की ओसीएचए एजेंसी के प्रमुख एंड्रिया डी डोमेनिको ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में हर 10 में से करीब नौ लोग एक बार विस्थापित हुए हैं। डोमेनिको के अनुसार, अब तक गाजा में लगभग 1.9 मिलियन लोग विस्थापित हो चुके हैं। डोमेनिको ने येरूशलम में एक पत्रकार वार्ता की, जहां से न्यूयॉर्क और जिनेवा के पत्रकारों से कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा पट्टी में हर 10 में से नौ लोग अक्टूबर के बाद से एक बार आंतरिक रूप से जरूर विस्थापित हुए हैं। पहले हम 1.7 मिलियन का अनुमान लगा रहे थे, लेकिन हमने राफा में ऑपरेशन किया। हमें राफा से अतिरिक्त विस्थापन करना पड़ा। इसके बाद हमने उत्तर में भी अभियान चलाया, जिससे लोगों को स्थानांतरित किया गया था। इस तरह के सैन्य अभियानों ने लोगों को बार-बार विस्थापन के लिए मजबूर किया है। डी डोमेनिको ने कहा, इजराइल के सैन्य अभियानों से गाजा पट्टी दो हिस्सों में कट गई है। इस क्षेत्र के उत्तर में तीन से साढ़े तीन लाख लोग रहते थे जो दक्षिण में जाने में असमर्थ थे। मई की शुरुआत में मिस्र में राफा क्रॉसिंग बंद होने से पहले अनुमानित एक लाख 10 हजार लोग गाजा पट्टी छोड़ने में कामयाब रहे थे। डोमेनिको ने कहा कि कुछ लोग मिस्र में ही रह गए हैं जबकि अन्य आगे चले गए हैं।

पाकिस्तान में अफगान सीमा के पास विस्फोट, उपचुनाव लड़ रहे पूर्व सीनेटर सहित पांच की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अफगान सीमा के पास विस्फोट में एक पूर्व सीनेटर सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आतंकवादियों ने पूर्व सीनेटर की कार को रिमोट नियंत्रित बम से निशाना बनाया था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि विस्फोट के लिए किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। हमले के पीछे कौन था। हालांकि, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने भी इसमें शामिल होने से इनकार किया है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान में 11 जुलाई को उपचुनाव होना है, जिसमें पूर्व सीनेटर हिदायतुल्ला खान बतौर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। बुधवार को खान, उनके दो साथी और दो पुलिस गार्ड कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। अफगान सीमा से 45 किलोमीटर दूर बाजौर जिले में पहुंचने पर विस्फोट हुआ और खान सहित उनके दोनों साथी व पुलिस गार्ड मारे गए।

जमैका में आए बेरिल तूफान ने मचाया तांडव, कम से कम नौ की मौत , 500 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया

जमैका, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

इस शक्तिशाली तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम नौ हो गई है। बाढ़ और खतरनाक हवाओं से प्रभावित हुए द्वीपों में संचार सेवाएं वापस सही होने पर मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

कैरेबियन देश जमैका में आए बेरिल तूफान ने जमकर तांडव मचाया। इस तूफान से आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया। जगह-जगह पेड़ उखड़ गए, छतें टूट गईं और बड़ी संख्या में खेत नष्ट हो गए। पिछले कुछ दिनों से छोटे कैरेबियाई द्वीपों में हालात काफी खराब हैं।

इतने लोगों की मौत

इस शक्तिशाली तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम नौ हो गई है। बाढ़ और खतरनाक हवाओं से प्रभावित हुए द्वीपों में संचार सेवाएं वापस सही होने पर मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जमैका में बुधवार दोपहर को तूफान द्वीप के दक्षिणी तट से टकराया। उसके बाद चली तेज हवाओं और बारिश ने लोगों को प्रभावित किया। बचावकर्मियों ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जमैका के टॉप हिल में रहने वाले 51 वर्षीय कैशियर अमॉय वेलिंगटन ने कहा, यह डरावना है। सब कुछ बर्बाद हो गया। मैं अपने घर में हूं, लेकिन डरा हुआ हूं। यह एक आपदा है।

क्षेत्रों को खाली करने को कहा

प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने उन लोगों से जगह खाली करने को कहा, जो खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जमैका के 500 लोगों ने शेल्टर का सहारा लिया। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल हमने सबसे बुरा दौर नहीं देखा है। आगे क्या हो सकता है नहीं पता। हम जितना भी मानवीय रूप से संभव है, उतना कर रहे हैं। बाकी भगवान के हाथों में हैं।

जमैका की राजधानी किंग्स्टन और लोकप्रिय पर्यटक मोंटेगो बे में हवाई अड्डे पूरे दिन बंद रहे।

सोमवार को ग्रेनेडा में मचाई थी तबाही

नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार बेरिल काफी शक्तिशाली तूफान है, जिसे कैटेगरी चार में रखा गया है। बेरिल की वजह से 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। इसकी तूफानी लहरें कई देशों के लिए खतरा बन गई हैं। ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डंकन मिशेल का कहना है कि सोमवार को ये तूफान ग्रेनेडा के तट से टकराया था और आधे घंटे में इसने सबकुछ तबाह कर दिया। इस तूफान में तीन लोगों की जान चली गई है।जमैका में आए बेरिल तूफान ने मचाया तांडव, कम से कम नौ की मौत; 500 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया जमैका । कैरेबियन देश जमैका में बुधवार दोपहर आए बेरिल तूफान ने जमकर तांडव मचाया। इस तूफान से आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया। जगह-जगह पेड़ उखड़ गए, छतें टूट गईं और बड़ी संख्या में खेत नष्ट हो गए। पिछले कुछ दिनों से छोटे कैरेबियाई द्वीपों में हालात काफी खराब हैं।

इतने लोगों की मौत

इस शक्तिशाली तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम नौ हो गई है। बाढ़ और खतरनाक हवाओं से प्रभावित हुए द्वीपों में संचार सेवाएं वापस सही होने पर मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जमैका में बुधवार दोपहर को तूफान द्वीप के दक्षिणी तट से टकराया। उसके बाद चली तेज हवाओं और बारिश ने लोगों को प्रभावित किया। बचावकर्मियों ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जमैका के टॉप हिल में रहने वाले 51 वर्षीय कैशियर अमॉय वेलिंगटन ने कहा, यह डरावना है। सब कुछ बर्बाद हो गया। मैं अपने घर में हूं, लेकिन डरा हुआ हूं। यह एक आपदा है।

क्षेत्रों को खाली करने को कहा

प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने उन लोगों से जगह खाली करने को कहा, जो खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जमैका के 500 लोगों ने शेल्टर का सहारा लिया। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल हमने सबसे बुरा दौर नहीं देखा है। आगे क्या हो सकता है नहीं पता। हम जितना भी मानवीय रूप से संभव है, उतना कर रहे हैं। बाकी भगवान के हाथों में हैं। जमैका की राजधानी किंग्स्टन और लोकप्रिय पर्यटक मोंटेगो बे में हवाई अड्डे पूरे दिन बंद रहे।

निक्की हेली ने बाइडन के बचाव में आए वरिष्ठ पत्रकार को घेरा, कहा अब तो आप मेरा विश्वास करिए

वॉशिंगटन, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने एक वरिष्ठ अमेरिकी पत्रकार पर निशाना साधा। दरअसल, हेली ने दावा किया था कि राष्ट्रपति जो बाइडन अपना पहला कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे और उनके लिए मतदान करना उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के लिए वोट करना होगा।

हेली ने पत्रकार से यह बात कही थी, जब वह रिपब्लिकन पार्टी की प्राथमिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं। हालांकि, बाद में हेली ने अपना अभियान रद्द कर दिया।

अब तो करो विश्वास

एक क्लिप साझा करते हुए कहा, अब तो आप (पत्रकार) मेरा विश्वास कीजिए। इस बयान पर बहस बता दें, रिपब्लिकन नेता ने यह पोस्ट ऐसे समय में किया है, जब मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि बाइडन की राष्ट्रपति की प्राथमिक बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता उन्हें चुनावी दौड़ से हटने को कह रहे हैं।

पिछले साल जब मैंने बाइडन के दूसरे कार्यकाल को पूरा करने की क्षमता पर सवाल उठाया था तो वरिष्ठ पत्रकार चिल्ला रहे थे कि आपको कैसे पता कि वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे किस सबूत पर मैंने ऐसा बोला।

क्लिप में हेली ने कहा था कि बाइडन अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे। इस पर वरिष्ठ पत्रकार ने बीच में उन्हें रोकते हुए कहा था, एक्सक्यूज मी, एक्सक्यूज मी, एक सेकंड। आप कैसे कह सकतीं हैं कि बाइडन अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे यह किस आधार पर बोला गया

ऐसा कोई रास्ता नहीं है...

रिपब्लिकन नेता ने आगे कहा था, सबसे पहले, जो बाइडन के लिए एक वोट कमला हैरिस के लिए एक वोट है। आप यह जानते हैं और मैं भी यह जानती हूं। ऐसा कोई रास्ता ही नहीं है कि जो बाइडन अपना कार्यकाल पूरा कर सकेंगे। मुझे लगता है कि कमला हैरिस अगली राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। इस बात से हर अमेरिकी को डरना चाहिए।

नेपाल में गिरी प्रचंड सरकार: गठबंधन के मंत्रियों ने दिया इस्तीफा, अब नया गठबंधन डेढ़-डेढ़ साल साझा करेगी सत्ता

नेपाल, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

नेपाल में दो दिनों तक चले राजनीतिक ड्रामे के बाद प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार गिर गई है। गठबंधन के मंत्रियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देकर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन यूएमएल की तरफ से मंगलवार को दी गई 24 घंटे की समय सीमा समाप्त होने के साथ ही दहल के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) सरकार से बाहर हो गई।

पीएम प्रचंड को मिला था 24 घंटे का अल्टीमेटम

इससे पहले पार्टी ने प्रधानमंत्री दहल को पद से हटने के लिए एक दिन का अल्टीमेटम दिया था। इस साल 4 मार्च को गठित दहल की कैबिनेट में शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के आवास पर बुधवार को इस्तीफा सौंप दिया। बता दें कि कि यूएमएल और नेपाली कांग्रेस ने सोमवार रात को नई सरकार बनाने पर सहमति जताई। ओली डेढ़

साल तक नई राष्ट्रीय आम सहमति सरकार का नेतृत्व करेंगे। शेष कार्यकाल के लिए नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री होंगे।

नेपाली कांग्रेस 89 सीट के साथ देश की सबसे बड़ी पार्टी

गौरतलब है कि नेपाल की संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। इस तरह दोनों बड़ी पार्टियों की संयुक्त ताकत 167 हो गई है, जो 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 138 सीटों के बहुमत के लिए पर्याप्त है। बता दें कि नेपाल में पिछले 16 वर्षों में 13 सरकारें बनी हैं।

पिता डोनाल्ड ट्रंप की कानूनी लड़ाई पर आखिरकार इवांका ने तोड़ी चुप्पी, रोते हुए मां को किया याद

वॉशिंगटन, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

डोनाल्ड ट्रंप को बीते महीनों हश मनी मामने में सभी 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया। अब उनकी सजा पर सबकी निगाहें बनी हुई हैं। इन सबके बीच लंबे समय से मौन रहीं इवांका ट्रंप ने आखिरकार अपने पिता की सजा के बारे में बात की। उन्होंने अपने पिता के साथ बचपन की एक तस्वीर साझा करते हुए आई लव यू डैड यानी पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं कहा।

मां को याद कर रोईं इवांका

लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक पॉडकास्ट करते समय अपनी मां इवाना को ग्लैमरस बताते हुए इवांका रो गईं। ट्रंप की 42 वर्षीय बेटी ने अपने पिता की लंबी कानूनी परेशानियों के बारे में बात की और 2024 के राष्ट्रपति अभियान से हटने के लिए अपना स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने स्थिति को दर्दनाक बताया। बहुत ही दर्द भरा अनुभव जब उनसे पूछा गया कि उनके पिता की कानूनी लड़ाई का उन पर क्या असर पड़ा, तो इवांका ने कहा, मानवीय तौर पर वो मेरे पिता हैं और मैं उनसे बहुत

प्यार करती हूं। इसलिए यह अनुभव बहुत ही दर्द भरा था। हालांकि मेरी इच्छा है कि यह इस तरह से नहीं होना चाहिए।

इसलिए छोड़ी राजनीति

इवांका एक समय व्हाइट हाउस में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। वह 2022 में ट्रंप के अभियान के साथ जुड़ी थीं। बाद में एलान किया की वह राजनीति में वापस जाने से पहले अपने परिवार और बच्चों के साथ समय बिताना चाहेंगी। पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने एक मां के तौर पर यह फैसला लिया। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि वह बच्चों को किसी भी कीमत पर इसके लिए तैयार नहीं कर सकतीं। उन्होंने राजनीति को कठिन काम बताया। उन्होंने आगे बताया, राजनीति एक अंधकार भरा संसार है। वहां बहुत अंधेरा है, बहुत नकारात्मकता है और यह वास्तव में उस भावना के उलट है जो एक इंसान के तौर पर मुझे अच्छी लगती है। इस खतरनाक राजनीति की कीमत मैं अपने बच्चों को चुकाने नहीं देने के लिए तैयार नहीं हूं। बता दें, इवांका का पोडकास्ट ऐसे समय में सामने आया है, जब हाल ही में अदालत ने उनके पिता डोनाल्ड ट्रंप की सजा की तारीख को आगे बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण अब सजा 18 सितंबर को सुनाई जाएगी।

क्या है मामला

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ इस हश मनी केस में 34 आपराधिक मामले चल रहे हैं। अब इस मामले में जूरी पर फैसला छोड़ दिया गया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने साल 2016 में एक सेक्स स्कैंडल से बचने के लिए एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान किया था।

बुशरा बीबी बोलीं- देश में धोखेबाजों और चोरों का शासन, इमरान के इद्दत मामले में 12 जुलाई को सुनवाई

इस्लामाबाद, 04 जुलई (एजेंसियां) ।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में अब धोखेबाजों और चोरों का शासन है। देश और इसकी सेना को बदनामी के लिए शहबाज शरीफ सरकार जिम्मेदार है।

बुशरा बीबी फरवरी से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। वहीं, उनके पति और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान भी पिछले साल से इसी जेल में बंद हैं। बुशरा बीबी ने कहा है कि संघीय सरकार देश और इसकी सेना की बदनामी के लिए जिम्मेदार है।

खबर के मुताबिक अदियाला जेल में पत्रकारों से बात करते हुए बीबी ने कहा, अखिरत (देवलोक) में दो जगहें हैं: एक आलिम बरजख-जहां मत्तकी (धर्मी लोग) और परहेजगार (परहेज करने वाले) हैं। जबकि दूरी जेल है, जहां आत्माएं धरती पर आती हैं। जहां एक ऐसी जगह है जिसमें (धरती में) शैतानों की सरकार है। बुशरा बीबी ने कहा कि देश में धोखेबाजों और चोरों की सरकार है। उन्होंने सरकार में शामिल हर व्यक्ति को शैतान

करार दिया।

इमरान खान ने पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली मौजूदा संघीय सरकार पर अवैध होने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-ए) पार्टी पर आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में अपना जनादेश चुराने का आरोप लगाया था। इन चुनावों में अधिकांश पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, चुनाव के बाद हुए समझौते में पीएमएल-एन और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने पीटीआई को किनारे करते हुए सरकार का गठन किया। पीपीपी का नेतृत्व पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी करते हैं।

इद्दत मामले में 12 जुलाई को सुनवाई करेगी अदालत

पाकिस्तान की एक अदालत ने कहा कि वह अवैध विवाद मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ इमरान और बुशरा की अपीलों पर 12 जुलाई को फैसला सुनाएगी। इस्लामाबाद की एक अदालत ने बुशरा के पूर्व पति खावर फरीद मेनका की शिकायत पर दंपति को इद्दत मामले में दोषी ठहराया था। इस्लाम में एक महिला तलाक या अफने पति की मृत्यु के चार महीने पूरे होने से पहले शादी नहीं कर सकती। मेनता ने अपनी याचिका में अदालत से इमरान और बुशरा की शादी को अवैध ठहराने की मांग की थी।

लाहौर: वर्जिनिटी टेस्ट करने पर महिला डॉक्टर सेवा से बर्खास्त

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता का कौमार्य परीक्षण (वर्जिनिटी टेस्ट) करने पर एक महिला डॉक्टर को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। देश में इस तरह के परीक्षण पर पाबंदी है।

पंजाब सरकार ने डॉ. आलिया गिल को सेवा समाप्त की। लाहौर उच्च न्यायालय ने 2020 में दुष्कर्म के मामलों में टू-फिंगर वर्जिनिटी टेस्ट पर पाबंदी लगा दी थी। अदालत ने वर्जिनिटी टेस्ट को अपमानजनक बताया था।

पाकिस्तान में एक कार में बम विस्फोट , चार लोगों की मौत

पाकिस्तान के अशांत उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में रिमोट-कंट्रोल के जरिये एक कार में किए गए विस्फोट में पूर्व सांसद और तीन अन्य की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे आदिवासी बहुल जिले मामोंड बाजौर के दामादोला क्षेत्र में हुआ। पुलिस के अनुसार विस्फोट के समय पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन सीनेट के पूर्व सदस्य हिदायतुल्ला उपचुनाव में अपने भतीजे नजीबुल्ला खान के प्रचार अभियान के सिलसिले में वहां मौजूद थे। पीके 22 प्रांतीय विधानसभा क्षेत्र में 12 जुलाई को उपचुनाव होना है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने विस्फोट की निंदा की है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी हमले की निंदा करते हुए पूर्व सीनेटर तथा अन्य लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

यूरो कप 2024 : पुर्तगाल और फ्रांस एवं स्पेन और जर्मनी, क्वार्टर फाइनल की आठ टीमें तय

बर्लिन, 04 जुलाई (एजेंसियां) । यूएफा यूरो कप 2024 धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। नॉकआउट राउंड की शुरुआत हो चुकी है। राउंड ऑफ-16 के बाद अब पांच जुलाई से क्वार्टर फाइनल्स की शुरुआत होगी। राउंड ऑफ-16 तक कुछ बड़ी टीमों को बाहर होना पड़ा। गत विजेता इटली उन टीमों में शामिल है। टूर्नामेंट की शुरुआत 24 टीमों से हुई थी और अब बस आठ टीमें बची हैं। यूरो 2024 की पांच पसंदीदा टीमें - फ्रांस, इंग्लैंड, पुर्तगाल, स्पेन और मेजबान जर्मनी अभी भी रेस में है।

नीदरलैंड, स्विटजरलैंड और तुर्किये भी अंतिम-8 में जगह बनाने में कामयाब रही है। हालांकि, क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में फ्रांस, पुर्तगाल, स्पेन और जर्मनी के बीच कोई दो ही टीमें जा पाएंगी। क्वार्टर फाइनल में स्पेन का सामना पांच जुलाई को जर्मनी से और पुर्तगाल का सामना फ्रांस से होगा। इनमें से जीतने वाली दो टीम सेमीफाइनल में भिड़ेंगी।

पुर्तगाल और फ्रांस ने यूरो 2020 में 2-2 से ड्रॉ खेला थे, लेकिन अब तक इनके स्टार फुटबॉलर्स कुछ कमाल नहीं दिखा पाए हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और किलियन एम्बाप्पे ने भी अभी तक टूर्नामेंट में तूफान नहीं मचाया है। स्विट्जरलैंड जाएंट किलर्स साबित हुए हैं। जर्मनी को लगभग हराने के बाद, उन्होंने राउंड ऑफ 16 में आसानी से गत चैंपियन इटली को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अब उनका सामना इंग्लैंड से है। इंग्लैंड की टीम अब तक इस टूर्नामेंट में जूड बेलिंघम पर निर्भर रही है।

क्वार्टर फाइनल के आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड का सामना तुर्किये से होगा। तुर्किये ने मजबूत ऑस्ट्रिया को हराया, जबकि नीदरलैंड ने रोमानिया को 3-0 से हराया। स्पेन-जर्मनी के विजेता का सामना सेमीफाइनल में पुर्तगाल-फ्रांस के विजेता से होगा, जबकि इंग्लैंड-स्विट्जरलैंड के विजेता का सामना नीदरलैंड-तुर्किये के विजेता से होगा।

न्यूज ब्रीफ

अकरम ने कहा बुमराह से बेहतर यॉर्कर गेंदबाजी करते थे वकार

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि आज के समय में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सबसे अच्छी यॉर्कर गेंदबाजी करते हैं। अकरम ने कहा कि पर अगर अब तक के सबसे बेहतरीन यॉर्कर गेंदबाज की बात करें तो उसमें वकार यूनुस पहले नंबर पर हैं। अकरम ने कहा कि इस समय में बुमराह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उनका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं है। टी-20 विश्वकप में बुमराह ने अपने प्रदर्शन से ये साबित भी किया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वहीं वकार जब यॉर्कर करते थे तो हमेशा ही उन्हें विकेट मिलता था। साथ ही कहा , वकार को दुनिया ने गेंदबाजी करते नहीं देखा है। लोग उन्हें यू-ट्यूब पर देखा है। मैं तो उसके साथ खेला था। वह कमाल का था। बेहद तेज गेंद फेंकता था और उसकी यॉर्कर बेहद खतरनाक होती थी। साथ ही कहा कि आज कल के गेंदबाज काम के बोझ की बात करते है पर हमारे समय ऐसा नहीं था। वकार 8 साल काउंटी क्रिकेट खेला। वहां उसका रनअप 30 मीटर्स का था। उसका एक्शन और गेंदबाजी देखने लायक थी। यॉर्कर के अलावा वह लेट इन स्विंग भी करता था। रिवर्स स्विंग हमेशा विकेट पर लगती थी। उसे गेंदबाजी करते हुए देखना सुखद अनुभव था। उसके साथ गेंदबाजी करना यादगार था।

शुभमन सहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया

हरारे । कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 जुलाई से शुरु होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए जमकर नेट अभ्यास किया है। भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं। टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं क्योंकि टी20 विश्वकप टीम में शामिल अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। इस दौरे में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। टीम में तीन नए खिलाड़ियों साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह शामिल किया गया है। ऐसे में इस सीरीज में शामिल युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर है। भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैच 6 जुलाई , 7 जुलाई , 10 जुलाई , 13 जुलाई और 14 जुलाई को खेलेगी। ये सभी मैच हरारे में होंगे। टीम इस प्रकार है : शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन , जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा।

गडकरी से मिले गंभीर

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की है। गंभीर का नाम भारतीय क्रिकेट टीम के अगले मुख्य कोच की रेस में सबसे आगे हैं। ऐसे में इस मुलाकात को लेकर कई प्रकार की अटकलें भी शुरु हो गयी हैं। वहीं गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्हें कहा कि मैंने इस बारे में अभी विचार नहीं किया है। ऐसे में जिस सवाल का जवाब देना अभी संभवन नहीं है उसे न करें। साथ कहा कि आईपीएल में कालकाता नाइटराइडर्स को जीत दिला कर वह खुश है और अभी उसी का आनंद ले रहे हैं। गंभीर आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के मेंटर थे और टीम को जिस प्रकार से सफलता मिली उसमें उनका अहम योगदान बताया जा रहा है। गंभीर की कप्तानी में पहले भी केकेआर ने दो बार आईपीएल खिताब जीते थे।

भारतीय क्रिकेट टीम का विश्वकप के साथ स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ, हवाई अड्डे पर टीम की एक झलक पाने को प्रशंसक उमड़े

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां) । टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। भारतीय टीम को लेकर जैसे ही विशेष विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा प्रशंसक उत्साहित हो गये। हल्की बारिश के बाद भी प्रशंसकों का उत्साह अपने चरम पर था। इस दौरान सुरक्षा की भी कड़ी व्यवस्था की गयी थी। खिलाड़ियों को विश्वकप ट्रॉफी के साथ देखने के लिए हजारों की तादाद में प्रशंसक बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े थे। उन्होंने खिलाड़ियों को जीत की बधाई भी दी और नाचने लगे, इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी प्रशंसकों के साथ नाचने लगे।

भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर एक दशक बाद कोई आईसीसी खिताब जीता है। जिससे प्रशंसक बेहद खुश थे। इसी दौरान साल 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, 'हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे।

टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है। टीम को लेकर एअर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी 'एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे की लगातार यात्रा के बाद गुरुवार सुबह छह बजे यहां पहुंचा।

भारतीय टीम विश्वकप जीतने के बाद से ही बारबाडोस में आये समुद्री तूफान 'बेरिल के कारण फंस गयी थी क्योंकि हवाई अड्डा बंद होने से उड़ाने रुक गयीं थीं। भारतीय क्रिकेट को इसके कारण होटल में ही रुकना पड़ा। भारतीय टीम, सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कुछ अधिकारियों के अलावा टूर्नामेंट कवर करने गए भारतीय मीडियाकर्मी भी इस विमान से पहुंचे। इस दौरान हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

इसके बाद भी प्रशंसक विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और विश्वकप तक मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ के पोस्टर लिए हुए थे। लंबी उड़ान के कारण हुई थकान के बाद भी खिलाड़ियों ने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

विश्वकप ट्रॉफी के साथ अलग अंदाज में दिखे ऋषभ

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। ऋषभ विश्वकप ट्रॉफी के साथ उत्साहित दिखे जबकि इससे पहले एक दौर ऐसा भी आया था जब उनकी खेलना ही तय नहीं था। दो दिसंबर 2022 में हुए भयानक कार हादसे के बाद भी जिस प्रकार उन्होंने खेल में वापसी की है। वह अपने आप में एक मिशाल है। इस खिलाड़ी ने तकरीबन 14 महीने खेल से दूर रहने के बाद अपनी मेहनत और जज्बे से किस्मत की बाजी पलट दी। आईपीस और फिर टी20 विश्वकप में उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उनकी विकेटीपिंग और बल्लेबाजी कमाल की रही।

स्वदेश पहुंचने के बाद होटल आईटीसी मौर्या में ऋषभ पंत की एंट्री देखने लायक थी। उनकी एंट्री ने महाभारत के भीम की याद दिला दी। भीम की गदा की तरह ऋषभ पंद भी विश्व कप ट्रॉफी उठाए नजर आए। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे ऋषभ पंत होटल में दाखिल होते हैं और अपने कंधे पर ट्रॉफी लिए हुए हैं। इस दौरान उनके साथ अन्य खिलाड़ी भी नजर आ रहे हैं। ऋषभ की आखों में चमक और चेहरे की मुस्कान बता रही है कि यह पल उनकी जिंदकी के लिए कितना मायने रखता है। ऋषभ पंत का यह पल इसलिए भी खास है, क्योंकि कुछ समय पहले तक यह भी तय नहीं था कि वह कभी क्रिकेट खेल पाएंगे। दरअसल, भारत की जीत में ऋषभ पंत का भी बड़ा योगदान रहा है। अमेरिका की धीमी पिचों पर जब भारतीय बल्लेबाज विफल हो रहे थे, तब वह डटे रहे। उनकी कई छोटी-छोटी और अहम पारियों की बदौलत टीम इंडिया ने अपना विजय अभियान कायम रखा था।

ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन के लिए सात्विक-चिराग तैयार, सर्विस वैरिएशन की चुनौती पर काम जारी

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां) ।

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी 'सर्विस वैरिएशन' चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे 'टंबल', 'स्पिन' और 'वाइड' से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया। चिराग ने कहा कि उन्होंने इस नयी चुनौती से पार पा लिया है और पेरिस ओलंपिक के दौरान इससे निपटने के लिए आत्मविश्वास से भरे हैं। चिराग ने कहा, जहां तक सर्विस वैरिएशन का संबंध है तो यह नयी चुनौती है लेकिन इसे पूरी तरह से महत्वपूर्ण मानना भी सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, ऐसा भी समय था जब हम इसका सामना करने से जूझते रहे थे लेकिन हमने आखिरकार इससे पार पा लिया है। हम जानते हैं कि इससे कैसे निपटना है, हम इसका अभ्यास कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम ओलंपिक में इसका सामना करने में मजबूत साबित होंगे।

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गई थी। सात्विक ने कहा, टोक्यो ओलंपिक में खेलने का अनुभव पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरह के ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली कि दबाव से कैसे निपटा जाए, फोकस कैसे रखा जाये और खेलने की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस तरह हुआ जाए।

पेरिस ओलंपिक में एक साथ खेलेंगे नडाल और अलकराज : डेविड फेरर

बार्सिलोना, 04 जुलाई (एजेंसियां) ।

स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने टीम की कहा है कि राफेल नडाल और कार्लोस अलकराज पेरिस में एक साथ खेलेंगे। इसके अलावा टीम में पाब्लो कैरेनो बुस्टा, एलेजांद्रो डेविडोविच और मार्सेल ग्रेनोलर्स भी शामिल होंगे। वहीं टेनिस महासंघ ने भी कहा है कि नडाल और युगल मुकाबले में खेलते हुए नजर आयेंगे। ये दोनो हालांकि एकल मुकाबले के विजेता हैं। अलकराज ने हाल ही में हुए फ्रेंच ओपन एकल में जीत हासिल की थी। वहीं अनुभवी नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं।

ओलंपिक के टेनिस मुकाबले उसी कोर्ट में खेले जाएंगे जिसमें फ्रेंच ओपन के मुकाबले हुए हैं , ऐसे में इन दोनो को ही हालात से तालमेल बनाना आसान रहेगा।

अलकराज का लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है क्योंकि उनका मानना है कि इसका विशेष महत्व है। उन्होंने फ्रेंच ओपन में जीत के बाद कहा था कि इस साल वह अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने की जगह पर पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने को अधिक महत्व देंगे। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम अलकराज ने कहा, ''ओलंपिक खेल हर चार साल में होते हैं और यह एक विशेष टूर्नामेंट है जहां आप न अपने साथ ही अपने देश के लिए भी खेलते हैं। स्पेन का प्रतिनिधित्व करते हुए मुझे लगता है कि इस साल मैं ओलंपिक स्वर्ण जीतना चाहूंगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ओलंपिक से पहले दिया बड़ा बयान, कहा- स्वर्ण जीतना भारत के लिए सम्मान

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस ओलंपिक (26 जुलाई-11 अगस्त) में स्वर्ण पदक जीतने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि यह देश और खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा। ओलंपिक में आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर 41 वर्षों के लंबे इंतजार को खत्म किया था। हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। भारतीय कप्तान ने एक कार्यक्रम में कहा,हम अपने इतिहास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। स्वर्ण पदक जीतना भारत और हमारे सीनियर खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा।''

पेरिस ओलंपिक में जीतेगा भारत - मनप्रीत सिंह

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान रहे मनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। मनप्रीत ने कहा, दाहिनी तरफ जब मैंने तिरंगा देखा तो मुझे लगा कि अगली बार हम अधिक मेहनत करके अपने तिरंगे को बीच में देख सकते हैं और तब हमारा राष्ट्रगान भी बज रहा होगा। यह हमारी यात्रा की शुरुआत है। मैं प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहता - पीआर श्रीजेश

अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, आपको हराने के लिए कहीं कोई कड़ी मेहनत कर रहा है। यह सोचकर मैं और कड़ी मेहनत करने लग जाता हूं। जब भी मैं अभ्यास करता हूं तो यह सोचता हूं कि मुझे अपने देश के एक अरब 40 करोड लोगों को निराश नहीं करना है।

जीतना भारतीय टीम के डीएनए में है - मुख्य कोच

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम की मानसिकता, दर्शन और रणनीति के बारे में बताया, जो उन्हें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों से मुकाबला करने में मदद करती है। कोच ने कहा, ऐसी कोई टीम नहीं है जिसे इस भारतीय टीम ने न हराया हो। आप यह भी पूछ सकते हैं कि भारत को हराने के लिए दूसरी टीमों को क्या करना होगा मेरे मानना यही है कि बचाव करो, जवाबी हमला करो और जीतो - एक ऐसी टीम होना जो दुनिया की सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ बचाव कर सके लेकिन फिर कहीं से भी पलटवार कर सके। और यह इस भारतीय टीम के डीएनए में है।

राडुकानू तीसरे दौर में, नवारो ने ओसाका को बाहर किया

लंदन, 04 जुलाई (एजेंसियां) । एम्मा राडुकानू एलिस मर्टेंस पर 6-1, 6-2 की जोरदार जीत के साथ घरेलू ग्रैंड स्लैम विम्बलडन में महिला एकल के तीसरे दौर में पहुंच गईं , जबकि उनकी हमनाम एम्मा नवारो ने पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका को आसानी से 6-4, 6-1 से हराया।विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर दिन उन दोनों के नाम रहा क्योंकि उन्होंने अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अपने विरोधियों को पछाड़ दिया, इस प्रक्रिया में राडुकानु ने केवल तीन गेम गंवाए। राडुकानू और मर्टेंस के बीच मैच नंबर 1 कोर्ट पर था, जो विंबलडन का दूसरा सबसे बड़ा स्थल था, जो एक बंद छत के नीचे खेला गया था। 21 साल पहले टोरंटो, कनाडा में जन्मी राडुकानू जब दो साल की थी तब अपने परिवार के साथ इंग्लैंड चली गईं। ब्रिटिश टेनिस की श्रेणी में आने के बाद, वह किशोरी के रूप में यूएस ओपन जीतकर सुर्खियों में आईं। बुधवार को वह मर्टेंस के खिलाफ अपने पूरे जोश में थी। पहला सेट एक झटके में खत्म हो गया। राडुकानू ने होलोजिक डब्ल्यूटीए टूर खिलाड़ियों में नंबर 33-रैंक वाली खिलाड़ी मर्टेंस के दोनों ब्रेक-प्वाइंट अवसरों को बचाया। साथ ही, उन्होंने 28 वर्षीय बेल्जियम की 12 बेजां भूलों का फायदा उठाते हुए दो बार मर्टेंस की सर्विस तोड़ी। राडुकानू ने दूसरे सेट के तीसरे गेम में एक और ब्रेक बनाया और पांचवें में यह उपलब्धि दोहराई। उनका अगला मुकाबला नंबर 9 मारिया सकारी और गैर वरीयता प्राप्त अरांटेक्सा रुस के बीच मैच के विजेता से होगा। राडुकानू ने कभी भी रुस के खिलाफ नहीं खेला है, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि उसने न्यूयॉर्क में 2021 के खिताब की राह पर अपना एकमात्र पिछला मैच सकारी के खिलाफ सेमीफाइनल में जीता था। दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन की 23 वर्षीय नवारो को जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका को हराने के लिए केवल 59 मिनट की आवश्यकता पड़ी। सेंटर कोर्ट पर अपने करियर की पहली उपस्थिति में, नवारो को कभी

भी शोडाउन में ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। वर्जीनिया विश्वविद्यालय की 2021 एनसीएए चैंपियन नवारो एक साल पहले शीर्ष 50 से बाहर थी, लेकिन वर्तमान में करियर के सर्वोच्च 17वें स्थान पर हैं। वह अब इस साल के तीनों स्लैम में तीसरे दौर या उससे बेहतर स्थान पर पहुंच गई है, अब तक रौलां गैरो में 16वें राउंड के प्रदर्शन के साथ अपने चरम पर है। अगर नवारो एक और ग्रैंड स्लैम के राउंड ऑफ 16 में जगह बनाना चाहती है, तो उसे तीसरे राउंड में रेड-हॉट डायना श्नाइडर को हराना होगा। 20 वर्षीय श्नाइडर ने 2017 की यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को केवल 49 मिनट में 6-1, 6-1 से हरा दिया। श्नाइडर ने इस साल नवारो को दो बार हराया है, हाल ही में पिछले हफ्ते बैड हैम्बर्ग सेमीफाइनल में। श्नाइडर ने वर्ष के अपने दूसरे खिताब के लिए उस ग्रास-कोर्ट प्रतियोगिता को जीता और वह वर्तमान में अपने करियर की सर्वोच्च 30वीं रैंकिंग पर हैं। बुधवार के मैच के पहले छह गेम में नवारो और ओसाका को सर्विस में कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन 3-3 के स्कोर पर, ओसाका ने लगातार चार गलतियां करके नवारो को लव ब्रेक दे दिया। एक समय पर, नवारो ने लगातार 10 अंक हासिल कर लिए, हालाँकि 5-3 की बढ़त को मजबूत करने के लिए उसे ड्यूस गेम में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। ओसाका ने सर्विस पर फिर से मजबूती दिखाई और लव होल्ड के माध्यम से नवारो को सेट के लिए सर्विस करने के लिए मजबूर किया। अमेरिकी इस कार्य के लिए तैयार थी, उसने एक मजबूत ओवरहेड शॉट के साथ सेट प्वाइंट हासिल किया, फिर उस मौके को एक तेजतर्रार फोरहैंड के साथ परिवर्तित कर दिया, जो सेट का उसका नौवां विनर था।

ओसाका द्वारा एक ड्रॉप वॉली चूकने ने नवारो को दूसरे सेट के शुरुआती गेम में एक त्वरित ब्रेक प्वाइंट दिया, और नवारो ने अपना मौका लिया, ग्राउंडस्ट्रोक बनाकर ओसाका को गलती करने के लिए मजबूर किया और शुरुआती बढ़त ले ली। नवारो ने दूसरा सेट 6-1 से जीता, जिससे नई मां ओसाका की पांच साल की अनुपस्थिति के बाद विंबलडन में वापसी रुक गई। नवारो ने केवल पांच बेजां भूलों के बावजूद 16 विनर्स के साथ मैच समाप्त किया।

श्रीलंका ने बॉन्डधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया, संकट से जूझ रहे देश को मिलेगी यह मदद

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

श्रीलंका के वित्त मंत्री शेहान सेमासिंघे ने गुरुवार को बताया कि लंबी बातचीत के बाद द्विपीय राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बांडधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौते पर पहुंच गया है। एक बयान में, राज्य के वित्त मंत्री सेमासिंघे ने कहा कि पुनर्गठन शर्तों पर एक समझौता हुआ, जिससे श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई।

सेमासिंघे ने कहा, आईएसबी (इंटरनेशनल सॉवरेन बॉन्ड) 37 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल बाहरी ऋण में से 12.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के लिए जिम्मेदार है। यह समझौता ऋण स्थिरता को बहाल करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि निजी बॉन्डधारकों के साथ समझौता भारत सहित अन्य राष्ट्रों की आधिकारिक लेनदार समिति की मंजूरी के अधीन था।

उन्होंने कहा, यह अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और पुनरूत्थान की दिशा में हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकारियों ने कहा कि आईएसबी धारकों को 28 प्रतिशत कटौती पर अग्रिम भुगतान इस साल सितंबर से शुरू होने पर सहमती बनी है।

अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो मार्च 2023 में चार साल की अवधि में विस्तारित 2.9 बिलियन अमरीकी डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बेलआउट पैकेज के तहत एक शर्त थी।

यह प्रक्रिया यह 26 जून को पेरिस में भारत और चीन सहित द्विपक्षीय उधारदाताओं के साथ ऋण पुनर्गठन समझौतों को अंतिम रूप देने के बाद पूरी की गई है। इसे राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने ऋण-ग्रस्त अर्थव्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय विश्वास को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है।

श्रीलंका ने अप्रैल 2022 के मध्य में अपना विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त होने के बाद खुल को डिफ़ॉल्ट घोषित किया था। ऋण सेवाओं के रुकने का मतलब था कि बहुपक्षीय लेनदार राष्ट्र और वाणिज्यिक ऋणदाता देश को नया वित्तपोषण नहीं दे सकते थे। द्विपक्षीय ऋण पुनर्गठन पर पिछले सप्ताह की घोषणा के बाद सरकार को मुख्य विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिन्होंने दावा किया कि सरकार देश के लिए सबसे अच्छा समाधान हासिल करने में विफल रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

बजाज सीएनजी बाइक होगी लांच, ये दुनिया की पहली सीएनजी बाइक

नई दिल्ली। देश के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में कल बजाज ऑटो कंपनी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक लॉन्च करने की तैयारी में है। बजाज ऑटो ने लॉन्च से पहले अपनी आगामी सीएनजी बाइक का नया टीज़र जारी किया है। इस अपकमिंग सीएनजी बाइक में एडीवी से इंस्पायर्ड डिजाइन है जो उस स्पेसिफिक ऑडियंस को अपील करता है। बजाज का लक्ष्य एक वर्सेटाइल प्रोडक्ट बनाना है जो प्रीमियम 125 सीसी मोटरसाइकिल पेश करके अलग-अलग ग्रुप्स को अपील कर सके।स्पाई शॉट्स जो सामने आई हैं उनमें एक छोटा सा फ्यूल टैंक दिख रहा है जो लगभग 5 लीटर पेट्रोल रखने में सक्षम है और बाइक के व्हीलबेस पर एक लंबी सीट है, जिसके नीचे सीएनजी टैंक रखा गया है। सीएनजी और पेट्रोल ईंधन की कंबाइंड कैपेसिटी ट्रेडिशनल 125 सीसी कम्यूटर मोटरसाइकिलों के समान टैंक रेंज होनी चाहिए। बजाज सीएनजी बाइक में सिल्वर रंग में हाइलाइट किए गए मस्कुलर टैंक श्राउड भी हैं, जो हेडलाइट हाउसिंग तक फैले हुए हैं यहां। गोल हेडलाइट एक क्लासिक टच देता है, जबकि हैंडलबार ब्रेसेस, नकल गार्ड और फ्रंट डिस्क ब्रेक कम्यूटर सेगमेंट में प्रीमियम फील देते हैं।बाकी नोटेबल कंपोनेंट्स में एक लार्ज साइड बॉडी पैनल, स्टाइलिश बेली पैन, स्प्लिट 5-स्पोक डिजाइन एलॉय व्हील्स, पीछे बैठने वालों के लिए फंक्शनल ग्रैब रेल, रिब्ड सीट, ट्रेडिशनल आरएसयू टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, रियर मोनो-शॉक सेटअप, टायर हगर और मेगा कलर रेंज शामिल हैं। बजाज द्वारा सीएनजी बाइक में 125 सीसी इंजन दिए जाने की संभावना है।

माइक्रोसॉफ्ट ने किया भेदभाव, कर्मियों को करेगी 117 करोड़ रुपये का भुगतान

Microsoft

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों के साथ भेदभाव करने के मामले को निपटाने के लिए 1.44 करोड़ डॉलर (117 करोड़ रुपये) का भुगतान करने को तैयार हो गई है। कैलिफोर्निया के नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) ने इसकी पुष्टि की। मामले की जांच कैलिफोर्निया एजेंसी ने 2020 में शुरू की थी। सांता क्लारा काउंटी की अदालत में फैसला आने के बाद माइक्रोसॉफ्ट भुगतान करने को तैयार हुई। आगे भेदभाव न होने पाए इसके लिए एक स्वतंत्र एजेंसी निगरानी रखेगी। दरअसल, जिन कर्मचारियों ने गर्भावस्था, दिव्यांगता, बीमारी परिवार के सदस्य की देखभाल व अन्य कारणों के लिए छुट्टी ली तो कंपनी ने उन्हें कम बोनस दिया। साथ ही उनकी समीक्षा के दौरान उन्हें कमतर दिखाया गया। इसके चलते कई कर्मचारियों को न तो वेतन बढ़ा और न ही पदोन्नति की गई। पात्र कर्मचारियों को मिलेंगे 1.25 लाख रुपये अदालत के फैसले के अनुसार कंपनी में 13 मई 2017 से काम कर रहे कर्मचारियों को भुगतान किया जाएगा। प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 1,500 डॉलर (1.25 लाख रुपये) का बेसिक भुगतान प्राप्त होगा। इसके अलावा वेतन और रोजगार की अवधि जैसे कारकों के आधार पर और अधिक राशि मिलेगी। राज्य नागरिक अधिकार एजेंसी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट में दुनिया भर में लगभग 221,000 कर्मचारी हैं। इनमें से लगभग 7,000 कैलिफोर्निया में हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी में गिरावट

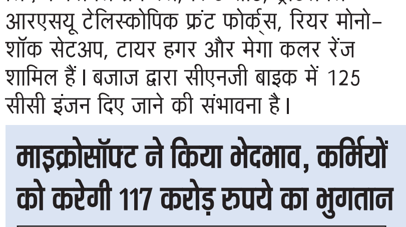

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की तेजी के साथ 72,412 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 60 रुपये की तेजी के साथ 72,463 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। मसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की गिरावट के साथ 91,852 रुपये पर खुला।

आवासीय योजनाओं, नीतिगत दरों और निवेश के बदले रुख से बढ़ी कीमतें, पर घर खरीदना अब भी लोगों की पसंद

मुंबई, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

देश में रियल एस्टेट बाजार में आवासीय क्षेत्र में लगातार तेजी बनी हुई है। देश के सभी शहरों में घरों की कीमतें आसमान छू रही हैं बावजूद इसके उल्लेखनीय रूप से मांग बढ़ी है। दिल्ली-एनसीआर, नवी मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता सहित छोटे शहरों में मकानों की बिक्री में तेजी से बढ़ रही है। जानकार इसकी बड़ी वजह सरकारी नीतियों जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना को मानते हैं, जिसके तहत सभी वर्गों के लोगों को सरकार ने अपना घर मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है। जानकार बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों की ओर से होम लोन को किफायती ब्याज दर पर उपलब्ध करवाने को भी घरों की बिक्री बढ़ने की एक बड़ी वजह मानते हैं।

घर खरीदना पहली पसंद – रियल एस्टेट विशेषज्ञ ओम मेहता बताते हैं कि मध्यम वर्ग के लोगों की उच्चस्तरीय जीवनशैली की आकांक्षा के साथ भारत में स्थिर भविष्य के लिए घरों की कीमतें बढ़ती रहेंगी। घर खरीदना सभी के लिए सपना होता है और अब लोग इस सपने को साकार कर रहे हैं। लोग घर, कार खरीदने के साथ सोने में निवेश और घूमने पर पैसे खर्च कर रहे हैं। देश में रियल एस्टेट बाजार पारंपरिक रूप से आर्थिक विकास के प्रमुख चालकों में से एक रहा है, यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में नकदी की कमी, विनियामक सुधार और कोविड महामारी जैसी चुनौतियों के बाद भी इस सेक्टर में मांग लगातार बनी रही। वह इसलिए कि कोविड जैसी महामारी के बाद लोग अपनी संपत्तियों को लेकर सजग हुए हैं। वर्ष 2023 में सबसे अधिक नई परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। 2024 की पहली तिमाही ने पिछले वर्ष के लगभग सभी रिकॉर्ड को पार कर लिया। एक रिर्पोट के अनुसार 2024 में आवासीय रियल एस्टेट में बाजार में 280,000 से 290,000 इकाइयों की अनुमाति सीमा के साथ नए लॉन्च हुए।

सरकारी नीतियों और डिजिटल अपनाने से बढ़ी मांग – रियल एस्टेट के एनालिस्ट प्रफुल्ल कुमार का कहना है कि 2023 में मांग में सुधार हुआ और सरकारी नीतियों और पूरे उद्योग में डिजिटल अपनाने से बिक्री में उछाल आया। सरकारी नीतियों जैसे कि रेरा प्रावधान को लाने से आपको सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मिल जाती है। दूसरा प्रधानमंत्री आवास योजना है जिसके तहत कमजोर वर्ग को अपना घर मुहैया करवाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को पहला घर खरीदने पर ढाई लाख रुपये की सब्सिडी देने जैसी योजना ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। डिजिटल का इस्तेमाल बढ़ने से ऑनलाइन घरों को ढूंढा, खरीदना और वर्चुअल टूर से संपत्ती देखना, खरीदना, बेचा जाना आसान कर दिया है।

किफायती ब्याज दरें – सरकारी नीतियों के अलावा बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) द्वारा अपने लोन कारोबार को बढ़ाने के लिए ग्राहकों को किफायती ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। यह कदम इस क्षेत्र के लिए बहुत मददगार साबित हुआ है। क्योंकि भारतीय घरेलू बचत का 50 प्रतिशत हिस्सा रियल एस्टेट में निवेशक किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर की यथास्थिति बनाए रखा है। जिससे आवासीय क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिला है। यह स्थिरता बनी रही तो आवास की मांग आगे बनी रहेगी, जो इनकी कीमतों को बढ़ाने में मदद करेंगी।

निवेश के रुख में बदलाव – परंपरागत रूप से व्यावसायिक संपत्तियों को उनके बेहतर रिटर्न और न्यूनतम रखरखाव की मांग के कारण निवेश के लिए पसंद किया जाता है। हालांकि पिछले दो सालों से आवासीय संपत्ती से किराया अच्छा मिल जाने से कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके अलावा एनआरआई विशेष रूप से इसमें निवेश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2019 से 2020 तक एनआरआई ने बाजार में कुल निवेश का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा लिया जो अब 15 प्रतिशत हो गया है और यह 2025 तक 20 प्रतिशत हो जाएगा। इसलिए स्थानीय आवासों के भाव में मजबूती बनी रहेगी।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश तीन साल के उच्च स्तर पर – कोलियर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल पहली तिमाही में सुस्त शुरुआत के बाद दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट में निवेश ने गति पकड़ ली है। दूसरी तिमाही में इस क्षेत्र में संस्थागत निवेश 3 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार दूसरी तिमाही में सबसे अधिक निवेश इंडस्ट्रियल और वेयरहाउसिंग सेक्टर में 1.53 बिलियन डॉलर हुआ। कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 61 फीसदी रही और दूसरी तिमाही में इसमें तिमाही आधार पर 763 और सालाना आधार पर 1043 फीसदी का भारी इजाफा हुआ। इन दोनों सेक्टर के बाद आवासीय सेक्टर में सालाना आधार पर 652 फीसदी वृद्धि के साथ करीब 0.54 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। आफिस सेक्टर में निवेश में सालाना आधार पर 83 और तिमाही आधार पर 41 फीसदी गिरावट दर्ज की गई कोलियर्स इंडिया में कैपिटल मार्केट और इंवेस्टमेंट सर्विसिस के प्रबंध निदेशक पीयूष गुप्ता कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश ने 2024 की पहली छमाही में 3.5 बिलियन डॉलर का निवेश मजबूत बाजार को दर्शाता है। इस साल की पहली छमाही में कुल निवेश में विदेशी निवेश की 73 फीसदी हिस्सेदारी से पूरे वर्ष के लिए सकारात्मक सेंटीमेंट रहने की उम्मीद है। भारत में एफडीआई और घरेलू पूंजी में निरंतर वृद्धि रियल एस्टेट में बुनियादी ढांचे, निर्माण और सकारात्मक दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व चालू वित्तीय वर्ष में बढ़कर 38 लाख करोड़ पर पहुंच सकता है, क्रिसिल का दावा

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

देश के शीर्ष 18 राज्यों राजस्व चालू वित्तीय वर्ष में आठ से 10 प्रतिशत तक बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। इन राज्यों की देश की जीडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) में 90 की हिस्सेदारी है। क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में इन 18 राज्यों का राजस्व सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। रिपोर्ट के अनुसार इन राज्यों के राजस्व में इजाफे का सबसे मुख्य कारण मजबूत जीएसटी संग्रह और केंद्र से राज्यों को इसका हस्तांतरण होगा। राज्यों के राजस्व में इस मद से आमदनी की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार इन राज्यों को शराब की बिक्री से होने वाली आमदनी जो इनके राज्सव का 10 प्रतिशत है, स्थिर रहने अनुमान है। वहीं, पेट्रोलियम उत्पादों पर लगाए गए बिक्री कर का संग्रह और 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित अनुदान मामूली रह सकता है।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि राजस्व वृद्धि को सबसे अधिक गति कुल राज्य जीएसटी संग्रह, बेहतर कर अनुपालन और अर्थव्यवस्था के अधिक औपचारिकरण से मिलती रहेगी। चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय कर हस्तांतरण में 12 से 13 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जो अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चालक साबित होगा।

केंद्र से राज्यों को मिलने वाले अनुदान में चार से पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो बजट परिव्यय के अनुरूप है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा है कि गणना में इस वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार राजस्व में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों को अपने राजस्व का विस्तार करने और संग्रह क्षमता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जुलाई महीने में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। इस बजट में राज्यों का राजस्व बढ़ाने की दिशा में केंद्र की ओर से उठाए जा रहे कदमों पर स्थिति और साफ होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संविधान के पॉकेट...

तमिलनाडु का ही एक और उदाहरण देखिए। पेरम्बलूर स्थित वी कलाथुर गांव में मुस्लिमों ने अपने इलाके में हिंदू शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया। मुसलमान जहां बस गए, वो उनका इलाका हो दाता है। वर्षों से जो वार्षिक त्यौहार चला आ रहा था, उस पर 2012 से मुस्लिमों को आपत्ति हो गई और इसे बंद करा दिया गया। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट को कहना पड़ा कि किसी खास क्षेत्र में कोई खास मजहब बहुलता में है तो इसका अर्थ ये नहीं है कि दूसरे धर्मों को अपना त्यौहार न मनाने दिया जाए या शोभा यात्रा नहीं निकालने दी जाए। उच्च न्यायालय को धार्मिक असहिष्णुता के खिलाफ टिप्पणी करनी पड़ी। क्या आपने कभी सुना कि किसी हिंदू बहुल इलाके में ईद, मुहर्रम या क्रिसमस मनाने से रोका गया हो? आखिर एक ही वर्ग को बार-बार सहिष्णुता का पाठ क्यों पढ़ाना पड़ता है? जबकि नैरेटिव ठीक उल्टा गढ़ा जाता है।मुसलमानों की ये हरकतें लंबे अरसे से चल रही हैं। केरल में मोपला मुस्लिमों द्वारा बड़े पैमाने पर हिंदुओं का नरसंहार लोगों को याद है। हिंदुओं का कत्लेआम हुआ, उनकी बहन-बेटियों के साथ बलात्कार हुआ। उस दौरान केरल में खिलाफत आंदोलन का एक नेता था वरियाकुन्नथ कुंजाहम्मद हाजी, जिसे स्वतंत्रता संग्राम का नायक बता कर पेश किया गया। जबकि वह शरिया कोर्ट चलाता था और कई गांवों में बर्बर इस्लामी नियम-कानून चलाता था। उसी इलाके में आज केरल से अलग मुस्लिम राज्य बनाने की मांग चल रही है।यानी केरल के मोपला से लेकर पश्चिम बंगाल के चोपरा तक, वही सोच, वही समूह, वही वहशीपन आज भी कायम है। कहीं कोई विचार में शुद्धता और उदारता का कोई लक्षण नहीं। आज पश्चिम बंगाल की लगभग एक तिहाई जनसंख्या मुस्लिम हो चुकी है। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश और म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठिए बसाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में एक महिला विदेशी घुसपैठिया सरपंच बन जाती है। यह पश्चिम बंगाल है, जहां की सरकार ने प्रदेश को कट्टर और बर्बर इस्लामिक तत्वों के हवाले कर दिया है, महज वोट के लिए।थोड़ा फ्लैशबैक में चलें और याद करें। पश्चिम बंगाल में बसीरहाट के संदेशखाली में शाहजहां शेख नाम का सत्ताधारी गुंडा अपने गुर्गों के साथ जनजातीय समाज की महिलाओं का यौन शोषण करता था। यह सब टीएमसी के स्थानीय दफ्तर में किया जाता था। शाहजहां शेख का नाम राशन घोटाले में भी आया था। उसकी तलाशी लेने गई ईडी की टीम पर शाहजहां शेख और उसके रोहिंग्या गुंडों ने कातिलाना हमला किया। किसी तरह लहूलुहान हालत में भाग कर ईडी के सदस्यों को अपनी जान बचानी पड़ी। यह वही बंगाल है जिसका विभाजन ही मजहबी हिंसा की नींव पर हुआ था। 1946 के ग्रेट कलकत्ता किलिंग में 10,000 से अधिक हिंदुओं को मौत के घाट उतार दिया गया था। उस समय भी दंगाइयों को मुस्लिम लीग के मुख्यमंत्री हुसैन सुहारवर्दी का समर्थन प्राप्त था। तब बंगाल में 54 प्रतिशत मुस्लिम थे और 44 प्रतिशत हिंदू। मुस्लिम जहां बहुमत में होंगे, वहां फौरन अलग मुल्क की मांग करेंगे। बंगाल में भी यही हुआ। इस्लाम के नाम पर बंगाल का विभाजन उसे मुस्लिम देश पाकिस्तान में मिला दिया गया। कालांतर में वह बांग्लादेश बना। 16 से 19 अगस्त 1946 कलकत्ता के लिए कत्ल के दिन थे। 16 अगस्त को ही मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान के गठन के लिए डायरेक्ट एक्शन डे का ऐलान किया था। सुहारवर्दी पर आरोप लगा कि लालबाजार पुलिस थाने में जाकर उसने खुद ये सुनिश्चित किया कि दंगाइयों पर कोई कार्रवाई न हो, पुलिस भी हिंदुओं के खिलाफ हो गई। गोपाल पाठा जैसे वीर अगर उस वक्त इन दंगों के खिलाफ न खड़े होते और हिंदुओं को प्रेरित न करते तो शायद आज बंगाल हिंदू विहीन हो जाता।पश्चिम बंगाल मां काली की वह भूमि है जहां रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद का जन्म हुआ। यहां 16वीं शताब्दी में चैतन्य महाप्रभु जैसे महान कृष्ण भक्त का जन्म हुआ। श्री अरविन्द ने अपने हिंदू दर्शन से जिस भूमि को समृद्ध किया। लाहिड़ी महाशय के चमत्कारों की चर्चा जहां गूंजी, जहां हरिचंद ठाकुर ने भेदभाव मिटाया, जहां स्वामी प्रणवानन्द जैसे योगी की कर्मभूमि रही। आज वही बंगाल किस दुर्दशा में है, यह सामने है। घुसपैठ और हिंसा के लिए कुख्यात पश्चिम बंगाल में आज रामनवमी जैसा त्यौहार शांति से नहीं मनाया जा सकता। 2018 में रानीगंज, 2019 में आसनसोल, 2022 में शिवपुर और 2023 में हावड़ा के अलावा इस साल शक्तिपुर क्षेत्र में दंगे हुए। यानी, हिंदुओं को अपना त्यौहार नहीं मनाने दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल में स्थिति अभी और भयंकर होने वाली है। हमीदुल रहमान जैसे लोग सत्ता में रहे तो कई ताजेमुल पैदा होते जाएंगे।आतंकियों में डॉक्टर-इंजीनियर का पकड़ा जाना इसका उदाहरण है कि शिक्षा से इस्लामी सोच नहीं बदल सकती। जब संसद में शपथग्रहण के दौरान असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग 5वीं बार सांसद चुने जाने के बावजूद जय फिलिस्तीन का नारा लगाते हों तो लोगों को खिलाफत की याद आएगी ही। तुर्की में कौन खलीफा बैठे, इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन इसके बावजूद खून हिंदुओं का बहाया गया। इस सोच से लड़ने की रणनीति क्या है, इसमें हर तरफ भ्रम है। सैकड़ों वर्षों से हिंदुओं का यह संशय हमारी भूमि और हमारी आस्था को खंडित करता रहा है। यह क्रम जारी है। हमें संविधान रक्षकों के पॉकेट-डायरी वाले मक्कार संस्करणों से आगाह रहना होगा...

घुसपैठियों को...

पर उजागर हुई थीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शासन और प्रशासन को यह पता है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठिए, पश्चिम बंगाल के रास्ते आते हैं। इसके बाद वे झारखंड के वन क्षेत्र में बस जाते हैं। इनमें से कुछ आदिवासियों की लड़कियों को निशाना बनाते हैं। जब लडकियां उनके दिखावे में फंस जाती हैं तो उनसे शादी कर लेते हैं। शादी के बाद लड़की की पहजान दस्तावेजों में आदिवासी के तौर पर ही रहने दी जाती है। इसके बाद उस लड़की के नाम पर जमीन ली जाती है या फिर उसकी ही जमीन पर कब्जा कर लिया जाता है। यह सब करने के लिए बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को फंडिंग मिलती है। लड़की की पहचान आदिवासी रखने के पीछे सरकारी फायदे लेने के मकसद रहता है। इसके अलावा कई जगह उन लड़कियों को चुनाव भी लड़वाया गया, जिन्होंने मुस्लिमों से शादी की।यहां घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी इस जमीन में खनन के लिए भी ऐसा कर रहे हैं। कुल मिलाकर धीरे-धीरे इस इलाके की पहचान बदली जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में घुसते ही फर्जी पहचान पत्र भी बनवा लेते हैं। इसमें इनकी मदद पहले से आकर बस चुके लोग भी करते हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की यह समस्या शादी करने और जमीन हथियाने तक ही सीमित नहीं रही है। इसका कनेक्शन लोकसभा चुनाव तक से जुड़ा है। इसके लिए संथाल के बड़े जिले साहिबगंज की राजमहल विधानसभा का उदाहरण सामने है। राजमहल के विधायक अनंत ओझा ने बताया कि उनके इलाके में कुछ गांवों में मुस्लिम वोट बेतहाशा बढ़े हैं। मुस्लिम वोट में बढ़ोत्तरी पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे झारखंड के गांवों में हुआ।अनंत ओझा के अनुसार, उनकी विधानसभा के 187 नंबर बूथ पर 2019 में 672 वोट थे। 2024 में यह बढ़ कर 1461 हो गए। यानी इसमें लगभग 117 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी के साथ सरकारी मदरसा बूथ पर 754 वोट बढ़ कर 1189 हो गए। ऐसे कम से कम 73 बूथ इस विधानसभा के भीतर हैं जहां की वोटर वृद्धि असामान्य है।विधायक अनंत ओझा ने बताया कि यह सभी बूथ मुस्लिम आबादी के बीच स्थित हैं। इसी इलाके में हिंदू आबादी वाले 17 बूथ पर इसी दौरान आबादी कम हो गई है। उन्होंने इस संबंध में राज्य चुनाव आयोग से भी शिकायत कर रखी है। राज्य चुनाव आयोग ने इस मामले में एक टीम बनाकर कार्रवाई की बात कही है। लेकिन जमीन पर ऐसी कोई कार्रवाई अब तक नहीं दिखी है। बस इतना बताया जा रहा है कि इस इलाके में मतदाताओं के भौतिक सत्यापन पर विचार हो रहा है। इस बीच समस्या इतनी बढ़ गई कि आखिरकार हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य की सरकार इन बांग्लादेशी घुसपैठियों पर क्या कार्रवाई करती है, यह देखने वाला होगा। क्योंकि हेमंत सोरेन की सरकार इंडी गठबंधन की सरकार है। लिहाजा, मुस्लिम तुष्टिकरण की बीमारी से सोरेन कैसे मुक्त होंगे, इस पर झारखंड के उन आदिवासियों की निगाह है, जिनका पूरा अस्तित्व संकट में है। बांग्लादेश की सीमा से सटे हुए झारखंड के जिलों में मदरसों में भी अचानक बेतहाशा बढोतरी हुई है। संथाल परगना में ही 46 नए मदरसे बने हैं। इन मदरसों के जरिए देश विरोधी कार्य हो रहे हैं। न केवल जनजातीय महिलाओं का शोषण हो रहा है बल्कि घुसपैठिए जमीन पर कब्जा भी कर रहे हैं। अदालत ने इस मामले में सरकार को दो सप्ताह के भीतर प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है जिसमें उन्हें बताना है कि उन्होंने कितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित किया, उनमें से कितनों को रोका और कितनों को वापस भेजने का प्रयास हो रहा है।इसके अलावा कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से भी जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि ये बहुत गंभीर मसला है। इसको सिर्फ राज्य की सरकारें नहीं हैंडल कर सकतीं। केंद्र को भी इसमें राज्य के साथ काम करना चाहिए। इसलिए वो भी उन्हें रिपोर्ट दें कि केंद्र इस मामले में क्या-क्या कदम उठा सकता है। इस सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से भी अदालत में बात रखी गई। केंद्र ने कोर्ट को बताया कि घुसपैठ के मामले में केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को अधिकार दिए हैं वो ऐसे लोगों को खुद चिह्नित करके कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि याचिका दाखिल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि राज्य सरकार तो राज्य में घुसपैठ से ही इनकार कर रही है। वो संथाल इलाके में किसी धर्मांतरण की बात भी नहीं स्वीकार कर रही। ऐसे में केंद्र को ही घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए जाने चाहिए। अब मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को होनी है।गौरतलब है कि धर्मांतरण के मसले पर इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी सख्त टिप्पणी की थी। उन्होंने ईसाई धर्मांतरण के खतरे को देख कहा था कि अगर अगर इसी तरह से धर्मांतरण का खेल जारी रहा तो आने वाले समय में देश में बहुसंख्यक जनसंख्या अल्पसंख्यक हो जाएगी। कोर्ट में ये महत्वपूर्ण टिप्पणी जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने की थी। उन्होंने कहा था कि जहां भी और जैसे भी भारतीय लोगों का धर्मांतरण करवाया जाता है उसे फौरन रोका जाना चाहिए।

विजेता...

उसके खिलाड़ियों को ऐसा करने दिया। इस कदम की सोशल मीडिया पर कई लोगों ने सराहना की है।पीएम मोदी को भारतीय टीम की ओर से नमो जर्सी भी तोहफे के तौर पर दी गई। बीसीसीआई सचिव जय शाह और बोर्ड अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने यह जर्सी प्रधानमंत्री को भेंट की। पीएम मोदी के साथ बातचीत के दौरान कुछ समय बिताने के बाद भारतीय खिलाड़ी मुंबई के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल्ली हवाई अड्डे के लिए निकल गए। मुंबई में टीम इंडिया ने मरीन ड्राइव और वानखेड़े स्टेडियम तक विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस का आयोजन बीसीसीआई द्वारा किया गया।शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक ने बताया कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल शुक्रवार को विधानसभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल समेत मुंबई से टीम इंडिया के खिलाड़ी कल महाराष्ट्र विधानसभा में सीएम एकनाथ शिंदे से मिलने आएंगे। एमसीए का सदस्य होने के नाते मैंने खिलाड़ियों को आमंत्रित किया था और उन्होंने मेरा निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

बीजद ने...

आंध्र प्रदेश की वाईएसआरसीपी और ओड़ीशा की बीजद की राज्यसभा में अच्छी उपस्थिति है, जहां राजग के पास बहुमत नहीं है। कई मुद्दों पर उनका रुख सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकता है। राज्यसभा में बुधवार को पीएम मोदी के भाषण के दौरान सस्मित पात्रा के नेतृत्व में बीजद सदस्यों ने वॉकआउट में कांग्रेस का साथ दिया। पात्रा ने कहा कि न तो राष्ट्रपति के अभिभाषण और न ही मोदी के जवाब में ओड़ीशा के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे की उनकी पार्टी की मांग का कोई उल्लेख था। राज्यसभा में वाईएसआरसीपी के नेता वी विजयसाई रेड्डी ने मंगलवार को मोदी के भाषण के दौरान लोकसभा में विरोध प्रदर्शन करने के विपक्ष के फैसले की निंदा की।

शहीद अग्निवीर...

अग्निवीर योजना को लेकर लोकसभा में झूठ बोलने का आरोप लगाया और उनसे माफी की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि अग्निवीर को मोदी सरकार शहीद का दर्जा नहीं देती तथा उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाता। इस पर रक्षा मंत्री सिंह ने राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया था और कहा था कि हमारी सीमाओं की रक्षा करते हुए या युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अग्निवीर के परिवार को एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है।

वायु प्रदूषण से...

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सबसे कम वायु प्रदूषण पाया गया है। हालांकि अभी भी पहाड़ी शहर में वायु प्रदूषण का स्तर एक जोखिम बना हुआ है। शिमला में हर साल 59 मौतें हुई हैं, जो कुल मौतों का 3.7 प्रतिशत है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल फ्यूचर्स कोलैबोरेटिव, अशोका यूनिवर्सिटी, सेंटर फॉर क्रोनिक डिजीज कंट्रोल, स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड और बोस्टन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने तैयार की है।

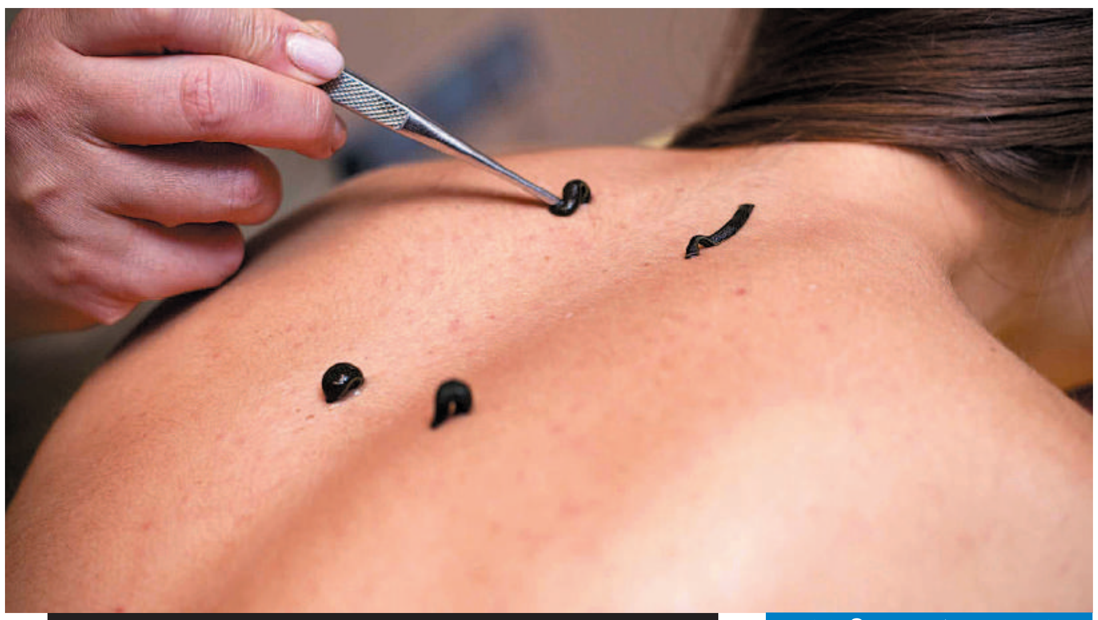

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बींसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरदुथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोंटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

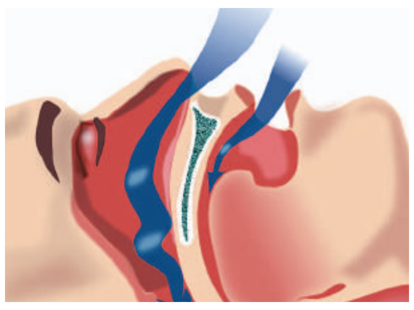

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

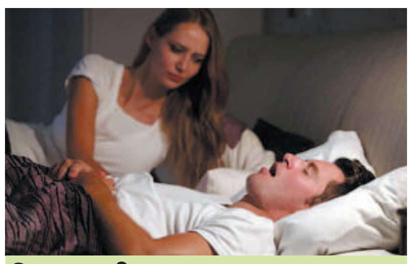

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

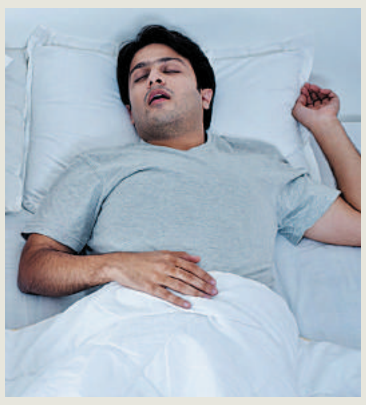

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी बोल्ड ग्लैमरस तस्वीरों के कारण इंटरनेट पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल नहीं थकते हैं।अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर फिदा हो जाते हैं।अब ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं।अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने पिंक कलर का बेहद ही सिजलिंग आउटफिट पहना है।इन तस्वीरों में वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।हालांकि को भी उनका ये लुक काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। अनुष्का सेन की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही समय हुआ है और अब तक लाखों लोगों ने फोटोज पर लाइक कर दिया है।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी की आंधी जारी

कलेक्शन 700 करोड़ की ओर

नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन एपिक फिल्म कल्कि 2898 एडी ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर अपनी धमाकेदार कमाई से धमाल मचा दिया है। प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन की तिकड़ी का हर किसी को दीवाना कर दिया है। फिल्म ने दुनिया भर में 680 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। फिल्म अब 700 करोड़ के आंकड़े की ओर बढ़ रही है। सोमवार को कलेक्शन में 60 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, फिल्म ने मंगलवार को अपनी गति बनाए रखने कामयाबी हासिल की है. सैकनिल्क के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने अपने छठे दिन सभी भाषाओं में 27.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिसमें हिंदी (14 करोड़ रुपये), तेलुगु (11.2 करोड़ रुपये), तमिल (1.2 करोड़ रुपये), कन्नड़ (0.25 करोड़ रुपये) और मलयालम (1.2 करोड़ रुपये) का योगदान रहा है. 6 के बाद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन लगभग 371 करोड़ रुपये हो गया है। छह दिनों की कमाई में तेलुगु भाषी क्षेत्रों का सबसे बड़ा योगदान 193.2 करोड़ रुपये है. हिंदी दूसरे सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है, जिसने 142 करोड़ रुपये कमाए हैं. तमिल, और मलयालम बाजारों में क्रमश: 21 करोड़ रुपये, 2.4 करोड़ रुपये और 12.4 करोड़ रुपये कमाए है। उधर, दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने के साथ ही यह साल की पहली ब्लॉकबस्टर बनने की ओर अग्रसर है। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित इस फिल्म में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होने कारण इस सप्ताहांत वृद्धि देखी जाएगी। 600 करोड़ रुपये के कथित बजट के साथ बनी कल्कि 2898 विज्ञापन में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे कई सितारे शामिल हैं।फिल्म को ना सिर्फ रीव्यूअर्स से प्रंशसा मिल रही है, बल्कि फिल्म बिरादरी से भी काफी तारीफें मिल हैं। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, वरुण धवन, अर्जुन कपूर, जवान डायरेक्टर एटली ने फिल्म की वाहवाही की है।

कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज़

प्रियामणि संग खूनी खेल खेलेंगी सनी लियोनी

फिल्म कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और यह सनी लियोनी की फिल्म से अपेक्षा से कहीं ज़्यादा है. कोटेशन गैंग अपने दिलचस्प प्रमोशनल कंटेंट के कारण चर्चा में है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, सनी लियोन, प्रियमणि और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाल ही में इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसर किया गया है। कोटेशन गैंग का ट्रेलर के निर्माताओं द्वारा जारी किया गया। ट्रेलर में बहुत क्रूरता और खून-खराबा दिखाया गया है, जिसमें प्रियमणि को एक महिला कॉन्ट्रैक्ट किलर के रूप में दिखाया गया है, जो एक क्रूर गैंगस्टर और नारकोटिक्स की दुनिया में काम करती है। वह अपने व्यवसाय में अन्य पुरुषों के खिलाफ़ बढ़त करने की कोशिश करती है, और अन्य साहसी महिलाओं के साथ मिलकर लड़ती है।कोटेशन गैंग एक हाइपरलिंक क्राइम ड्रामा है और इसे विवेक के कन्नन ने लिखा और निर्देशित किया है।

फिल्म ने ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसरशिप की औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। कोटेशन गैंग को सिनेमैटोग्राफर बाथमनबन ने कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में शूट किया है और ड्रम्स शिवमणि ने इसका संगीत दिया है और केजे वेंकटरमन ने इसका संपादन किया है।

फिल्म में अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। कोटेशन गैंग की रिलीज की की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन पहले यह घोषणा की गई थी कि फिल्म जुलाई में बड़े पर्दे पर आएगी। फिल्म कन्नड़, हिंदी, मलयालम और तेलुगु में भी रिलीज होगी।

टीवी एक्ट्रेस निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन पर की खुलकर बात

टीवी निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन से जूझने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि टीवी शो छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने और अकेलेपन ने उन्हें परेशान कर दिया था।अपनी यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा, डिप्रेशन से जूझना मेरे जीवन एक बड़ी चुनौती रही है। छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने के कारण मुझे बर्नआउट एंग्जायटी और डिप्रेशन का सामना करना पड़ा, साथ ही निजी जीवन में अकेलेपन का सामना करना पड़ा।रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के 14 का हिस्सा रही निम्रत ने कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में कभी भी डिप्रेशन का सामना नहीं किया।उन्होंने कहा, मैंने डिप्रेशन के पता चलने के बाद 40 दिन का ब्रेक लेने के बावजूद काम करना जारी रखा और एंटीडिप्रेसेंट लेना शुरू कर दिया। एक साल बाद होम्योपैथी पर स्विच कर लिया। बिग बॉस सीजन 16 में प्रवेश करने से लगभग एक महीने पहले मैंने दवा लेना बंद कर दिया।निम्रत ने कहा कि मेरे लिए काम ढूंढना कभी मुश्किल नहीं रहा। मुझे काम पाने के लिए कभी संघर्ष नहीं करना पड़ा। वास्तव में, मैं अपने टेलीविजन के शिखर पर थी। भले ही दुनिया मुझे विजेता के रूप में न देखे, लेकिन मेरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत जीत मेरे शरीर में साल भर में आए बदलावों से मानसिक और शारीरिक रूप से उबरना था।एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। 2018 में उन्हें फेमिना मिस का ताज पहनाया गया। इसके बाद वह बी प्राक के मस्तानी नामक एक संगीत वीडियो में नजर आईं, जिसने उन्हें शोबिज की दुनिया में कदम रखने में मदद की।2019 में उन्होंने लोकप्रिय डेली सोप छोटी सरदारनी में काम करना शुरू किया, जिसने उन्हें फिर से सुर्खियों में लाने में की।अभिनेत्री को बाद में सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस 16 में देखा गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्रोत बढ़ेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं । कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। अगर स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखना हैं तो डिनर मे कुछ हल्का और सुपाच्य भोजन लेना होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय-धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं । व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद-विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद-विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं । व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा । कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यर्थ

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं । सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी-मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए , दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे । सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा । अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगडेंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा , दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे-संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 05 जुलाई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 04:29 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 04:07 तक
योग : ध्रुव रात्रि 03:48 तक
करण : चतुष्पाद सायं 04:41 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहूकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या , पुनर्वसु में रवि रात्रि 11:40 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा

जयपुर, 04 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। डा. मीणा ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान इस बारे में जानकारी देते हुए अपना वीडियो जारी कर बताया कि उन्होंने पिछली पाचं तारीख को ही अपना इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि वह पहले सांसद भी रहे हैं और दौसा, सवाईमाधोपुर एवं करौली क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ थी और रात दिन मेहनत के बावजूद पार्टी को जीत नहीं दिला पाए। उन्होंने कहा इससे मेरा मन खट्टा हो गया और टूट गया। मैंने घोषणा की थी कि अगर इन क्षेत्रों में मैं पार्टी को नहीं जिता पाया तो मंत्री पद छोड़ दूंगा। इसलिए मैंनें पांच तारीख को ही इस्तीफा दे दिया था।

उन्होंने कहा कि उनकी मुख्यमंत्री एवं संगठन से कोई नाराजगी नहीं हैं, क्योंकि जब मैंने चुनाव में यह बात बोली थी कि अगर पार्टी को नहीं जिता पाया तो मंत्री पद छोड़ दूंगा तो उसकी पालना करते हुए मंत्री पद छोड़ा हैं। उधर बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश जारी कर सोलहवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र एवं इसके पश्चात अन्त: सत्र में श्री मीणा की अनुपस्थिति में संबंधित विभागों के समस्त संसदीय कार्य (विधानसभा प्रश्नों, प्रस्तावों के अनुमोदन एवं उत्तर दिये जाने सहित अन्य संसदीय कार्य) के सम्पादन के लिए ग्रामीण विकास राज्य मंती ओटाराम देवासी एवं कृषि एवं उद्यानिकी विभाग राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के के विश्नोई को अधिकृत किया गया हैं।

उल्लेखनीय है कि डा मीणा बुधवार से शुरु हुए द्वितीय सत्र में भी मौजूद नहीं थे। पिछले कई दिनों से उनके पद छोड़ने को लेकर अटकले लगाई जा रही थी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कठोर सजा

बारां, 04 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां जिले की विशिष्ट न्यायालय पोक्सो (क्रम-2) ने अपने एक फैसले में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।विशिष्ट लोक अभियोजक हरि नारायण सिंह ने बताया कि पीड़िता के मामा ने छबड़ा थाना में उपस्थित होकर एक जनवरी 2019 को रिपोर्ट दर्ज करायी कि उसकी भांजी पिछले दो वर्षों से उसके यहां पढ़ रही थी। पिछली रात पड़ोस में रहने वाला जितेंद्र उसकी नाबालिग भांजी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। इस आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई, छबड़ा थाना ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया। अनुसंधान के बाद 12 अप्रैल 2019 को छबड़ा थाना ने आरोपी मुल्जिम जितेंद्र के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 13 गवाह के बयान न्यायालय में कुल 19 दस्तावेज प्रदर्शित कराये गये।विशेष न्यायाधीश सोनिया बेनीवाल ने गुरुवार को अभियोजन द्वारा प्रस्तुत गवाह और दस्तावेजों के आधार पर मुल्जिम जितेंद्र को नाबालिग लड़की को विवाह की गरज से भगा ले जाने और दुष्कर्म का दोषी मानते हुये 20 साल का कठोर कारावास एवं अलग-अलग धाराओं में कुल 1,30,000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने की आत्महत्या

कोटा, 04 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

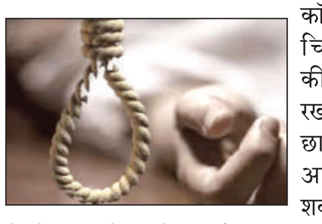

मूल रूप से बिहार के नालंदा निवासी संदीप (16) 11वीं की पढ़ाई करने के अलावा ज्वाइंट इन्टरेंस एग्जामिनेशन (जेईई) की प्रवेश परीक्षा की भी पिछले दो साल से कोटा में महावीर नगर तृतीय इलाके में पीजी होस्टल में रहकर तैयारी कर रहा था। उसका एक भाई संजीत भी कोटा में ही कोचिंग ले रहा था, लेकिन वह अलग जगह दादाबाड़ी में रहता था।मिली जानकारी के अनुसार संदीप कल रात मेस से खाना खाकर अपने कमरे में चला गया और उसके बाद वह वापस नहीं निकला। आज सुबह दरवाजा खटखटाने पर भी नहीं खोलने के बाद उसके साथी छात्र ने रोशनदान से झांका तो उसे पंखे से लटका हुआ नजर आया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर भीतर प्रवेश किया और शव को नीचे उतरने के बाद कोटा मेड़िकल कॉलेज के संलग्न चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। मृतक छात्र के परिजन आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। कोचिंग छात्र संजीव की आत्महत्या के मामले में एक बार फिर पीजी होस्टल प्रबंधन की लापरवाही सामने आयी है। जिस कमरे में संजीव रह रहा था, उसकी छत पर लगे पंखे के साथ एंटी हैगिंग डिवाइस नहीं लगा हुआ था जबकि कोटा जिला प्रशासन पहले ही कई बार होस्टल प्रबंधन को एंटी हैगिंग डिवाइस लगाने के सख्त निर्देश दे चुका है जिनकी कई होस्टल संचालक लगातार उपेक्षा कर रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा में दूसरे दिन भी विपक्ष का जोरदार हंगामा

जयपुर, 04 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र के दूसरे दिन भी सदन में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया और सदन से दो बार बहिर्गमन किया वहीं सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई।

सदन की कार्यवाही तीसरी बार स्थगित होने के बाद वापस सदन की कार्यवाही शुरु होने पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस मामले में जवाब देते हुए कहा कि वह आदिवासियों का सम्मान करते हैं और उनकी मंशा आदिवासी समुदाय को कोई ठेस पहुंचाना नहीं थी। श्री दिलावर ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा है कि आदिवासी हिन्दू हैं और वे रहेंगे उनकी कोई इस समाज के प्रति कोई और मंशाा नहीं थी। इससे विपक्ष के सदस्य संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने श्री दिलावर के इस्तीफे की मांग करते हुए सदन से दिन की आगे की कार्यवाही के लिए सदन का बहिर्गमन कर गए।इससे पहले सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरु होते ही विपक्ष के सदस्यों ने आदिवासियों के डीएनए जांच मुद्दे को लेकर चर्चा की मांग करने लगे लेकिन सदन में इसकी अनुमति नहीं मिली और विपक्ष के सदस्यों ने 11 बजकर 50 मिनट पर वेल में आकर नारेबाजी शुरु कर दी जिससे सदन में शोरगुल और हंगामा हुआ। विपक्ष के सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन किया। शून्यकाल में नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्तावों पर सदस्य हरिमोहन शर्मा बिजली एवं पेयजल को लेकर अपनी बात रख रहे थे तभी 12 बजकर 12 मिनट पर विपक्ष के सदस्य वेल में आ गए और फिर नारेबाजी शुरु कर दी।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्ष के सदस्यों से अपनी जगहों पर जाने के लिए कहा लेकिन उनकी नारेबाजी जारी रही। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर खड़े होकर बोलने लगे तो वेल में नारेबाजी कर रहे सदस्य और नारेबाजी करते हुए श्री दिलावर की तरफ बढ़ने लगे और इस दौरान सत्ता पक्ष के लोग भी वेल में आ गए और हंगामा बढ़ गया। हंगामा बढ़ते देख अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 12 बजकर 25 मिनट पर आधा घंटे के लिए स्थगित कर दी।इसके बाद करीब पौने दो बजे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बोलने लगे इस पर सत्ता पक्ष के सदस्य और बाद में विपक्ष के सदस्यों के बोलने पर फिर शोरगुल और हंगामा हुआ। पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों के खडे होकर बोलने लगे और फिर आमने सामने होने लगे तभी अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 13 बजकर 44 मिनट पर दो बजे तक एक बार फिर स्थगित कर दी। इसके बाद सदन की कार्यवाही दो बजे फिर आधा घंटे के लिए स्थगित कर दी गई।

सांसद नवीन जिंदल ने अधिकारियों को लगाई फटकार, मांगा जवाब

जल्द ही समस्या का समाधान कर रिपोर्ट देने के आदेश

कुरुक्षेत्र, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने गुरुवार को कैथल में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। इसके तहत सांसद ने लघु सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में विधायक लीला राम और नगर परिषद की अध्यक्ष सुरभि गर्ग भी मौजूद थी। इसी बीच अधिकारियों के साथ की गई बैठक में नप अध्यक्ष सुरभि गर्ग ने जींद रोड स्थित मॉडल टाउन सहित शहर में पीने के गंदे पानी की समस्या पर अपनी आपत्ति जताई। अध्यक्ष ने सांसद को जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी के मौसम में शहर में पीने की पानी की समस्या का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। यहां तक की शहर के लोग उनके कार्यालय और आवास पर गंदे पानी की बोतलें तक भरकर लेकर आते हैं और अपना रोष जताते हैं। उनकी समस्या को कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के समक्ष रखा जाता है। परंतु इसका कोई समाधान नहीं हो पाता है। इस पर सांसद नवीन जिंदल ने मौके पर मौजूद विभाग के अधिकारियों को फटकार लगा जवाब मांगा और कहा कि वे इस समस्या का जल्द ही समाधान कर उन्हें रिपोर्ट सौंपे। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनें। उनके इस सपने को साकार करने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। हमारा दायित्व है कि हम बेहत्तर कार्य करते हुए जिला कैथल को विकसित बनाने के लिए भरसक प्रयास करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़कें व अन्य मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध देना सुनिश्चित करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में जो भी सड़कें टूटी हैं, उन्हें जल्द दुरूस्त करवाया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बिजली विभाग से संबंधित रिपोर्ट लेते हुए कहा कि जहां भी पुरानी तारें हैं, उन्हें जल्द बदला जाए। उन्होंने नहरी विभाग के अधिकारियों को कहा कि मानसून के सीजन में अपने प्रबंध करना सुनिश्चित करें, ताकि कहीं भी जलभराव की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने सिविल सर्जन से जिले में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं डॉक्टर्स आदि के बारे में फीडबैक लिया और उन्होंने कहा कि अस्पतालों में लोगों को किसी भी प्रकार परेशानी न आए और बेहत्तर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने जिले में बन रहे मेडिकल कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट के बारे में भी विचार-विमर्श किया। इस मौके पर विधायक लीला राम, डीसी प्रशांत पंवार, एडीसी सी जया श्रद्धा, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता मंगत राम गर्ग, जन स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता अशोक खंडुजा, बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता सोमबीर, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता जगबीर सिंह, कार्यकारी अभियंता प्रशांत ग्रोवर, वरूण कंसल, सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निजी स्कूल बस के ब्रेक हुए फेल तीन वाहनों को मारी टक्कर

हिसार, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में गुरुवार सुबह करीब सात बजे नेशनल हाईवे पर एक निजी स्कूल की बस ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित हो गयी और बस ने तीन वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें एक बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना मय्यड़ के निकट हुई। बस में 40 बच्चे सवार थे, लेकिन बच्चों को कोई चोट नहीं आयी है। दुर्घटना के बाद जमा लोगों ने बस चालक से मारपीट की और आरोप लगाया कि चालक नशे में था लेकिन चालक ने कहा कि बस के ब्रेक फेल हो गये थे। स्कूल प्रशासन की तरफ से परिवहन प्रभारी ने बलवंत ने कहा कि बारिश में बस के ब्रेक फेल हो गये थे, जिससे बस अनियंत्रित हुई।

स्कूल की प्रिंसिपल मंजू बाला ने भी कहा कि चालक नशे में नहीं था। उन्होंने कहा कि सुबह एल्कोसेंसर से जांचने के बाद ही चालकों को बस में बैठने की इजाजत दी जाती है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना की खबर मिलते ही वह भी मौके पर पहुंची थीं। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि घायल के इलाज का खर्च स्कूल उठायेगा और जो वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनको क्षतिपूर्ति दिलवायी जायेगी।

12वीं की छात्रा का अपहरण कर ले जाते समय पलटी कार, लड़की की मौत

भिवानी, 04 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी में कैरू पुलिस चौकी के अंतर्गत एक गांव की 12वीं कक्षा की छात्रा का अपहरण कर ले जाते वक्त सड़क हादसे में छात्रा की मौत हो गई। हादसे में अपहरण के दोनों आरोपी बुरी तरह जख्मी हो गए। छात्रा सुबह घर से स्कूल के लिए निकली थी कि रास्ते में कार सवार दो लड़कों ने अपहरण कर लिया। तेज गति और लापरवाही के कारण गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे खेत में पलट गई। पुलिस ने दोनों घायलों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है।

राहगीरों की ओर से सूचना दिए जाने के बाद परिजन तोशाम रोड स्थित हादसा स्थल पर पहुंचे और लड़की को कैरू स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए लेकर आए। वहां पर कोई चिकित्सीय स्टाफ नहीं होने के कारण लड़की को जिला सामान्य अस्पताल में लाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतका के चाचा के बयान पर कैरू निवासी सुनील और तोशाम के सरल निवासी मोहित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लड़की के चाचा के बयान पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोनों लड़कों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लड़की के अपहरण में इस्तेमाल कार को पुलिस ने बरामद कर लिया है।

शिकायतों का समाधान न करने वाले अधिकारी रगड़े जाएंगे : रणजीत चौटाला

सोनीपत, 04 जुलाई (एजेंसियां)। बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने कहा कि शिकायत के बावजूद कई अधिकारी काम नहीं करते। शिकायतकर्ताओं को कई-कई दिन तक कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं। ऐसे में उपायुक्त को निर्देश दिए कि जो अधिकारी शिकायतों का समाधान करने में रुचि नहीं लेता, उनको जरूर रगड़े। मंत्री ने अधिकारियों को आगाह किया कि शिकायतों पर लीपापोती न की जाए अन्यथा मैं खुद कार्रवाई करूंगा।बिजली मंत्री रणजीत चौटाला गुरुवार को लघु सचिवालय में हुई जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में जनसमस्याएं सुन रहे थे। सेक्टर-12 पार्ट 4 के दीपक शर्मा की शिकायत थी कि सेक्टर सहित शहर की अधिकतर स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी है। शाम होते ही सड़कों व गलियों में अंधेरा छा जाता है। इस पर मंत्री रणजीत चौटाला ने निगमायुक्त को कहा कि तुरंत बताएं, समाधान कब तक किया जाएगा। इस पर निगमायुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि 2.5 करोड़ रुपये का टेंडर हो चुका है, 10 हजार लाइटें आनी है। जिन्हें लगवाकर जल्द समाधान कराया जाएगा। गांव भंडेरी निवासी अमित को फसल खराबे का मुआवजा न मिलने की शिकायत पर मंत्री ने अधिकारियों को संबंधित कंपनी पर मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए।

आईएएस केके पाठक के आगे झुकी बिहार की नीतीश सरकार, कई और तबादले

पटना (एजेंसियां)।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी केके पाठक ने एक बार फिर बिहार की नीतीश कुमार सरकार का आदेश नहीं माना। केके पाठक को जहां पदस्थापित किया गया था, उस जगह पर नहीं गए थे। अब राज्य सरकार ने नया तबादला आदेश जारी किया है। इसमें केके पाठक को राजस्व पर्षद का अध्यक्ष-सह-सदस्य बनाया गया है। बुधवार को बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने केके पाठक के साथ दो अन्य आईएएस अधिकारियों का तबादला किया।

भीषण गर्मी के बावजूद स्कूलों में छुट्टी नहीं देने के केके पाठक के आदेश के कारण बच्चों के बेहोश होने और पटना में एक स्कूली छात्र की मौत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद सामने आकर विद्यालयों को बंद करने का आदेश जारी किया था। उन्होंने मुख्य सचिव के मार्फत सभी जिलाधिकारियों को स्कूल बंद करने का आदेश जारी करने का निर्देश दिया था। इसके बाद केके पाठक को शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव से हटाने का आदेश जारी हुआ। इसके बाद से ही पाठक अचानक अवकाश पर चले गए थे।

राज्य सरकार ने 13 जून को उनका तबादला कर गया था, लेकिन वह छुट्टी से नहीं लौटे और नई जगह पर लगे अपने बोर्ड को हटवा दिया था। अब राज्य सरकार ने 13 जून के उसे आदेश को रद्द करते हुए केके पाठक को राजस्व पर्षद बिहार में पदस्थापित किया है और लिखा है कि छुट्टी से लौटने के बाद पाठक उक्त पद पर योगदान देंगे। केके पाठक बिपार्ड के महानिदेशक के अतिरिक्त प्रभार में पहले की तरह ही रहेंगे। राजस्व पर्षद में पाठक 1990 बैच के आईएएस अधिकारी चैतन्य प्रसाद की जगह लेंगे। चैतन्य प्रसाद यहां अतिरिक्त प्रभार में थे।

बुधवार को जारी तबादला आदेश में ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह (1992 बैच के आईएएस अधिकारी) को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार में कायम रखा गया है। इनके अलावा, 2013 बैच के आईएएस कमलेश कुमार सिंह को भू-अर्जन निदेशक बनाया गया है। वह पूर्णिया के बंदोबस्त पदाधिकारी के रूप में अभी पदस्थापित थे।

पटना में हत्या के विरोध में बवाल

दीघा में सड़क पर उतरे लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग

पटना (एजेंसियां)।

पटना के दीघा में गोलीबारी और हत्या के विरोध में गुरुवार को स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने पटना-दीघा मार्ग को जाम कर दिया और प्रदर्शन करने लगे। लोग प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि दीघा पुलिस अपराध नियंत्रण में यहां पूरी तरह असफल साबित हो रही है। लोगों ने अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

दीघा के बाटा मोड़ के नजदीक बुधवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने रवि गोप के भाई राजू गोप और उनके ड्राइवर विकास कुमार को गोलियों से भून डाला था। आननफानन में दोनों को इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टर ने राजू गोप के ड्राइवर विकास कुमार को मृत घोषित कर दिया था। वहीं राजू गोप की हालत बेहद गंभीर है।

बता दें कि राजू गोप के भाई रवि गोप पर पटना के आसपास के थाने में अपराध के कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल रवि गोप जेल में बंद है। बुधवार को कुख्यात रवि गोप का भाई राजू गोप अपनी कार से ड्राइवर के साथ दीघा के बाटा मोड़ पहुंचा था। इसी क्रम में पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़ तोड़ गोलियों से भून डाला था। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के तीन खोखे, नौ कारतूस और एक मैगजीन भी बरामद किया था। पुलिस सीसीटीवी की मदद से अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

जिम संचालक की हत्या के विरोध में माले ने निकाला प्रतिवाद मार्च

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

रोहतास (एजेंसियां)।

रोहतास जिले में नासरीगंज प्रखंड के धुस स्थित भाकपा माले कार्यालय से जिला सचिव कामरेड नंदकिशोर पासवान के नेतृत्व में अमियावर निवासी जिम संचालक अतुल आदित्य श्रीवास्तव के हत्या के विरोध में प्रतिवाद मार्च निकाला गया। इस मार्च में मुख्य रूप से काराकाट विधानसभा से माले विधायक अरुण कुमार सिंह शामिल हुए। मार्च नासरीगंज धुस से चलकर पोस्टल रोड, मेन रोड व मंगल बाजार होते हुए थाना मोड पहुंचकर एक सभा में तब्दील हो गई।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार की सरकार निकम्मी हो चुकी है। जबसे भाजपा और जदयू सत्ता में आई है, तबसे बिहार में हत्या, लूट और बलात्कार में बाढ़ सी आ गई है। आम जनता का जीवन दुर्लभ हो गया है। अपराधी बेलगाम हो गए हैं। आज पूरा बिहार जंगलराज में तब्दील हो चुका है। हत्या और बलात्कार आम बात हो गई है। वहीं, काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह की हत्या से हम सभी काफी मर्माहत है, जिस तरीके से हत्या के चार दिन बीत जाने के बाद भी रोहतास पुलिस के हाथ खाली हैं, अभी तक एक भी गिरफ्तारी इस मामले में नहीं हुई है।

यह पुलिस के द्वारा घोर लापरवाही है। पुलिस अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रही है। इसकी मैं कड़ी निंदा करता हूं। इसलिए आज प्रतिवाद मार्च निकाला गया है। वहीं, विधायक अरुण कुमार सिंह ने जिम संचालक अतुल आदित्य शीवास्तव के हत्यारों को जल्द से जल्द पुलिस गिरफ्तार कर उसे स्पीड ट्रायल के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की पुलिस प्रशासन से मांग की है। बताते चलें कि शनिवार की रात जिम संचालक अतुल आदित्य शीवास्तव को बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने चार गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया था।

शिक्षक पर छात्रा के साथ छेड़खानी का आरोप

गुस्साए लोगों ने स्कूल में जमकर किया हंगामा

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक शिक्षक पर छात्रा के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शिक्षक को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गईं। पूरा मामला खोदाबंदपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक उर्दू विद्यालय नुरुल्लाहपुर की है। शिक्षक पर आरोप है उसने एक छात्रा के साथ छेड़खानी की है । सरकारी स्कूल के के शिक्षक द्वारा छेड़खानी किए जाने की सूचना मिलते ही अभिभावक और ग्रामीण उत्तेजित हो गए।

ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। जब आरोपी शिक्षक से इस संबंध में पूछा गया तो उसने इससे घटना से इनकार कर दिया और प्रमाण मांगा। इसके बाद स्कूल की दूसरी छात्रा ने अभिभावक के सामने बताया कि शिक्षक का चरित्र ही ऐसा है। इसके बाद ग्रामीण उग्र हो गए और आरोपी शिक्षक को रूम में बंद कर दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगो को कार्रवाई का भरोसा दिलाया और समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। इसके बाद पुलिस आरोपी शिक्षक को अपने साथ ले गईं।

इस संबंध में ग्रामीण अशोक कुमार ने बताया कि स्कूल के शिक्षक द्वारा नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़खानी की गईं है। सूचना मिलते ही अभिभावक और ग्रामीण स्कूल पहुंचे और जमकर हंगामा किया।। बाद में आरोपी शिक्षक ने ऐसी किसी भी घटना से इनकार किया साथ ही साथ वहां मौजूद दूसरे शिक्षक द्वारा इस बात का प्रमाण मांगने पर पीड़ित छात्रा के सहपाठी कई छात्राओं के द्वारा शिक्षक के चरित्र पर सवाल खड़ा किया गया जिसके बाद ग्रामीण उग्र हो गए और उन्हें रूम में बंदकर दिया।

बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने शिक्षक को हिरासत में लेकर थाने चली गई। अशोक कुमार ने बताया कि शिक्षक के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना के सामने आने के बाद सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष और बच्चें स्कूल कैंपस पहुंचकर जमकर हंगामा किया।

इस दौरान महिलाएं खासा नाराज थीं और पुलिस के सामने ही क्लास रूम खोलने की जिद पर अड़ गईं और गाली गलौज करने लगीं। लेकिन, पुलिस ग्रामीण की मदद से किसी तरह आरोपी शिक्षक को स्कूल कैंपस से लेकर चली गईं।

मुजफ्फरपुर में पहले ठेले पर बैठकर की रेकी

फिर बाइक चोरी कर हुआ फरार चोर की करतूत सीसीटीवी में कैद

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में बाइक सवार की करतूत तीसरी आंख में हुई कैद। कोई शक न करे, इसलिए मजदूर का हुलिया बना बाइक चोर ने आधे घंटे तक रेकी किया। फिर बाइक पर बैठकर फरार हो गया। मामला जिला नगर थाना क्षेत्र के अति व्यस्ततम बाजार पंकज मार्केट की है। जहां चोर ने ब्लैक रंग की स्पलेंडर बाइक चोरी कर चंपत हो गया और इसकी भनक किसी को नहीं लगी।

मुजफ्फरपुर में एक बार फिर से बाइक चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है। इस बार बाइक की चोरी करने आए शख्स ने पहले पास में लगे एक ठेले पर बैठकर रेकी किया। फिर मौके का फायदा उठाकर बाइक चोरी कर फरार हो गया। बता दें कि लाल

रंग का गमछा पहने हुए आरोपी बाइक की चोरी की, फिर आराम से चलता बनाता। जब बाइक मालिक बाहर आया तो चोरी की जानकारी मिली।वहीं, इस घटना की सभी वारदात सीसीटीवी फुटेज में हुई कैद।

पीड़ित किसान दादर निवासी रणधीर सहनी ने बताया कि बाजार में खरीद करने के लिए मैं पंकज मार्केट गया था। दुकान में भिड़ की वजह से दुकान में ही रुकना पड़ा। इस दौरान अपनी बाइक को सड़क के पास में खड़ी कर दी और जब खरीदारी कर बाहर आया तो देखा बाइक मेरी गायब है। यानी चोरी हो चुकी, जिसके बाद से हमने आसपास में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में देखा तो लाल रंग का गमछा पहने एक शख्स पहले ठेले पर बैठता है और फिर धीरे-धीरे बाइक की तरफ आता है। चाबी लगाकर बाइक की चोरी कर चला जाता है।

वहीं, पूरी घटना को लेकर नगर थाने की पुलिस ने बताया कि बाइक चोरी के संबंध में एक शिकायत मिली है। आसपास की सीसीटीवी खंगाली गई है। एक शख्स लाल गमछा पहने हुए दिखा है, जो बाइक की चोरी करके भाग गया है। प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई किया जा रहा है। जल्द भी आरोपी को पकड़ा जाएगा।

500 कुंवारी कन्या-महिलाओं ने निकाली कलश शोभयात्रा

जमुई में मां काली की प्राण प्रतिष्ठा चल रही, देवी के लगाए नारे

जमुई (एजेंसियां)।

जमुई के लक्ष्मीपुर प्रखंड के दिग्घी स्थित काली मंदिर मे मां काली की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया।उक्त आयोजन को लेकर महिलाओं द्वारा कलश सह शोभायात्रा निकाली गई।

500 महिलाओं द्वारा निकाली गई शोभायात्रा जय श्रीराम के नारे और ढोल बाजे के साथ पूरे दिग्घी बाजार का भ्रमण करते हुए जिनहरा स्थित त्रिवेणी घाट पहुंची और वहां से कलश मे जल भरकर वापस यज्ञ स्थल तक पहुंची। इस दौरान जगह-जगह पर स्थानीय लोगों ने महिलाओं और श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और शरबत की व्यवस्था की थी। सात

दिवसीय महायज्ञ मे वृंदावन से आई कथा वाचिका किशोरी गौरी प्रिया और शिवम चतुर्वेदी जी महाराज द्वारा प्रवचन किया जाएगा।

इसके अलावा महायज्ञ मे बतौर पुरोहित काशी के विद्वान यज्ञाचार्य रोहित मिशा भाग लेंगे। कलश सह शोभायात्रा के समापन के बाद बतौर मुख्य अतिथि के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ सह समाजसेवी डॉ नीरज कुमार साह और मुंगेर के होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ राकेश मोहन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर महायज्ञ के लिए बनाए गए मंडप का उद्घाटन किया।

इस मौके पर डॉ नीरज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए ऐसे आयोजनों का होना जरूरी है। ऐसे आयोजन से नई पीढ़ी सनातन धर्म और उसकी विशेषताओं से अवगत होती है। डॉ नीरज ने कहा कि ऐसे आयोजनों में उनका सहयोग हमेशा रहेगा। कहा कि धर्म ही हमारी नैतिकता को बचाकर रखा है।अगर धर्म की रक्षा न होगी तो मानव समुदाय में नैतिकता का पतन हो जाएगा।

इधर सात दिवसीय महायज्ञ के आयोजन को लेकर पिछले एक माह से तैयारी की जा रही थी।इसको लेकर स्थानीय लोगों ने एक बैठक की और बैठक में एक आयोजन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया।शंभु प्रसाद मंडल को आयोजन कमेटी का अध्यक्ष, रोहित मंडल, सरोज मंडल व जितेन्द्र मंडल को उपाध्यक्ष तथा मनोरंजन मंडल व बसंत मंडल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

जबकि अरविंद कुमार,चंदन कुमार,विकास कुमार,सुरज व हिमांशु कुमार को कमिटी का सचिव बनाया गया।दिग्घी बाजार के प्रत्येक घर से एक एक युवा को कमेटी की कार्यकारिणी मे शामिल किया गया। इस मौके पर दिग्घी पंचायत के पूर्व मुखिया सुनील यादव,मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप यादव, पप्पल झा सहित कई लोग मौजूद थे।

बिजली विभाग का कारनामा जारी: मजदूर के बाद नाई को महज 15 दिन में आया 27 लाख का बिल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में नई बिजली व्यवस्था प्री-पैड मीटर अब लोगों के लिए नासूर बनता जा रहा है। मनमाने बिजली बिल को लेकर के बिजली विभाग बदनाम रहा है और यह अब एक बार फिर अपने कारनामे के कारण सुर्खियों में आ गया है। बीते दिनों मुजफ्फरपुर में मजदूर से लेकर एमआर तो सैलून दुकानदार को भी लाखों का बिल थमा दिया है। यही नहीं बल्कि किसी को 76 लाख तो किसी को 52 लाख तो 36 लाख तो अब 27 लाख का बिल भेजा।

अब ताजा मामला जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव का आया है। जहां पर बिजली विभाग ने सैलून

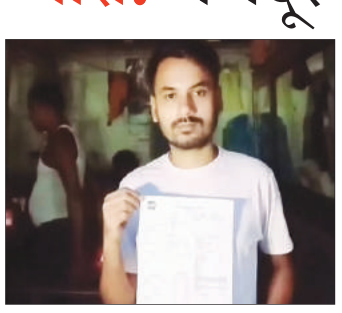

संचालक विनय कुमार को 27 लाख 10 हजार 618 रुपये 36 पैसा का बिल भेजा है और इसके बाद से बिजली काट दिया गया। यही नहीं बल्कि यह बिल महज 15 दिनों का है और इसके बाद से विनय कुमार व उनका परिवार परिवार के होश उड़े हुए है। इस बाबत तीन दिन पहले बिजली विभाग के अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है।

लेकिन जेई ने सुधार का भरोसा दिया गया है और जबकि उसके यहां 3112 रुपये 89 पैसा बिजली विभाग का पिछला बकाया है। दो दिन बिजली ऑफिस में अधिकारी से मिलने पर रामदयालु ऑफिस जाने को कहा गया। वहां 27 जून को आवेदन दिया है, अभी तक बिजली कटी हुई है। विनय कुमार का पूरा परिवार सैलून की कमाई पर ही आश्रित है और बिजली बिल प्रत्येक महीना 200 से 500 रुपये के बीच आता था। वहीं, लगातार बिजली विभाग के इस गड़बड़ी और शिकायत को गंभीरता से विभाग ने लेना शुरू कर दिया है। इसको लेकर के प्रभारी विद्युत कार्यपालक अभियंता पूर्वी किशोर कुमार ने बताया कि बिजली बिल पूरी तरह गलत है। तकनीकी गड़बड़ी के कारण बिल गलत हो गया है। बिल सुधार कर दिया जाएगा। इस संबध में बिल जेनरेट करने वाली एजेंसी सिक्योर को पत्राचार किया गया है। जल्द ही इस दिशा में काम कर सुधार कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com